हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 15 नवंबर 2026

जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी
की 151वीं जयंती पर शत शत नमन



जनजातीय गौरव दिवस







₹1353 करोड़ की डही माइक्रो उद्वहन
सिंचाई परियोजना का लोकार्पण

मुख्य अतिथि
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा संबोधन (वर्चुअल माध्यम से)

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

15 नवम्बर 2026
पुलिस ग्राउंड डही, जिला धार

अधिकार, अवसर और आत्मनिर्भरता से सशक्त होता जीवन

सामुदायिक उत्थान

- वन अधिकार अधिनियम में 2.89 लाख+ दावे मान्य
- 1.90 लाख+ किसानों को पीएम सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण से सहायता
- धरती आबा अभियान एवं पीएम जन मन में 5 लाख+ आवास तथा 2,221 कि.मी. सड़कें स्वीकृत
- पीएम जन मन में 29,700 से अधिक पीवीटीजी घरों में बिजली एवं 9.20 लाख+ घरों में पहुंचा नल से शुद्ध जल
- 1 हेक्टेयर तक के भूमिधारकों को 5HP तक के पंप पर नि:शुल्क बिजली

शिक्षा और अवसर

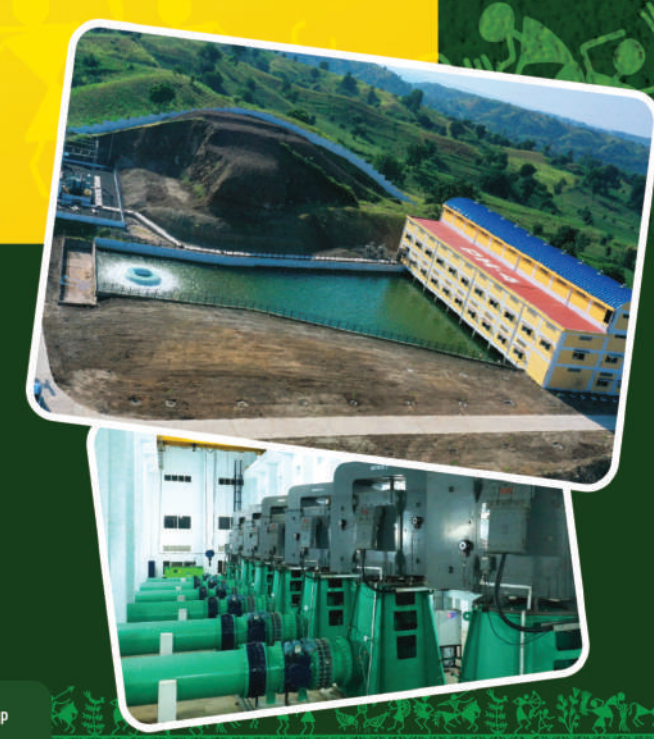
- 3 वर्षों में ₹1,820 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित
- आकांक्षा योजना में NEET, JEE, CLAT की कोचिंग
- 1,109 उच्च माध्यमिक, 804 उच्चतर माध्यमिक, 71 एकलव्य एवं 94 सांदीपनि विद्यालय संचालित
- 2,671 छात्रावासों में हर वर्ष 1.40 लाख विद्यार्थियों को आवास सुविधा
- विदेश में स्नातकोत्तर, पीएचडी व रिसर्च के लिए ₹90 लाख तक की छात्रवृत्ति

स्वास्थ्य और सुरक्षा

- 2.42 लाख+ बहनों को प्रतिमाह ₹1500 आहार अनुदान
- 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं 704 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित
- 1.33 करोड़ से अधिक लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग

रोज़गार और आत्मनिर्भरता

- भगवान बिरसा मुंडा स्वरोज़गार योजना में ₹50 लाख एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक ऋण
- वनोपज से उद्यमिता के लिए 126 वन धन विकास केंद्र संचालित



सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11166/26

जनसम्पर्क : मध्यप्रदेश शासन/2026

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आठ संतों के सान्निध्य में दशहरा मैदान से कल्चुरी भवन तक निकलेगी शोभायात्रा

सहस्त्रबाहु जन्मोत्सव पर आज पांच हजार से अधिक समाजजन धूमधाम के साथ निकालेंगे भव्य वाहन रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी के जन्मोत्सव पर रविवार को भोपाल में कल्चुरी समाज की ओर से भव्य वाहन शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन में 5 हजार से अधिक समाजबंधुओं के शामिल होने की संभावना है। शोभायात्रा में करीब 1500 चारपहिया और 2000 दोपहिया वाहन शामिल होंगे।

आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को कल्चुरी भवन में समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं कल्चुरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एलएन मालवीया ने बताया कि आयोजन को लेकर भोपाल के साथ विदिशा और रायसेन में भी व्यापक जनसंपर्क किया गया है। भोपाल को 12 खंडों में बांटकर कोलार, बैरसिया, करोंद, आनंद नगर, पिपलानी, बागसेवनिया, साकेत नगर, शक्तिनगर, गोविंदपुरा और नरेला सहित विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें की गईं। समाज के लोगों में आयोजन को लेकर खासा उत्साह है।


कल्चुरी भवन में समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक का आयोजन।

संतों का होगा सम्मान

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे भेल दशहरा मैदान, करियर कॉलेज के पास होगी। यहां संतों का स्वागत-सम्मान और आशीर्वचन होंगे। इसके बाद अतिथियों के उद्बोधन के साथ वाहन शोभायात्रा कल्चुरी भवन के लिए रवाना होगी। शोभायात्रा का समापन शाम करीब 6:30 बजे कल्चुरी भवन में होगा। दोनों स्थानों पर समाजबंधुओं के लिए भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई है।

आठ संतों का मिलेगा सान्निध्य

आयोजन में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में श्रद्धेय दादा गुरुजी महाराज शामिल होंगे। इसके अलावा अनीलानंद महाराज, स्वामी ओमप्रकाश, स्वामी ऋषि, स्वामी संपूर्णानंद और श्री श्री 1008 कनहैयादास महाराज सहित आठ संतों का सान्निध्य मिलेगा।

बीयू: आज मनाई जाएगी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, आदेश जारी

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई जाएगी। इसके लिए बीयू के कुलसचिव डॉ एसबी सिंह ने सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी निर्देश के अनुसार आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती दिनांक 15 नवंबर 2026 को प्रातः 11 बजे शिप्रा सभागृह कुलगुरू कार्यालय में आयोजित की जा रही है। जिसमें सभी शिक्षकों, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस संबंध में कार्यक्रम सफल बनाने विवि की सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संचालक राष्ट्रीय सेवा योजना से भी अनुरोध किया गया है। निर्देश में कहा है कि इसकी रिपोर्ट उच्च शिक्षा विभाग को भी भेजी जाना सुनिश्चित है।

- निर्देश में स्पष्ट उल्लेख, इसकी रिपोर्ट उच्च शिक्षा विभाग को भी भेजी जाना सुनिश्चित है

भोजपुरी समाज के लोग आज डूबते सूर्य को देंगे अर्घ्य, छठी माता की होगी पूजा

छठ महापर्व: खरना व्रत रखकर महिलाओं ने की पूजा, ग्रहण किया खीर-रोटी का प्रसाद

सूर्य भगवान को नौका विहार कराना तथा 2100 दीपों का दीपदान करना होगा मुख्य आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना व्रत किया गया। इस दौरान निर्जल उपवास रखने के बाद शाम को खीर रोटी प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। राजधानी में छठ महापर्व का मुख्य आयोजन रविवार को कमला पार्क के पास शीतलदास की बगिया में आयोजित होगा।

भोजपुरी एकता मंच द्वारा यहां पर दो दिनों तक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रविवार को डूबते हुए सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर आराधना करना, सूर्य भगवान को नौका विहार कराना तथा 2100 दीपों का दीपदान करना आकर्षण का केंद्र होगा। तो वहीं भोजपुरी लोक गायक अपनी प्रस्तुति देंगे।



ऐसे करें सूर्य यंत्र की स्थापना

पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि छठ पूजन के दिन सुबह उठकर सूर्य देव को प्रणाम करें। इसके बाद सूर्य यंत्र को गंगाजल व गाय के दूध से पवित्र करें। विधिपूर्व पूजन के बाद सूर्य मंत्र ऊं घृणि सूर्याय नमः का जाप करने के बाद इसकी स्थापना पूजन स्थल पर कर दें।

इन जगहों पर होगी पूजा

छठ पूजा के सामूहिक आयोजन 60 जगहों पर किए जाएंगे। इस दौरान श्रद्धालु निर्जला व्रत रखेंगे और शाम को घाटों पर पूजा अर्चना करेंगे। व्रतधारी घाटों पर पहुंचकर गन्ना सहित अन्य ऋतुफल,पकवान बांस के सूप एवं डलियों में रखकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगे। इस मौके पर मुख्य कार्यक्रम शीतलदास की बगिया, खटलापुरा घाट, काली मंदिर घाट, अशोका गार्डन, करोद, बागसेवनिया विश्वकर्मा मंदिर, सरस्वती मंदिर, आदि स्थानों पर होगी पूजा।



ऐसे करें सूर्य भगवान की आराधना

मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि षष्ठी के दिन रविवार को भोजपुरी समाज के लोग घरों में सभी प्रकार के प्रसाद बनाते है। सांयकाल सूर्यास्त से पहले व्रत करने वाले नदी या तालाब में प्रवेश करते हैं और सूर्य को दूध तथा जल से अर्घ्य देते है। वह तब तक जल में रहते हैं। जब तक सूर्यास्त न हो जाए।

सरस्वती मंदिर छठ घाट के पांचों कुंड पूरी तरह तैयार

खरना के साथ ही छठी मैया का आगमन 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत प्रारंभ

भोपाल। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन के क्रम में बिहार सांस्कृतिक परिषद द्वारा सरस्वती देवी मंदिर छठ घाट, बरखेड़ा, भोपाल में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रविवार को छठव्रती श्रद्धालु अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके लिए घाट परिसर के पांचों कुंडों में नर्मदा जल भर दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्राचीन कुएं के समीप स्नान के लिए शावर तथा वस्त्र बदलने के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है।

शनिवार को सैकड़ों छठव्रती श्रद्धालुओं ने स्नान कर विधि-विधान से खरना का पर्व सम्पन्न किया। परिषद के संयोजक एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार ने बताया कि छठ महापर्व के दूसरे दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखकर संध्याकाल में सात्विक खीर (रसिया), हाथ से बनी रोटी, चावल का पीठा, गाय का दूध एवं चना दाल आदि से खरना का प्रसाद तैयार करते हैं। छठी मैया की आराधना एवं भगवान भास्कर की उपासना के पश्चात प्रसाद अर्पित कर खरना सम्पन्न किया जाता है। मान्यता के अनुसार खरना के साथ ही छठी मैया का आगमन होता है और इसके पश्चात 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत प्रारंभ हो जाता है।

रीना कुमारी के गीतों से गूंजेगा छठ घाट

आयोजन के दौरान छठी मैया के जयघोष, पारंपरिक लोकगीत, पद्य गायन एवं भजन संध्या से पूरा छठ घाट भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम 15 नवंबर को सायं 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक तथा 16 नवंबर को प्रातः 5 बजे से 8 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। बिहार एवं पूर्वांचल की समृद्ध लोक संस्कृति को जीवंत करने के उद्देश्य से पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति भोजपुरी साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से पटना की लोकप्रिय गायिका रीना कुमारी एवं उनके म्यूजिकल ग्रुप द्वारा दी जाएगी। इसके साथ ही बिहार सांस्कृतिक परिषद की पहल पर स्थानीय कलाकारों द्वारा महापर्व छठ की कथा, पारंपरिक गीत एवं पूजा-विधान की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों की जुबानी... तब जुटते थे गिनती के लोग

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए वर्ष 1983 में यहां पहला पक्का कुंड बनाया गया। वर्ष 1958 में भोपाल आए अनंत साहू बताते हैं कि उन्होंने 1960 में कुएं के समीप बहने वाले जलस्रोत में छठ पूजा होते देखी थी। वर्ष 1975 से यहां रह रहीं शिला सिंह ने बताया कि उन्होंने पहली बार नवनिर्मित कुंड पर छठ पूजा की थी। उस समय गिनती के लोग ही जुटते थे। वहीं, वर्ष 1978 में भोपाल पहुंचे मनोज पाठक बताते हैं कि उन्होंने बरखेड़ा क्षेत्र में इस महापर्व को कुओं की परंपरा से लेकर भव्य कुंडों के निर्माण तक विस्तार पाते देखा है। आज इसी सरस्वती मंदिर परिसर में पांच बड़े और पक्के कुंड आस्था का प्रमुख केंद्र हैं।





साफ-सफाई, रोशनी के पुख्ता इंतजाम

छठ महापर्व के लिए सजकर तैयार हुए 54 से 59 घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार से शुरू हो रहे छठ महापर्व के लिए शहर के प्रमुख तालाबों और जलाशयों के किनारे करीब 54 से 59 घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। नगर निगम और जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक इंतजाम किए हैं। नगर निगम की ओर से सभी प्रमुख घाटों पर साफ-सफाई, रंग-रोगन और विशेष प्रकाश व्यवस्था कराई गई है। घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों को भी व्यवस्थित किया गया है, ताकि व्रतधारियों और उनके परिजनों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। निगम अधिकारियों ने विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जरूरी तैयारियों को सुनिश्चित किया।

सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे गोताखोर

घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग और जालियां लगाई गई हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति गहरे पानी की ओर न जा सके। इसके साथ ही जलाशयों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोरों की तैनाती भी रहेगी, जो जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराएंगे। नगर निगम ने घाटों पर सुबह और शाम के समय पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की है, जिससे श्रद्धालु आसानी से पूजा-अर्चना कर सकें।

भोजपुरी उत्सव समिति द्वारा खटलापुरा घाट पर भजनों की प्रस्तुति

आज छठ मैया भजनों की प्रस्तुति से समां बांधेंगे सोनू और सोनाली

भोजपुरी उत्सव समिति खटलापुरा द्वारा शनिवार से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। शनिवार शाम को बिहार के प्रसिद्ध भोजपुरी गायक सोनू पाण्डेय और यूपी की भोजपुरी गायिका सोनाली राज छठ मैया की भजनों की प्रस्तुति देगी। इस अवसर पर आतिशबाजी के साथ दीपदान भी किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम में शामिल अतिथियों का सम्मान समिति द्वारा किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष राहुल दुबे व सचिव पंकज ठाकुर ने बताया कि घाट पर समिति द्वारा नगर निगम के सहयोग से स्वच्छता, उचित प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि की व्यवस्था कराई गई है। पंकज ठाकुर ने बताया कि 15 नवंबर को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।





बीयू: बदली संबद्धता की तारीख, अब लेट फीस के साथ 25 तक होंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने कॉलेजों के लिए जारी की जाने वाली संबद्धता की तारीख में बदलाव किया है। जारी अधिसूचना के अनुसार पूर्व में जारी अधिसूचना में बदलाव करते हुए विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संचालित महाविद्यालयों के विधि पाठ्यक (सत्र 2027-28) की अस्थाई संबद्धता/ नवीनीकरण/ पूर्व से संचालित पाठ्यक्रमों की निरन्तरता/ सीट संख्या में वृद्धि प्राप्त करने के साथ ही नए महाविद्यालय, नए पाठ्यक्रम शुरू करने की अस्थाई संबद्धता प्राप्त करने के लिए तारीख बदली गई है।

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल/ केन्द्रीय निकाय की अनुमति के साथ विवि में संपूर्ण जानकारी (आवश्यक प्रपत्रों) के साथ एमपी आनलाईन के माध्यम से आवेदन एवं शुल्क 18 प्रतिशत जीएसटी सहित जमा करने की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है।

निश्छल-निःस्वार्थ मानव सेवा का संदेश

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला नया भोपाल द्वारा हुतात्मा दिवस के उपलक्ष्य में न्यू मार्केट में रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के कार्यकर्ताओं एवं न्यू मार्केट के व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया और मानव सेवा का संदेश दिया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत मंत्री नवल भदौरिया, प्रांत सह मंत्री जितेन्द्र सिंह चौहान, विभाग मंत्री जीवन शर्मा, विभाग सह मंत्री हरिओम शमा सहित अन्य उपस्थित रहे। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने में सहायक बन सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से संगठन ने समाज में सेवा, समर्पण एवं मानवता का संदेश देते हुए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

वन विभाग ने विफल किए कब्जे के प्रयास

वन सुरक्षा पखवाड़े में कार्रवाई, 20 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण से मुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वन सुरक्षा पखवाड़े (12 से 24 नवम्बर) के दौरान बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर परिक्षेत्र की माला बीट में वन विभाग ने कार्रवाई कर लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। वन अमले ने समन्वित कार्रवाई करते हुए वन भूमि पर कब्जे की कोशिशों को विफल कर दिया। वन एवं वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के लिए विभाग द्वारा वन क्षेत्रों में नियमित गश्ती और निगरानी की जा रही है। पखवाड़े के दौरान भी अतिक्रमण रोकने और वन भूमि के संरक्षण के लिए सतत निगरानी के साथ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नियमित गश्ती और निगरानी की जा रही

महाकालेश्वर मंदिर समिति से समान नियम लागू करने की मांग

संतों को गर्भगृह में प्रवेश तो प्राचीन मंदिरों के पुजारियों को क्यों नहीं? पुजारी महासंघ ने उठाए कई सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में संतों और पीठाधीश्वरों को प्रवेश की अनुमति दिए जाने पर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने सवाल उठाए हैं। महासंघ ने मांग की है कि यदि मंदिर समिति संतों और पीठाधीश्वरों को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति देती है, तो देश के प्रसिद्ध मंदिरों के पुजारियों और उज्जैन के प्राचीन एवं प्रतिष्ठित मंदिरों में वर्षों से भगवान की सेवा कर रहे पुजारियों को भी यह अनुमति मिलनी चाहिए।पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय सचिव रूपेश मेहता ने कहा कि उज्जैन में कई लोग छोटे-छोटे भूखंडों या कथित रूप से सरकारी जमीनों पर आश्रम बनाकर स्वयं को पीठाधीश्वर घोषित कर लेते हैं। आश्रम के बाहर पीठाधीश्वर का बोर्ड लगा देने मात्र से किसी की धार्मिक मान्यता और योग्यता तय नहीं हो सकती।

प्रवेश की अनुमति नहीं मिलना गलत

ऐसे में मंदिर समिति को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति देने से पहले संबंधित संतों और पीठाधीश्वरों की मान्यता, परंपरा और दस्तावेजों की जांच की जाती है या नहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मंदिर समिति इनकी वैधता और धार्मिक परंपरा की जांच नहीं करती, तो केवल नाम के आगे संत, महंत या पीठाधीश्वर लगाने के आधार पर प्रवेश की अनुमति कैसे दी जा सकती है? उन्होंने कहा कि देश के प्रसिद्ध मंदिरों और उज्जैन के प्राचीन मंदिरों के पुजारी वर्षों से भगवान की सेवा के साथ सनातन धर्म की परंपराओं का निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलना उचित नहीं है।

गर्भावस्था से वृद्धावस्था तक मधुमेह की चुनौतियों पर मंथन

शरीर के विकारों और उसके प्रभाव को रोका जा सकता है

मधुमेह को नियंत्रण करने में चिकित्सक की सलाह को न करें नजरअंदाज: डॉ. कोतवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मधुमेह की बीमारी एक बड़ी चुनौती है और इसके नियंत्रण में हमें अहम भूमिका निभानी होगी। मधुमेह की बीमारी के नियंत्रण बारे में चिकित्सक की सलाह को नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इससे मधुमेह की बीमारी के कारण शरीर में अन्य किसी भी किस्म के विकार और उसके प्रभाव को रोका जा सकेगा। यह कहना है कि एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ नरेंद्र कोतवाल का। विश्व मधुमेह दिवस पर एम्स भोपाल के एंडोक्रिनोलॉजी (हार्मोन एवं ग्रंथि रोग) विभाग द्वारा आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) को संबोधित करते हुए डॉ कोतवाल ने कहा कि यह खुशी की बात है कि एम्स के चिकित्सक मधुमेह के रोगियों की सतत जांच और निगरानी करते हुए उन्हें नवीनतम शोधों के संदर्भ में सलाह दे रहे हैं। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने गर्भावस्था में मधुमेह प्रबंधन, मोटापे के प्रबंधन, मधुमेह से जुड़ी पैर की जटिलताओं एवं घावों और अंगों की जटिलताओं की रोकथाम व प्रबंधन तथा बच्चों में मधुमेह प्रबंधन पर चर्चा की। वक्ताओं ने मधुमेह की शीघ्र पहचान और नियमित जांच (स्क्रीनिंग) पर जोर दिया, खासकर गर्भावस्था के दौरान और 30 वर्ष या उससे अधिक आयु के वयस्कों के लिए।



ब्लड शुगर को स्तर पर रखने में इंसुलिन थेरेपी अहम

कार्यक्रम में डॉ. रेखा सिंह, डॉ. सुशील जिंदल, डॉ. जयदीप खरे और डॉ. अल्पेश गोयल ने गर्भावस्था के दौरान मधुमेह के प्रबंधन की चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) को सही स्तर पर रखने में इंसुलिन थेरेपी की अहम भूमिका होती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रसवोत्तर (डिलीवरी के बाद की) जांच और लंबे समय तक नियमित फॉलो-अप जरूरी हैं।

अब वीगन से जुड़ने वालों की बढ़ रही तादाद

वीगन शहर को लेकर महापौर को सौंपा वीगन सर्टिफिकेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

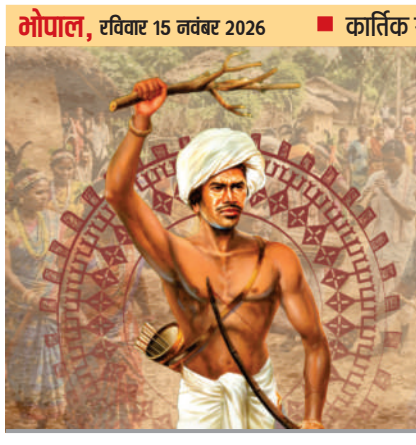
राजधानी में अब वीगन कबाब, कॉफी, पिज्जा, बेकरी आइटम्स और डेयरीमुक्त मिठाइयों का चलन बढ़ रहा है। जिसको देखते हुए एक दर्जन से अधिक रेस्टॉरेंट में वीगन आइटम्स बनाए जाने लगे हैं। वीगन और डेयरीमुक्त खाद्य पदार्थों को लेकर पीपुल फॉर द इथिकल ट्रीटमेंट एनीमल ऑफ इंडिया (पेटा) की सदस्य संस्कृति बंसोरे ने महापौर मालती राय को वीगन अनुकूल शहर का सर्टिफिकेट सौंपा है। पेटा सदस्य वरुलिका दीक्षित ने बताया कि राजधानी में अब वीगन से जुड़ने वालों की तादाद बढ़ रही है। जिसको देखते हुए शहर के कई होटल और रेस्टॉरेंट में वीगन खाद्य पदार्थ मुहैया कराए जा रहे हैं। इन रेस्टॉरेंट में आने वाले लोग वीगन प्रोडक्टस की डिमांड कर रहे हैं।



स्ट्रीट फूड से लेकर बेकरी तक वीगन

शहर में पोहा, जलेबी, सुलेमानी चाय, पानी पूरी और कच्चे केले के समोसे बिना घी या डेयरी उत्पादों के तैयार होने पर पूरी तरह वीगन हैं। शहर के अरेरा कॉलोनी स्थित वाहेगुरु दाल पकवान में वीगन दाल पकवान, मयंकर वेज कबाब में वीगन कबाब, पिज्जेरिया द कैफे में वीगन पिज्जा और साग एंड सोल में वीगन चीजकेक व आइसक्रीम उपलब्ध हैं।

भोपाल, रविवार 15 नवंबर 2026 ■ कार्तिक मास शुक्ल पक्ष-6 ■ वर्ष : 13, अंक : 224 ■ पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 ** मौसम अधि. 29 न्यून. 18 haribhoomi.com



हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी





inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

मदर डेयरी का दूध 4 रुपए प्रति लीटर तक महंगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में दूध उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगा है। अमूल और सांची के बाद अब मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 14 नवंबर से लागू हो गई हैं। कंपनी ने दूध की अलग-अलग वैरायटी और पैक के हिसाब से कीमतें बढ़ाई हैं।



खरगोन में पांच सेकंड तक कांपी धरती

खरगोन। जिले में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। सुबह करीब 9:15 बजे आए झटके लगभग पांच सेकंड तक महसूस हुए। अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत फैल गई और वे घरों से बाहर निकल आए।



स्कूल जा रहे प्रधानाध्यापक को ट्रक ने कुचला

मुरैना। जिले के पहाड़गढ़ क्षेत्र में शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शासकीय प्राथमिक विद्यालय कुसमानी के प्रधानाध्यापक ब्रजेश नरवरे (45) के रूप में हुई है। वह मुरैना से स्कूल जा रहे थे।



जनजातीय गौरव दिवस पर विशेष

हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि विचारधारा



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र शासन

सीएम का ब्लॉग

15 नवंबर का दिन न केवल जनजातीय समाज के लिए, बल्कि समूचे भारत वर्ष के लिए आत्म-स्वाभिमान, अदम्य साहस और देशभक्ति के स्मरण का दिवस है। आज धरती आबा, उलगुलान के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती है। इस पावन अवसर पर मैं मध्यप्रदेश की समस्त 8 करोड़ जनता की ओर से जनजातीय नायकों के चरणों में नमन करता हूं। भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने बेहद कम आयु में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जो उलगुलान (क्रांति) छेड़ा, उसने देश की आज़ादी की नींव को मजबूत करने का काम किया। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है। मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति और गौरव का केंद्र रहा है, जो देश का सबसे बड़ा जनजातीय आबादी वाला राज्य है। हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश को यह सौभाग्य मिला था कि इस ऐतिहासिक निर्णय का साक्षी और ध्वजवाहक हमारा राज्य बना। हमारी सरकार का स्पष्ट ▸▸शेष पेज 4 पर


उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पुरानी संसद के समक्ष बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि दी

भगवान बिरसा मुंडा ने कहा था
स्वाभिमान से बड़ा कोई धन नहीं और संस्कृति से बड़ा कोई गहना नहीं

मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जबलपुर में जनजातीय गौरव सप्ताह का किया शुभारंभ

जनजातीय नायकों से परिचित कराने सप्ताहभर होंगे आयोजन

- मुख्यमंत्री ने समारोह में जनजातीय परिधान धारण कर पारंपरिक ढोल बजाया तथा अपनी सहभागिता से जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोककला के प्रति सम्मान एवं जुड़ाव का संदेश दिया


मुख्यमंत्री तीर-कमान उठाए हुए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

महान क्रांतिकारी, जननायक और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में जनजातीय गौरव सप्ताह शुरू हो गया। इसके तहत जनजातीय क्षेत्रों में कई बड़े आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर से जनजातीय गौरव सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को जितने अलंकरण दिए जाएं कम हैं। उन्होंने अपने 25 वर्ष की अल्पायु में स्वदेश, स्वधर्म, स्वाभिमान और समाज में ▸▸शेष पेज 4 पर

भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी पहचान और संस्कृति के लिए जागरुक और संगठित होने की सीख दी


सीएम डॉ. यादव भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए

- उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय समाज के समाजसेवियों और प्रतिभाओं का किया सम्मान
- मुख्यमंत्री को साफा बांधकर तीर-कमान भेंटकर किया गया सम्मानित


मुख्यमंत्री ढोलक बजाते हुए

जल संरक्षण, कला-साहित्य, खेले क्षेत्र की प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

डॉ. यादव ने जनजातीय समाज में अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों का सम्मान किया। जल संरक्षण के लिए श्रीमती उजियारो बाई, हैदराबाद आर्ट एग्जीबिशन के लिए सुश्री पूर्णिमा पुसरे, 10 वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में 8 वां स्थान ▸▸शेष पेज 4 पर

सरकार जनजातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचा रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय नायकों के योगदान और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचा रही है। हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में आयोजित ▸▸शेष पेज 4 पर

छिंदवाड़ा, डिंडोरी और बालाघाट में सांदीपनि विद्यालय बनाए जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जबलपुर को 133 करोड़ की लागत से छात्रावास और विद्यालय की सौगात ▸▸शेष पेज 4 पर


महिला राइडर्स के साथ बाइक पर पीछे बैठे राहुल गांधी

राहुल ने तेलंगाना में सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना का किया शुभारंभ

गिग वर्कर्स को अब काम और कमाई का पूरा हिसाब मिलेगा

बोले भाजपा मजदूरों को बंधुआ बनाना चाहती है

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना की शुरुआत की। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि भाजपा मजदूरों को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है, जबकि कांग्रेस उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम कर रही है। राहुल ने कहा कि कुछ समय पहले तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ उनकी बैठक हुई थी। इस ▸▸शेष पेज 4 पर

लाइसेंसी दुकान सील फुटेज तलाश रही पुलिस

सागर में शराब से एक और मौत, दूसरा बेहोश, जहरीली शराब की है आशंका

सागर-देवास में पहले भी जा चुकी 33 की जान

जेतपुरा में एक दिन पहले शराब से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सागर

जिले के मछरयाई में शनिवार शाम शराब पीने के बाद एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा बेहोश हो गया। दोनों शराब दुकान परिसर में बैठकर शराब पी रहे थे। विष्णु खटीक (35) ▸▸शेष पेज 4 पर



एक दिन पहले युवक की मौत, प्रदर्शन

सागर जिले के गौरझामर थाना क्षेत्र के जेतपुरा गांव में 34 वर्षीय अंकुश लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने अवैध शराब की बिक्री पर रोक ▸▸शेष पेज 4 पर

महिला ने यह कदम क्यों उठाया? इसकी वजह स्पष्ट नहीं

बेटी-बेटे के संग कुए में कूदी मां, तीनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतलाम

जावरा स्थित मीनाखेड़ा गांव में शनिवार सुबह एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ खेत के कुए में छलांग लगा दी। मां और दोनों बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष के लोगों ने महिला के ससुराल पहुंचकर तोड़फोड़ की और घर के ▸▸शेष पेज 4 पर


दया (मां) | दक्षु (बेटी) | अरविंद

पीएम मोदी के साथ सेल्फी



नई दिल्ली। शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर 2026 के दौरान एक आगंतुक विकास और विरासत डिजिटल सेल्फी बूथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल कटआउट के साथ फोटो खिंचवाता हुआ। ▸▸पढ़ें पेज 10 भी

74 देशों में ठप रहा कामकाज, कंपनी ने जताया खेद

36 घंटे बाद माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं शुरु नेटवर्क अपग्रेड बना आउटेज की वजह

आउटलुक, टीम्स और कोपायलट रहे प्रभावित

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाएं 36 घंटे से अधिक समय तक बाधित रहने के बाद बहाल हो गई हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी से आउटलुक, टीम्स और कोपायलट प्रभावित हुए। कंपनी ने स्पष्ट किया कि आउटेज



की वजह साइबर हमला या कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि नेटवर्क अपग्रेड के दौरान हुई तकनीकी समस्या थी। कम से कम 74 देशों के यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। माइक्रोसॉफ्ट ने घटना पर खेद जताते हुए कहा कि समस्या के मूल कारण को ठीक कर सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। यह समस्या 12 नवंबर को शुरू हुई थी। सर्वर के ऑटोमेटेड हेल्थ चेक में फेल होने से उनका कामकाज बंद हो गया और अतिरिक्त लोड दूसरे सर्वरों पर पहुंच गया। ईमेल की लंबित कतारों के कारण सेवाओं को सामान्य होने में और समय लगा। भारत में इंडिगो और ▸▸शेष पेज 4 पर

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ संजीव शर्मा के छिंदवाड़ा और पचमढ़ी स्थित ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

पिछले 5 साल में मप्र में 11 करोड़पति अफसर कर्मचारी पकड़े जा चुके

एसडीओ के पास 3 करोड़ का सोना, 26 लाख कैश होटल और रिसॉर्ट समेत 7.60 करोड़ रुपए की संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ छिंदवाड़ा

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ संजीव शर्मा के छिंदवाड़ा और पचमढ़ी स्थित ठिकानों पर शनिवार सुबह लोकायुक्त ने छापा मारा। अब तक 26 लाख रुपए कैश, 2.5 किलो सोना (कीमत 3.50 करोड़ रुपए), 1.6 किलो चांदी (कीमत 2.94 लाख रुपए) और दो होटल-रिसॉर्ट समेत करीब 7 करोड़ 60 लाख रुपए की ▸▸शेष पेज 4 पर


संजीव शर्मा


एसडीओ संजीव शर्मा के घर लोकायुक्त की कार्रवाई

दो होटल-रिसॉर्ट, 28 जमीनों के दस्तावेज मिले

पचमढ़ी स्थित संजीव शर्मा के सरकारी आवास से मटकुली के इकोटेल होटल एंड रिसॉर्ट के दस्तावेज मिले हैं। इसे 2016-17 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। पचमढ़ी के सेरेनिटी द विला होटल के दस्तावेज भी मिले हैं। इसे 2014 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ ▸▸शेष पेज 4 पर

छिंदवाड़ा और पचमढ़ी से मिला 2.5 किलो सोना

लोकायुक्त टीम ने छिंदवाड़ा की प्रोफेसर कॉलोनी स्थित पैतृक मकान की तलाशी ली। यहां से 3 लाख 1 हजार 800 रुपए कैश, 927.924 ग्राम सोना और 356 ग्राम चांदी मिली। पचमढ़ी स्थित सरकारी आवास से 23 लाख 35 हजार रुपए कैश, 1,600 ग्राम सोना ▸▸शेष पेज 4 पर

पुलिस ने नहीं की एफआईआर तो कोर्ट में लगाया परिवाद, आदेश के बाद प्रकरण दर्ज

ठेकेदार से केसिनो और रेस्टोरेंट में निवेश के नाम पर बीस लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित गिरनार व्हेली में रहने वाले एक ठेकेदार को गोवा के चार जालसाजों ने बीस लाख रुपए की चपत लगा दी। आरोपियों ने ठेकेदार से कहा था कि कैसीनो और रेस्टोरेंट में निवेश कर दो। बदले में अच्छा मुनाफा मिलेगा। निवेश करने के बाद जब न तो मुनाफा मिला और न ही निवेश की गई रकम तो ठेकेदार ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था। पुलिस ने जांच का हवाला दिया, लेकिन एफआईआर नहीं की।

परेशान ठेकेदार ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने गोवा के चारों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सचिन शर्मा (43) गिरनार व्हेली में रहते हैं और ठेकेदार करते हैं। वर्ष 2023 में वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। काम अच्छा चलने के कारण उनके पास पैसे जुड़ गए थे।

> गोवा के चार जालसाजों ने निशातपुरा मे रहने वाले ठेकेदार को लाखों रुपए की चपत लगाई

2023 में वह गोवा घूमने गए थे। इस दौरान उनकी मुलाकात श्रीनिवास पांडुरंग, मंजुल अराजो, बलदेव और अमित से हो गई। चारों ने सचिन शर्मा से कहा था कि कैसीनो और होटल में निवेश कर दो। निवेश के बदले अच्छा मुनाफा कमाकर देंगे। गोवा में दो तीन बार हुई मुलाकात के बाद सचिन शर्मा ने आरोपियों पर विश्वास कर लिया और उन्हें बीस लाख रुपए का ट्रांजेक्शन कर दिया था। बीस लाख हाथ लगने के बाद आरोपियों ने सचिन शर्मा को मुनाफा नहीं दिया। इतना नहीं सचिन ने अपने रुपए वापस मांगे तो आरोपी आनाकानी करने लगे। बाद में आरोपियों ने रुपए लौटाने से इंकार कर दिया।

> ठगों ने कहा, केसिनो और रेस्टोरेंट में निवेश कर दो, बदले में अच्छा मुनाफा मिलेगा

क्रेडिट कार्ड ईकेवाईसी के नाम पर स्क्रीन शेयर कराई और उड़ा लिए 2.82 लाख

साइबर जालसाजों ने आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड को अपग्रेड और ईकेवाईसी कराने का झांसा देकर साकेत नगर में रहने वाले एक शख्स के क्रेडिट कार्ड से करीब 2 लाख 82 हजार 622 रुपए की धोखाधड़ी कर ली।

- आईसीआईसीआई बैंक अफसर बन कर किया कॉल

जालसाजों ने बैंक प्रतिनिधि बनकर फरियादी को फोन किया और वीडियो केवाईसी कराने के बहाने स्क्रीन शेयर कराई। इसी दौरान उसके क्रेडिट कार्ड से तीन अनधिकृत ट्रांजेक्शन कर दिए गए। पुलिस के अनुसार, साकेत नगर निवासी शशांक दीवान (46) ने शिकायत में बताया कि 13 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 12:15 बजे उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को आईसीआईसीआईल्लबैंक का प्रतिनिधि बताते हुए क्रेडिट कार्ड अपग्रेड और ईकेवाईसी प्रक्रिया पूरी करने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने उनसे आवश्यक दस्तावेज मांगे और गूगल मीट के माध्यम से वीडियो ईकेवाईसी कराई। इस दौरान फरियादी से मोबाइल की स्क्रीन शेयर कराई गई। प्रक्रिया के दौरान ही उनके क्रेडिट कार्ड से अलग-अलग रकम के तीन ट्रांजेक्शन हो गए। मोबाइल पर ट्रांजेक्शन के मैसेज आने पर उन्हें धोखाधड़ी का संदेह हुआ। जांच करने पर पता चला कि उनकी जानकारी और अनुमति के बिना क्रेडिट कार्ड से रकम निकाल ली गई है।

तीन ट्रांजेक्शन किए

फरियादी के मुताबिक पहला ट्रांजेक्शन 1 लाख 93 हजार रुपए, दूसरा 49 हजार 222 रुपए और तीसरा 40 हजार 400 रुपए का किया गया। इस तरह कुल 2 लाख 82 हजार 622 रुपए की धोखाधड़ी हुई। घटना का पता चलते ही उन्होंने बैंक से संपर्क कर क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कराया और अनधिकृत ट्रांजेक्शन की शिकायत की। मामले में थाना साइबर एवं हाईटेक अपराध से जीरो एफआईआर ऑनलाइन सीसीटीएनएस के माध्यम से बागसेवनिया थाने भेजी गई थी। पुलिस ने शिकायत में बताए गए दो मोबाइल नंबरों के धारकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप



श्री जटाशंकर धाम की प्रबंध समिति ने ली शपथ

भोपाल। लोकन्यास श्री जटाशंकर धाम की नवनिर्वाचित प्रबंध कार्यसमिति के अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने शनिवार को श्री जटाशंकर धाम में निष्ठा पूर्वक कार्य करने की शपथ ली। निर्वाचित पदाधिकारियों ने कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को श्री जटाशंकर धाम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद शॉपिंग कॉम्प्लेक्स परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। यहां एसडीएम एवं पब्लिक ट्रस्ट रजिस्टर ऋषिकेश विजय ठाकरे ने अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश धतरा, सचिव अशोक तिवारी,सहसचिव शैलेंद्र असाटी,कार्य समिति सदस्य उर्मिला तिवारी, विनीत पिड़हा, बृजेश तिवारी और रामजी गुप्ता को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में बिजावर विधायक राजेश शुक्ला ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए महिला चेंजिंग रूम के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही अप्रैल में नए बजट सत्र में एक करोड़ रुपए से शिव धाम श्री जटाशंकर धाम में विकास कार्य करवाने की घोषणा की। विधायक ने चुनाव के दौरान जातिवाद फैलाने को गलत बताया। विधायक ने चुनाव के दौरान हुई गतिविधियों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में विजय अग्रवाल ने पैतृक धर्मशाला जन सुविधा के लिए न्यास को समर्पित की।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

एमपी नगर में मेट्रो ब्रिज के नीचे बेच रहे थे एमडी ड्रग्स, महिला सहित दो धराए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

क्राइम ब्रांच पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग्स की तस्करी के आरोप में एक युवक और महिला को गिरफ्तार किया है। दोनों एमपी नगर जोन-1 स्थित मेट्रो ब्रिज के पास खाली मैदान में स्कूटी पर बैठकर ड्रग्स बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 3.24 ग्राम एमडी ड्रग्स, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक स्कूटी सहित करीब 97 हजार 200 रुपए का माल जब्त किया है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि मेट्रो ब्रिज के पास एक युवक और युवती स्कूटी पर बैठकर एमडी ड्रग्स बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बताए गए हुलिए के आधार पर दोनों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अरबाज उर्फ इक्का (24) निवासी बाग फरहत अफ्जा ऐशबाग और करीना माधवानी उर्फ नीलू माधवानी (34) निवासी ओल्ड सिंधी कॉलोनी बैरसिया रोड के रूप में हुई। तलाशी के दौरान अरबाज के पास से 3.24 ग्राम एमडी मिला। पुलिस ने दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनके जरिए ड्रग्स के नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अरबाज का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ ऐशबाग थाने में मारपीट, धमकी, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में चार मामले दर्ज हैं।

शहर में नशे के कारोबार पर क्राइम ब्रांच की कड़ी नजर



भोपाल पुलिस का कहना है कि शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

महिला गांजा तस्करों से 8 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

गौतम नगर थाना पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 8 किलो 269 ग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत करीब 2 लाख रुपए है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं।

पुलिस के मुताबिक 12 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ लोग गांजे की अवैध बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने अटल अय्यूब नगर कैबिन के पास दबिश देकर कैलाश कुशवाह उर्फ राजेश उर्फ बड़े (35) निवासी छोला रोड, कबाड़खाना को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 4 किलो 104 ग्राम गांजा बरामद हुआ।



गौतम नगर, नारियलखेड़ा में तस्करों को पकड़ा

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह पुलिस टीम ने नारियलखेड़ा स्थित माता मंदिर के पास कार्रवाई करते हुए पूजा राठौर (28) और सपना वंशकार (26) को गिरफ्तार किया। दोनों महिलाओं के कब्जे से 4 किलो 165 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस मामले में भी पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कैलाश कुशवाह उर्फ राजेश उर्फ बड़े थाना हनुमानगंज का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ पहले से 22 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को पीआर पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उससे गांजा कहां से लाया जाता था और किन लोगों को इसकी सप्लाई की जाती थी, इस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

दीवाली में भिंड गया था परिवार, सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए तीन बदमाश

ठेकेदार के सूने मकान से लाखों की चोरी नगदी और पुस्तैनी जेवर ले गए बदमाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित इंद्रविहार कॉलोनी एयरपोर्ट रोड पर ठेकेदार के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी सहित पुस्तैनी जेवर चुराकर ले गए। घटना के समय ठेकेदार मय परिवार दीवाली मनाने के लिए गांव गोहद खरौआ जिला भिंड गए हुए थे। वहां से लौटने के बाद उन्हें चोरी की भनक लगी। उन्होंने तत्काल घटना की शिकायत पुलिस से की।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। सीसीटीवी फुटेज में तीन बदमाश वारदात को अंजाम देते हुए नजर आए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। ठेकेदार का कहना है कि उनके घर से एक लाख पांच हजार रुपए की नगदी सहित 30 से 35 लाख रुपए के जेवर चोरी हुए है।

पुलिस के अनुसार अरविन्द सिंह गुर्जर (42) फ्लैट नंबर जी-1 जी-2, ब्लॉक 12 इंद्रविहार कॉलोनी एयरपोर्ट रोड, कोहेफिजा में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह ठेकादारी का काम करते हैं। गत 7 नवंबर की रात करीब डेढ़ बजे परिवार के साथ दीवाली मनाने के लिए अपने गांव गोहद खरौआ, जिला भिंड गए थे। चार दिन बाद 12 नवंबर की सुबह करीब 6 बजे इंद्रविहार अपने घर पहुंचे। इस दौरान मुख्य गेट का एक ताला टूटा हुआ था। अलमारी में रखा सामान बिखरा था।

तीन बदमाशों ने मकान के पांच ताले तोड़ डाले

बदमाशों ने मुख्य गेट से लेकर अंदर के कमरों और अलमारी तक के पांच ताले तोड़े हैं। उनके घर से पुस्तैनी सोने के जेवर करीब 28 लाख रुपए के और पौने दो किलो चांदी के जेवर चोरी हुए है। इसके अलावा 1 लाख 5 हजार रुपए नगदी भी घर से गई है। नकबजनी की पूरी घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे के कैद हुई है। सीसीटीवी फुटेज में तीन बदमाश कॉलोनी में घूमते और फिर घर में घुसते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

ग्रामीणों ने शरीर पर चोट के निशान होने की कही बात

अंबाई तालाब के पास मिला तेंदुए का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

वन मंडल औबेदुल्लागंज के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र चिकलोद चिकलोद रेंज के अमरथोन सर्किल में अंबाई तालाब के पास एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

चिकलोद, अंबाई और अमरथोन क्षेत्र के किसानों ने बताया कि तेंदुए के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना चिकलोद रेंजर को दी, जिसके बाद वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। विभाग द्वारा तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया गया तथा अंबाई तालाब के पास ही उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस संबंध में चिकलोद रेंजर अचल भारद्वाज ने बताया कि तेंदुए की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। मामले को लेकर डीएफओ हेमंत रैकवार ने फोन पर बताया कि तेंदुए की मौत और अवैध कटाई के मामलों की जांच वे स्वयं कराएंगे। वहीं वन एसडीओ निकुंज पांडे ने फोन पर बताया कि वे स्वयं मौके पर गए थे। प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई।



तेंदुए की मौत मांसाहारी वन्यजीव से संघर्ष में हुई

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर रेंज की बघडो बीट में शनिवार को गश्ती के दौरान एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला। तेंदुए का शव कुछ दिन पुराना बताया जा रहा है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और एनटीसीए प्रतिनिधि की मौजूदगी में शव परीक्षण किया गया। इसमें तेंदुए की मौत किसी अन्य मांसाहारी वन्यजीव के साथ संघर्ष के दौरान होना पाया गया। अधिकारियों के अनुसार यह प्राकृतिक मृत्यु का मामला है। प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई।

छठ महापर्व के दूसरे दिन हुई खरना की पूजा

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज में छठ महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने खरना की पूजा-अर्चना कर भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की। इस अवसर पर व्रत रखने वाली महिलाओं एवं पुरुषों ने दिनभर उपवास रखकर शाम को विधि-विधान से खरना पूजा की। पूजा के बाद व्रतियों ने गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया।

- व्रतियों ने की भगवान सूर्य छठी मैया की आराधना

नगर के विभिन्न घरों में छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को सुधा जायसवाल, मधु जायसवाल, अंकित सिंह, पूजा जायसवाल, साधना पांडे सभी व्रती महिलाएं एवं पुरुष अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। भोजपुरी समाज अध्यक्ष अशोक जायसवाल, अभिषेक पांडे, पंचू पांडे, कांति जायसवाल, गणेश जायसवाल, लालबाबू जायसवाल, एनपी मिश्रा व्यवस्था में लगे हैं।

महाकाल मंदिर में रील बनाने पर विधायक पुत्र पर एक साल तक वीआईपी-प्रोटोकॉल पर लगा प्रतिबंध

भोपाल। महाकाल मंदिर में नियम तोड़कर रील बनाना विधायक गोलू शुक्ला के पुत्र रुद्राक्ष शुक्ला को महंगा पड़ गया। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने उसके खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए एक वर्ष तक प्रोटोकॉल और वीआईपी सुविधा पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब रुद्राक्ष शुक्ला महाकाल मंदिर में केवल सामान्य दर्शनार्थी के रूप में ही प्रवेश कर सकेगा। उसे किसी भी प्रकार की वीआईपी सुविधा नहीं मिलेगी।

बीते दिनों महाकाल मंदिर में प्रवेश और दर्शन के दौरान विधायक गोलू शुक्ला के पुत्र रूद्राक्ष शुक्ला ने रील बनवाई थी और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जिसके बाद मंदिर समिति के द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया जाने पर आलोचना हो रही थी।

शुक्रवार को सुरक्षा कर्मियों पर कार्रवाई की गई थी। इसके बाद से ही चर्चा थी कि नियम तो रुद्राक्ष शुक्ला ने तोड़ा था, तो कार्रवाई उस पर भी होनी चाहिए। मंदिर प्रबंध समिति ने आखिरकार इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए रुद्राक्ष शुक्ला के खिलाफ एक साल के प्रतिबंध का फैसला लिया।

तहसील कार्यालय पहुंचकर पदस्थापना आदेश निरस्त करने की मांग

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. अमृता की पुनः पदस्थापना के विरोध में नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औबेदुल्लागंज में डॉ. अमृता जीवने की खंड चिकित्सा अधिकारी पद पर पुनः पदस्थापना के विरोध में शनिवार को औबेदुल्लागंज, गौहरगंज एवं भोजपुर मंडीदीप क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों और युवाओं ने तहसील कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान युवाओं ने तहसील कार्यालय परिसर में सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान से प्रार्थना की कि शासन-प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को सद्बुद्धि, विवेक, न्यायपूर्ण निर्णय लेने की प्रेरणा तथा जनता की पीड़ा और भावनाओं को समझने की संवेदनशीलता प्रदान करें। ज्ञापन में नवंबर 2025 में 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की घटना का उल्लेख करते हुए उस समय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार एवं एम्बुलेंस उपलब्ध कराने में कथित लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए। क्षेत्रवासियों के अनुसार, उक्त घटना के बाद हुए व्यापक जनविरोध के चलते तत्कालीन बीएमओ डॉ. अमृता जीवने को पद से हटाया गया था। ऐसे में पुनः उसी स्वास्थ्य केंद्र में उनकी पदस्थापना से जनता की भावनाएं आहत हैं। क्षेत्रवासियों ने घोषणा की कि यदि पदस्थापना आदेश निरस्त नहीं किया गया, तो 21 नवंबर को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा और विरोध किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मुरारी पारीक, बचन लोधी, रामकिशोर कीर, सुरेंद्र चौकसे, दीपक चंदेल, वीरेंद्र कीर, सौरभ मालवीय, धर्मेंद्र चौरसिया कृष्णा राठौर, प्रकाश कीर, मंगल कीर, हेमराज साहू, आर्यन कीर, संदीप नाथ, बृजेश प्रजापति, राकेश कीर, हुकुम विश्वकर्मा, दिनेश पटेल कीर एवं नितेश प्रजापति उपस्थित रहे।

उपाध्यक्ष लालवानी, महासचिव वाधवानी बने

ऐतिहासिक निर्णय, कन्नू इसरानी कपड़ा संघ के 5वीं बार अध्यक्ष







- कोषाध्यक्ष पद पर नंदलाल पंजवानी की नियुक्ति की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

संतनगर की सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था कपड़ा संघ की साधारण सभा की बैठक में कन्नू ईसरानी को पांचवी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया। जबकि अन्य पदाधिकरियों भी नियुक्ति की गई, जिसमें उपाध्यक्ष नरेंद्र लालवनी, महासचिव दिनेश वाधवानी, कोषाध्यक्ष नंदलाल पंजवानी की नियुक्ति की गई। इसके बाद तय पदाधिकारियों द्वारा कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। इतिहास में पहली बार कोई कपड़ा व्यापारी पांचवीं बार अध्यक्ष बना है। इसके पूर्व कपड़ा संघ के सदस्य तीन से चार अध्यक्ष ही बन चुके हैं।

बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में डर का माहौल

तामोट में बंदरों की दहशत, झुंड में पहुंचकर घरों और आंगन रखा सामान लेकर भाग रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामोट

तामोट में इन दिनों बंदरों ने जमकर उत्पात मचा रखा है। बड़ी संख्या में बंदरों के एक साथ गांव में पहुंचने से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

हालात यह हैं कि घरों की छतों पर बंदर बैठे नजर आते हैं और वहां रखा सामान उठाकर ले जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार बंदर घरों की छतों पर रखे कपड़े, खाद्य सामग्री और अन्य सामान लेकर भाग जाते हैं। बंदरों के झुंड खेतों में पहुंचकर फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोगों ने वन विभाग से बंदरों को गांव से भगाने की मांग की है।



लोगों के भगाने पर काटने को झपट रहे बंदर

सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब ग्रामीण बंदरों को भगाने का प्रयास करते हैं, तब बंदर काटने को झपटते हैं। इससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में भी डर का माहौल बना हुआ है। गांव में बड़ी संख्या में बंदरों की मौजूदगी के कारण लोगों का छतों पर जाना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने संबंधित वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ने या उन्हें आबादी से दूर करने के लिए उचित व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को इस समस्या से राहत मिल सके।

कांग्रेस ने मनाई प्रथम प्रधानमंत्री की जयंती

सुई से लेकर हवाई जहाज तक पं. नेहरु की सौगात : चांदवानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने नेहरू पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता माधु चांदवानी, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज मनवानी, तेजा सिंह सोढी, रामभरोसे भगवानिया, जगदीश सांवले, महेश गुरबानी, प्रकाश विधानी, राजेश लीलानी, आत्माराम सूर्यवंशी, साहिल खान, राजकुमार धानुक, विरेन्द्र शाक्या, बुलचंद वासवानी सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता माधु चांदवानी ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू औद्योगिक क्रांति के जनक थे। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े कारखाने एवं उद्योग उन्हीं की देन हैं, जिनमें आज सुई से लेकर आधुनिक हथियार और हवाई जहाज तक भारत में बनने लगे हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता महेश गुरबानी ने किया तथा आभार उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने व्यक्त किया।



हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 15 नवंबर 2026

8 योग विश्व कल्याण का सशक्त माध्यम...



9 साबुन के बुलबुलों से लेकर शनि के छल्लों तक...



3

मकान का पता बदलने वालों और किरायेदारों की भी बढ़ी परेशानी

पीएनजी नेटवर्क वाले तीन हजार कनेक्शन बंद, ई-केवाईसी नहीं कराने पर 1 लाख घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई रुकी

होशंगाबाद रोड, बावड़िया कलां और अरेरा कॉलोनी क्षेत्र में पीएनजी की लाइन बिछाई | किरायेदार परेशान, पीएनजी कनेक्शन लेने की मकान मालिक नहीं दे रहे मंजूरी

भोपाल में पांच लाख उपभोक्ता, ई-केवाईसी नहीं होने से एक लाख परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में होशंगाबाद रोड, बावड़िया कलां और अरेरा कॉलोनी क्षेत्र में पीएनजी की लाइन बिछाई गई है। ऐसे में इस क्षेत्र के एलपीजी उपभोक्ताओं के कनेक्शन बंद किए जा रहे हैं। अब तक करीब तीन हजार कनेक्शन बंद किए जा चुके हैं। ऐसे में वह उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं, जिन्होंने अब तक पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है।

इन क्षेत्रों में किरायेदारों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है, दरअसल, मकान मालिक उनको पीएनजी कनेक्शन देने की अनुमति नहीं दे रहे हैं।

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि रसोई गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी नहीं कराने से ऑयल कंपनियों ने जिले में करीब एक लाख घरेलू उपभोक्ताओं के कनेक्शन बंद कर दिए गए हैं।

इनके कनेक्शन ईकेवाईसी कराने के बाद ही दोबारा से शुरू किए जाएंगे। परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देशभर में लगभग 3.16 करोड़ और मध्यप्रदेश में करीब 35 लाख घरेलू एलपीजी कनेक्शन ई-केवाईसी लंबित होने के कारण ब्लॉक कर दिए गए हैं। राजधानी में भी ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या 1 लाख से अधिक है।



फाइल फोटो

राजधानी में घरेलू उपभोक्ताओं को सिलेंडर आपूर्ति करने के लिए करीब 35 से अधिक गैस एजेंसियां हैं, जिनके पास लगभग साढ़े पांच लाख कनेक्शन हैं। इनमें से एक लाख की ई-केवाईसी अब भी बाकी हैं, जिनकी बुकिंग बंद हो गई है। उपभोक्ता अब एजेंसियों के चक्कर लगाने लगे हैं। एजेंसी संचालकों का कहना है कि कुछ उपभोक्ता लगातार फोन कर रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों की कमी के कारण घर-घर जाकर ई-केवाईसी नहीं की जा सकती।

तीन हजार कनेक्शन ब्लॉक

इधर, पीएनजी कनेक्शन वाले क्षेत्रों में 90 दिन पूरे होने के बाद यहां के करीब तीन हजार एक सौ कनेक्शन ब्लॉक कर दिए गए हैं। इनमें से ऐसे उपभोक्ता भी हैं, जिन्होंने अब तक पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है। ऐसे में इन लोगों को दस किलो वाले सिलेंडर पर निर्भर रहना पड़ेगा।

छह हजार 300 रुपए का बोझ

गैस सिलेंडर वाले ऐसे उपभोक्ता जो पीएनजी नेटवर्क के आसपास रहते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से कनेक्शन लेना पड़ेगा। जिसके लिए उन्हें 6 हजार तीन सौ रुपए जमा करना पड़ेंगे। हालांकि सिलेंडर की सिक्योरिटी मनी कुछ समय बाद उपभोक्ता गैस कंपनी से वापस ले सकते हैं।



रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल छह घंटे लेट, कई ट्रेनें 8 से 13 घंटे तक देरी से पहुंच रहीं अपने गंतव्य

छठ पर घर जाने निकले, देरी से चल रही ट्रेनों में ही बीत गया आधा पर्व, स्पेशल ट्रेनें भी बनीं परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छठ महापर्व पर घर पहुंचने की उम्मीद लेकर निकले हजारों यात्रियों का सफर रेलवे की लेटलतीफी के कारण परेशानी में बदल गया। यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई गई स्पेशल ट्रेनें ही उनके लिए मुसीबत बन गईं। भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली कई स्पेशल और नियमित ट्रेनें 2 से लेकर करीब 13 घंटे तक की देरी से अपने गंतव्य तक पहुंचीं। हालात यह रहे कि चार दिवसीय छठ पर्व का आधे से ज्यादा समय कई यात्रियों का ट्रेनों में सफर और स्टेशनों पर इंतजार करते हुए गुजर गया।

स्पेशल ट्रेनों में सामान्य से 20 से 30 फीसदी तक अधिक किराया चुकाने के बाद भी यात्रियों को समय पर पहुंचने की सुविधा नहीं मिली। 13 नवंबर को रानी कमलापति से दानापुर के लिए रवाना हुई स्पेशल ट्रेन करीब छह घंटे की देरी से पहुंची। वहीं, कुछ अन्य ट्रेनों की देरी 8 से 13 घंटे तक पहुंच गई। इससे परिवार के साथ छठ मनाने जा रहे श्रद्धालुओं की तैयारियां प्रभावित हुईं।

20 से 30% ज्यादा किराया देने के बाद भी यात्रियों को नहीं मिल रही राहत

यात्रियों का आरोप आउटर और जंगलों के बीच घंटों खड़ी रखी जा रही स्पेशल ट्रेनें


भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सवार होने वाले यात्रियों की भीड़।

सफर में बच्चों और बुजुर्गों को हो रही परेशानी

फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों से लेकर नियमित एक्सप्रेस और प्रीमियम ट्रेनों तक परिचालन की स्थिति बिगड़ी हुई है। लंबी दूरी की ट्रेनों के घंटों लेट होने से यात्रियों की पूरी यात्रा योजना गड़बड़ा गई। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के साथ सफर कर रहे परिवारों के लिए घंटों ट्रेन में बैठे रहना और स्टेशनों पर इंतजार करना मुश्किल हो गया। यात्रियों का कहना है कि ट्रेनों को कई बार स्टेशन के आउटर और जंगलों के बीच घंटों खड़ा रखा जा रहा है। वहीं, आगमन और प्रस्थान के समय में लगातार बदलाव के कारण आगे की योजना बनाना भी मुश्किल हो रहा है।

कनेक्टिंग ट्रेन छूटने का भी खतरा

ट्रेनों की लेटलतीफी का असर सिर्फ छठ मनाने घर जा रहे यात्रियों पर ही नहीं पड़ रहा, बल्कि आगे की यात्रा करने वाले लोग भी परेशान हैं। कई यात्रियों को दूसरे स्टेशन से कनेक्टिंग ट्रेन पकड़नी है। पहली ट्रेन के समय पर नहीं पहुंचने से उनकी अगली ट्रेन छूटने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यात्रियों को अतिरिक्त इंतजार और आर्थिक नुकसान की आशंका सता रही है।

इन ट्रेनों का यह रहा हाल, हर आगे आने वाले रेलवे स्टेशन पर बढ़ रही घंटों की संख्या

- भोपाल रेल मंडल से 13 नवंबर को गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन चलाई गई, जो दानापुर करीब छह घंटे की देरी से पहुंची। इसी तरह गाड़ी संख्या 01031 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल स्पेशल ट्रेन 14 नवंबर को इटारसी स्टेशन करीब ढाई घंटे की देरी से पहुंची। प्रयागराज पहुंचते-पहुंचते इसकी देरी करीब सात घंटे हो गई। इससे छठ पूजा के लिए घर जा रहे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई।
- गाड़ी संख्या 06597 यशवंतपुर-योग नगरी ऋषिकेश स्पेशल ट्रेन 12 नवंबर को यशवंतपुर से रवाना हुई थी। यह 13 नवंबर को भोपाल स्टेशन करीब पौने चार घंटे की देरी से पहुंची। ग्वालियर पहुंचने तक इसकी देरी पांच घंटे से अधिक हो गई।



- 10 नवंबर को रवाना हुई गाड़ी संख्या 01025 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-दानापुर स्पेशल इटारसी करीब पौने दो घंटे की देरी से पहुंची। प्रयागराज पहुंचने तक यह करीब नौ घंटे लेट और दानापुर सात घंटे की देरी से पहुंची।
- 12 नवंबर को गाड़ी संख्या 01026 दानापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल दानापुर से ही 7 घंटे 15 मिनट की देरी से रवाना हुई। इटारसी पहुंचने तक इसकी देरी करीब नौ घंटे हो गई, अंतिम स्टेशन पर यह करीब पौने 13 घंटे की देरी से पहुंची।

अकेले रहने वालों की सुरक्षा की होगी देखभाल

पांच थाना क्षेत्रों के बुजुर्ग होंगे सेफ सेहत की निगरानी करेंगे वॉलेंटियर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या के बाद राजधानी में जिला प्रशासन और पुलिस ने बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक नई पहल शुरू की है। जिसके तहत अकेले रहने वाले बुजुर्गों की पहचान का काम शुरू कर दिया गया है। सामाजिक न्याय विभाग स्वयसेवकों की मदद से ऐसे बुजुर्गों की तलाश में जुट गया है, जो घर में अकेले रहते हैं। उनकी सेहत, देखभाल और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। राजधानी में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत हबीबगंज, चूनाभट्टी, शाहपुरा, कोलार और कजलीखेड़ा थाना क्षेत्रों में शुरू किया जा रहा है।

वृद्धजनों के कल्याण की नोडल अधिकारी हर्षिता दवे ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत शहर के पांच थाना क्षेत्रों से इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की जा रही है। जिसके बाद इसे पूरे जिले में लागू करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर सामाजिक न्याय विभाग के साथ मिलकर स्वयसेवकों की मदद ली जा रही है। जिससे शहर के बुजुर्गों को 24 घंटे मदद मिल सकेगी।

भोपाल में 85 से 120 साल के 7 हजार 796 बुजुर्ग

भोपाल में 85 से 120 साल की उम्र के 7 हजार 796 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 4 हजार 134 महिलाएं हैं। सबसे ज्यादा 1640 मतदाता बैरसिया विधानसभा क्षेत्र में हैं। वहीं, उत्तर विधानसभा में 632, गोविंदपुरा में 1452 और हुजूर में 1445 मतदाता हैं। सर्वे के दौरान ऐसे बुजुर्ग जो पति-पत्नी हैं, उनको भी शामिल किया जाएगा, जिससे इन्हें भी आसानी से सुरक्षा और सेहत से जुड़ी मदद पहुंचाई जा सके। वॉलेंटियर्स नियमित हाल चाल जानने इनके संपर्क में रहेंगे। इंतजाम और इमरजेंसी में किससे संपर्क करना है इसकी जानकारी भी दर्ज होगी।

सर्वे पूरा होने के बाद करेंगे लागू किया जाएगा

इस पायलट प्रोजेक्ट से जुटाए गए डेटा के आधार पर पता चलेगा कि किन बुजुर्गों को नियमित संपर्क, स्वास्थ्य सेवाओं या सुरक्षा से जुड़ी मदद की जरूरत है। सर्वे पूरा होने के बाद इसे लागू करेंगे।

प्रियंक मिश्रा, कलेक्टर

हिंदू संगठन ने किया पुलिस के हवाले

मुस्लिम युवती का आधार कार्ड लगाकर हिंदू युवती को होटल में लेकर पहुंचा युवक, हंगामा

कमरे के बाहर बुलाया तो दोनों ने टीनशेड पर लगा दी दौड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित हिमतारा होटल में उस समय हंगामा हो गया, मुस्लिम युवक हिंदू युवती के साथ होटल के रूम में पकड़ा गया। हालांकि युवक और युवती ने होटल के कमरे से भागने का प्रयास किया था, लेकिन आगे रास्ता नहीं होने के कारण वह रुक गए। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। मुस्लिम युवक ने होटल में एंट्री लेने मुस्लिम युवती का आधार कार्ड दिया था। लिहाजा पुलिस ने होटल संचालक की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार सलमान शाह हर्रराखेड़ा, ईंटखेड़ी में रहता है और टीवीएस शोरूम में फाइनेंस का काम करता है। साथ काम करने वाली एक युवती को वह 11 नवंबर को होटल हिमतारा लेकर पहुंचा। वहां उसने मुस्लिम युवती का आधार कार्ड देकर कमरा बुक कर लिया। हिंदू युवती मुंह पर कपड़ा बांधे हुए थी। लिहाजा होटलकर्मी ने मुस्लिम समझकर रूम में एंट्री दे दी।

सूचना पर होटल पहुंचा हिंदू संगठन

हिंदू संगठन को पता चला कि सलमान शाह हिंदू युवती को लेकर होटल के कमरे में है तो उन्होंने हंगामा कर दिया। वह होटल के कमरे के बाहर पहुंचे और सलमान को बाहर निकलने का कहा। डर के कारण सलमान और साथ मौजूद युवती ने खिड़की से भागने का प्रयास किया और वह टीनशेड पर भागने लगे। हालांकि कुछ दूर पहुंचने के बाद टीनशेड खत्म हो गया और वह खड़े हो गए। भागने के लिए जगह नहीं बची और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने उन्हें लौटने का कहा। बमुश्किल वह लौटकर कमरे में पहुंचे। वहां हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने सलमान के साथ मामूली मारपीट कर दी। हंगामे की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम होटल पहुंची थी। वहां से युवक-युवती को थाने लाया गया।

किसी और के आधार कार्ड से किया रूम बुक

सलमान शाह फाइनेंस का काम करता है। उसके पास मोबाइल पर मुस्लिम युवती का आधार कार्ड था। इसी आधार कार्ड से रूम बुक कराने के बाद वह होटल में कमरे तक पहुंच गया था। साथ पहुंची हिंदू युवती मुंह पर कपड़ा बांधे हुए थी। लिहाजा होटलकर्मी को लगा कि आधार कार्ड उसी युवती का है। पुलिस ने होटल संचालक की शिकायत पर सलमान शाह पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

विशेष अभियानों में भी प्रदर्शन संतोषजनक नहीं

जनसंवाद कार्यक्रम में गैरहाजिर रहने पर चूनाभट्टी टीआई सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी भोपाल में पुलिस अधिकारियों की कार्यशैली और जवाबदेही को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी क्रम में चूनाभट्टी थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र मौर्य को निलंबित कर दिया गया है। उनके निलंबन के आदेश डीसीपी जोन-4 आदर्शकांत शुक्ला ने जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार, पुलिस कमिश्नर के जनसंवाद कार्यक्रम में थाना प्रभारी धर्मेंद्र मौर्य की गैरमौजूदगी को कार्रवाई की प्रमुख वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि जनसंवाद कार्यक्रम थाना क्षेत्र में ही आयोजित किया गया था। इसमें पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी के बावजूद थाना प्रभारी का उपस्थित नहीं होना वरिष्ठ अधिकारियों को पसंद नहीं आया। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर शहर में चलाए जा रहे विशेष अभियानों में भी चुनाभट्टी थाना प्रभारी का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं बताया जा रहा था। जनसंवाद कार्यक्रम में अनुपस्थिति और विशेष अभियानों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने को निलंबन की कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में थाना प्रभारियों की कार्यशैली, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के पालन और जवाबदेही को लेकर सख्ती के संकेत मिल रहे हैं। राजधानी में हाल के दिनों में थाना प्रभारियों पर हो रही कार्रवाई से पुलिस विभाग में भी हलचल है।

पाकिस्तानी 'गौरी' और 'चांदनी' क्रीम पर रोक.... मिले केमिकल

भोपाल। शहर के बाजारों में बिक रहीं पाकिस्तानी 'गौरी' और 'चांदनी' क्रीम का गोरा बनाने और खूबसूरती बढ़ाने का दावा लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। शनिवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने पाकिस्तान निर्मित दो कास्मेटिक उत्पादों को लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया है। इनमें गौरी ब्यूटी क्रीम और चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम पर रोक लगाकर आम लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग के मुताबिक इन उत्पादों में निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातुएं (हेवी मेटल्स) मौजूद हैं, जो शरीर पर जहरीला प्रभाव डाल सकती हैं। इसके बावजूद सोशल मीडिया और बाजार में बिक्री की आशंका सामने आई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक मनोज पुष्प ने शनिवार को सार्वजनिक सूचना जारी की।

970 ग्राम ड्रग्स के साथ कर्नाटक का इंजीनियर गिरफ्तार

आईएसबीटी पर बस चेकिंग में 2.25 करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गोविंदपुरा थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय बसों की चेकिंग के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 970 ग्राम एमडी (मेथामफेटामिन) ड्रग्स के साथ कर्नाटक निवासी एक मैकेनिकल इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 करोड़ 25 लाख रुपए बताई गई है।

तस्कर दिल्ली से नागपुर जा रही यात्री बस में सवार था। उसने पुलिस से बचने के लिए ड्रग्स को पानी की बोतल में छिपाकर रखा था। पकड़े गए आरोपी की पहचान विशाख एएन निवासी कर्नाटक के रूप में हुई है। आरोपी मैकेनिकल इंजीनियर है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त कर लिया है। पुलिस ने आईएसबीटी के पास दिल्ली से नागपुर जा रही यात्री बस को चेकिंग के लिए रोका। इस दौरान एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर तलाशी ली।

पानी की बोतल में छिपा रखी थी एमडी ड्रग्स

पुलिस अब आरोपी विशाख से पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह एमडी ड्रग्स कहां से लेकर आया था और नागपुर में किसे सप्लाई करने जा रहा था। इसके अलावा इस तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। आरोपी ले एमडी ड्रग्स को पानी की बोतल में छिपाकर रखा था।

5 साल की मासूम से दुष्कर्म करने वाले दोषी को शेष प्राकृतिक जीवन तक उम्रकैद

भोपाल। 5 वर्षीय वर्षीय बालिका को चॉकलेट और कुरकुरे का लालच देकर अपहरण कर जंगल में ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म और अप्राकृतिक कृत्य करने वाले अभियुक्त अजीत राय उर्फ बाबू को विशेष न्यायाधीश श्रीमती कुमुदिनी पटेल के न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट की धारा-5 एम/6 एवं बीएनएस की धारा -65(2) ,87, 123 एवं 137 (2) के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन सश्रम कारावास एवं 500 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला एवं नवीन श्रीवास्तव द्वारा प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी की गई। अभियोजन के अनुसार 15 अक्टूबर 2025 को 1100 क्वार्टर से अभियुक्त अजीत राय उर्फ बाबू ने बालिका का अपहरण किया था।

बीएमएचआरसी के डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर दोबारा खोल दिया भोजन का रास्ता

एसिड पीने से डेढ़ साल से खाना-पीना बंद था, डॉक्टरों ने बड़ी आंत से बनाई नई आहार नली

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एसिड पीने से एक युवक की आहार नली पूरी तरह खराब होकर बंद हो गई थी। युवक डेढ़ साल तक मुंह से भोजन तो दूर, पानी तक नहीं पी पाया। बीएमएचआरसी के डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर उसकी जिंदगी में दोबारा भोजन का रास्ता खोल दिया।

डॉक्टरों ने युवक की बड़ी आंत का करीब 20 सेंटीमीटर हिस्सा निकालकर उसे नई आहार नली के रूप में इस्तेमाल किया। सर्जरी के बाद युवक अब मुंह से भोजन खाने लगा है। उसे अस्पताल से हाल ही में छुट्टी दे दी गई। 25 वर्षीय युवक ने करीब डेढ़ साल पहले एसिड पी लिया था। इससे उसकी आहार नली गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी और धीरे-धीरे पूरी तरह बंद हो गई। डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी के जरिए नली खोलने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। नली पूरी तरह बंद होने के कारण उसमें स्टेंट डालना भी संभव नहीं था। इसके बाद युवक को छोटी आंत के जरिए तरल पोषण दिया जा रहा था।



युवक का आमाशय भी खराब था, इसलिए बड़ी आंत से बनाया रास्ता

बीएमएचआरसी के उदर रोग शल्यक्रिया विभाग के डॉ. प्रमोद वर्मा ने बताया कि मरीज का आमाशय भी एसिड से क्षतिग्रस्त हो चुका था। ऐसे में आमाशय को नई आहार नली बनाने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता था। इसके बाद बड़ी आंत के स्वस्थ हिस्से को विकल्प के रूप में चुना गया। सर्जरी में बड़ी आंत का करीब 20 सेंटीमीटर हिस्सा सावधानी से अलग किया गया। उसकी रक्त आपूर्ति सुरक्षित रखते हुए उसे ऊपर ले जाकर आहार नली के स्वस्थ हिस्से से जोड़ा गया। दूसरे सिरे को छोटी आंत से जोड़कर भोजन के लिए नया रास्ता तैयार किया गया। बड़ी आंत के बचे हुए हिस्से को भी दोबारा जोड़ दिया गया, ताकि उसका काम सामान्य रूप से चलता रहे।

दो विभागों की टीम ने मिलकर की चुनौतीपूर्ण सर्जरी

सीटीवीएस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गिरिराज गर्ग ने बताया कि यह तकनीकी रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण सर्जरी थी। नई आहार नली को निर्धारित रास्ते से ऊपर ले जाना और उसके दोनों सिरों को सही स्थान पर जोड़ना सबसे अहम था। पुरानी एसिड इंजरी के कारण ऊतकों में हुए बदलावों ने चुनौती और बढ़ा दी थी। उदर रोग शल्यक्रिया और सीटीवीएस विभाग की संयुक्त टीम ने यह ऑपरेशन किया।

विशेषज्ञों के समन्वय से बेहतर उपचार संभव

इस तरह के जटिल मामलों में विशेषज्ञ विभागों के बीच समन्वय से बेहतर उपचार संभव हो रहा है। मरीज का पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क किया गया।

डॉ. मनीषा श्रीवास्तव
निदेशक, बीएमएचआरसी

पेज एक का शेष...

भगवान बिरसा मुंडा...

मानना है कि जब तक हमारा जनजातीय समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक मध्यप्रदेश के पूर्ण विकास की कल्पना अधूरी है। इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है। हमने राज्य में पेसा कानून लागू कर जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन से जुड़े निर्णयों में आत्मनिर्भर और अधिकार संपन्न बनाया है। अब गांव की ग्राम सभाओं को ही अपने संसाधन प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाकर लाखों जनजातीय भाई-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाकर उपचारित भी किया गया है। भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जैसी पहलों के माध्यम से जनजातीय युवाओं को अपने पैर पर खड़े होने के लिए आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। टंट्या भील, भीमा नायक, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और रानी दुर्गावती जैसी महान हस्तियों के बलिदान और योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनके स्मारकों और संग्रहालयों का निर्माण कर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण किया है। इस जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जनजातीय समाज के गौरव, उनकी सांस्कृतिक विरासत और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जनजातीय नायकों से...

अनुशासन को विशेष महत्व दिया। देश उनके अमर बलिदान को सदैव स्मरण रखेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के जनजातीय नायकों के बलिदान और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य शुरू किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड पर जनजाति गौरव सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय नायकों ने हमारी प्राचीन संस्कृति और विरासत के संरक्षण में विशेष योगदान दिया। गौंडवाना सम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती का जीवन अद्भुत रहा। तत्कालीन शासन में अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय नायकों ने महत्वपूर्ण संघर्ष किया। भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी पहचान और संस्कृति के लिए जागरुक और संगठित होने की सीख दी। उन्होंने कहा था कि संस्कृति से बड़ी कोई विरासत नहीं और स्वाभिमान से बड़ा कोई गौरव नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समारोह में साफा बांध और तीर-कमान भेंटकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने भी समारोह में जनजातीय परिधान धारण कर पारंपरिक ढोल बजाया तथा अपनी सहभागिता से जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोककला के प्रति सम्मान एवं जुड़ाव का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने समारोह में देश-विदेश में अपनी प्रतिभा, कौशल और उपलब्धियों से मप्र को गौरवान्वित करने वाली जनजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

सरकार जनजातीय नायकों ...

की। इसके बाद कटनी के पास संग्रामपुर में दूसरी कैबिनेट बैठक भी रानी दुर्गावती को समर्पित थी। अपनी लेखनी से समाज को जागरूक कर स्वाभिमान की अलख जगाने वाले जबलपुर के राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह के नाम पर राज्य सरकार मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर रही है। खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम पर विश्विद्यालय खोला गया है। टंट्या मामा ने धार, झाबुआ, आलीराजपुर में क्रांति की मशाल जलाई थी। पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी। सरकार ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखा है।

छिंदवाड़ा, डिंडोरी और...

मिली है। छिंदवाड़ा, डिंडोरी और बालाघाट जिले में 85 करोड़ की लागत से सांदीपनि विद्यालय और डिंडोरी में आयुर्वेदिक महाविद्यालय, मंडला में मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है।

जल संरक्षण, कला-....

हासिल करने वाली सुश्री पूजा धुर्वे, अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलीट सुश्री जमना उइके, पैर से लिखने वाली दिव्यांग सुश्री द्रोपदी धुर्वे, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने वाले पीएचडी स्कॉलर राम किशोर सिरसाम, बॉलीबाल में गोल्ड मेडलिस्ट हिमांशु परते, गौंडवाना लोक साहित्य के साहित्यकार डॉ. टीआर बरकड़े को सम्मान स्वरूप शील्ड प्रदान की गई।

गिग वर्कर्स को ...

दौरान कर्मचारियों ने अपनी परेशानियां और समस्याएं साझा की थीं। तब उन्होंने, मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी ने उनकी मांगों पर कार्रवाई करने और हरसंभव मदद का वादा किया था। आज सरकार इस वादे को पूरा कर रही है। नई योजना के तहत उन्हें अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा। राहुल ने कहा कि अब गिग वर्कर्स अपने मोबाइल फोन पर देख सकेंगे कि उन्होंने कितनी राइड पूरी कीं, कितना काम किया और इसके बदले उन्हें कितने पैसे मिले। इससे उनके काम और कमाई का पूरा हिसाब पारदर्शी तरीके से उपलब्ध होगा।

सागर में शराब...

के मुंह से झाग निकल रहा था। कमलेश सोनी (22) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस ने लाइसेंसी शराब दुकान सील कर दी। आबकारी विभाग ने शराब के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। जहरीली या अमानक शराब की आशंका के बीच पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। मध्यप्रदेश में तीन महीने के भीतर शराब से मौतों का यह तीसरा मामला है। सितंबर में सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ में मिलावटी शराब पीने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद देवास जिले के दो गांवों में भी करीब 13 मजदूरों की जान चली गई थी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, विष्णु खटीक और कमलेश सोनी ने दुकान दुकान परिसर में शराब पी थी। करीब 5:30 बजे विष्णु दुकान परिसर में गंभीर हालत में मिला। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। पास में कमलेश भी बेहोश पड़ा था। दोनों युवकों की तबीयत बिगड़ने की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सक्रिय हुए। सीएसपी ललित कश्यप, मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत और कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने दुकान सील कर दिया। आबकारी अधिकारी पूजा वर्मा ने बताया कि शराब दुकान को सील कर दिया गया है। दुकान परिसर की जांच की गई और वहां से शराब के सैंपल लिए गए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि युवक ने किस ब्रांड की शराब पी थी। दुकान में शराब के स्टॉक के साथ खरीदी-बिक्री के रिकॉर्ड की भी जांच की गई है।

एक दिन पहले ...

लगाने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। परिजनों के मुताबिक, अंकुश गुरुवार की रात करीब 11 बजे शराब पीकर सोया था और सुबह मृत मिला। ग्रामीणों ने जहरीली शराब से मौत की आशंका जताई। हालांकि, पुलिस ने शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया है।

बेटी-बेटे के ...

बिस्तरों में आग लगा दी। अस्पताल में भी विवाद के दौरान एक कांच तोड़ दिया। पुलिस ने महिला के पति को हिरासत में लिया है। मृतकों की पहचान दया बाई (26), बेटी दक्षु (7) और बेटे अरविंद (4) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब 8 बजे दया बाई बेटी दक्षु को स्कूल छोड़ने की बात कहकर घर से निकली थीं। बेटी ने स्कूल यूनिफॉर्म पहन रखी थी। उनके साथ 4 साल का बेटा अरविंद भी था। दोनों बच्चों को लेकर महिला घर से कुछ दूरी पर स्थित अपने परिवार के खेत के कुए पर पहुंची और उसमें छलांग लगा दी। हुसैन टेकरी पुलिस चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी ने बताया कि महिला का पति हरिओम मालवीय खेती करता है। उसे पुलिस ने हिरासत में लिया है। महिला ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

36 घंटे बाद...

अकासा एयर की ईमेल सपोर्ट सेवाएं प्रभावित हुईं, जबकि एयर इंडिया ने ईमेल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई। ब्रिटेन में अस्पतालों और फार्मेसियों को भी परेशानी हुई।

एसडीओ के पास ...

संपत्ति का खुलासा हुआ है। पचमढ़ी में लोकायुक्त डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि लोकायुक्त को जमीनों की खरीद-बिक्री से जुड़े 28 दस्तावेज और एग्रीमेंट भी मिले हैं। प्रारंभिक जांच में संजीव की संपत्ति आय से 228% अधिक संभावित थी, जबकि छापे के दौरान अब तक की गणना में यह करीब 560% अधिक बताई गई है। मप्र में पिछले 5 साल में 11 से ज्यादा अफसर-कर्मचारियों के ठिकानों पर आय से अधिक संपत्ति के मामलों में छापे पड़ चुके हैं। इनमें करोड़ों की संपत्ति, नकदी और सोना-चांदी मिला है। लोकायुक्त की दो टीमों ने शनिवार सुबह 7 बजे कार्रवाई शुरू की। पचमढ़ी में लोकायुक्त एसपी सुनील पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने एसडीओ के सरकारी आवास और कार्यालय की तलाशी ली। वहीं, छिंदवाड़ा में डीएसपी के नेतृत्व में दूसरी टीम ने उनके पैतृक मकान की सर्च की। कार्रवाई के लिए नर्मदापुरम की विशेष अदालत से सर्च वारंट लिया गया था। तलाशी के दौरान संजीव शर्मा के वाहनों के दस्तावेज जांचे गए। उनकी स्कॉर्पियो, बुलेट और ई स्कूटी के नंबर में 3773 अंक कॉमन हैं। छिंदवाड़ा स्थित मकान से बुलेट, स्कूटर और महिंद्रा केयूवी-100 के दस्तावेज मिले हैं। इनकी अनुमानित कीमत 4 लाख, 1.20 लाख और 5 लाख रुपए है। स्कॉर्पियो की कीमत करीब 21 लाख रुपए आंकी गई है। चारों वाहनों की कुल कीमत 31.20 लाख रुपए है।

दो होटल-रिसॉर्ट, ...

रुपए है। तलाशी में जमीनों के क्रय-विक्रय से जुड़े 28 दस्तावेज और एग्रीमेंट भी मिले हैं। छिंदवाड़ा और होशंगाबाद में प्लॉट और अन्य संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। दुकानें होने की जानकारी भी मिली है। बैंक खातों, निवेश और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

छिंदवाड़ा और पचमढ़ी ....

और 1,300 ग्राम चांदी के जेवर मिले। दोनों जगह से कुल 26 लाख 36 हजार 800 रुपए कैश, 2,527.924 ग्राम सोना और 1,656 ग्राम चांदी मिली।

दिल्ली से छतरपुर जा रही डबल डेकर एसी बस में 'भीषण आग'

20 फीट ऊंची लपटों में जलकर खाक हुई बस

- ड्राइवर ने सड़क किनारे रोकी बस 40 यात्री बचे
- आग कैसे लगी? इसके कारण का खुलासा नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ छतरपुर


एआई इमेज

मथुरा जनपद अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार देर रात करीब डेढ़ बजे एक बड़ा और भयावह हादसा होते-होते टल गया। दिल्ली के कश्मीरी गेट से मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही खजुराहो ट्रैवल्स की डबल डेकर एसी स्लीपर बस (एमपी 14 जेडएच 5063) में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बस से करीब 20 फीट ऊंची आग की लपटें उठने लगीं। गनीमत यह रही कि बस चालक की तत्परता और सूझबूझ के चलते बस में सवार सभी 40 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अग्निकांड में पूरी बस और यात्रियों का सारा सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया है। मध्य प्रदेश निवासी ड्राइवर जितेंद्र 40 यात्रियों को लेकर दिल्ली के कश्मीरी गेट से छतरपुर के लिए रवाना हुआ था। देर रात करीब 1:30 बजे जब बस मथुरा के राया थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे स्थित राया कट पुल के पास पहुंची, तभी बस से अचानक धुआं निकलने लगा। रात का समय होने के कारण बस में सवार अधिकांश लोग गहरी नींद में सो रहे थे। जान बचाने की जल्दबाजी में सभी 40 यात्री किसी तरह बस से नीचे कूदकर सुरक्षित दूरी पर भागे, लेकिन इस आपाधापी में उनका सारा लगेज और कीमती सामान बस के भीतर ही छूट गया।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल
Phone: 0755-4050450, Email: hamidiahospital.govt@gmail.com, hamidiapurchase@gmail.com

क्रमांक /16656 / क्रय / ह.चि. / भोपाल / 2026-27 दिनांक 12/11/2026

निविदा आमंत्रण

गाँधी चिकित्सा महाविधालय से संबद्ध चिकित्सालयों हमीदिया चिकित्सालय एवं क्षय चिकित्सालय हेतु औषधियाँ, सर्जिकल मटेरियल, सूचर मटेरियल, कन्ज्युमेबिल, किटस, केमिकल्स एवं इम्प्लॉट का स्थानीय क्रय (लोकल पर्चेस) ई-निविदा भोपाल शहर स्थित पंजीकृत विक्रेताओं से दिनांक 08/12/2026 को सायं 05 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं ।

उपरोक्तानुसार निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी ई-पोर्टल www.mptenders.gov.in पर दिनॉक- 12/11/2026 से उपलब्ध है। निविदा में परिवर्तन संबंधी जानकारी भी पोर्टल पर देखी जा सकती है जिसका पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल

जी - 21450/26 स्वच्छता ही सेवा है।

आम सूचना

क्लासिक बिल्डिंग के थर्ड फ्लोर के फ्लेट नंबर टी-01 प्लाट क्रमांक-97 हाउसिंग बोर्ड कालोनी कोहेफिजा भोपाल म.प्र के संबंध में

मैं अपनी पक्षकारा श्रीमती शबाना अजीज पत्नी श्री मोहम्मद नदीम आयु वयस्क निवासी फ्लेट नंबर 503–504 ई–ब्लाक रिगालिया हाईट्स सूफिया मस्जिद के पास अहमदाबाद पैलेस रोड कोहेफिजा भोपाल म.प्र.की ओर से सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मेरी पक्षकारा ने मेसर्स क्लासिक बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स द्वारा भागीदार श्री कामरान शहरयार आयु वयस्क आत्मज शहरयार अहमद खान एवं सैय्यद फुरकान अब्बास आयु वयस्क आत्मज स्व.श्री फजल अब्बास कार्यालय–5 सरस्वती प्रकाशन के सामने सुल्तानिया रोड भोपाल मप्र से प्लाट क्रमांक–97 स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी कोहेफिजा भोपाल म.प्र पर भूमि स्वामी के साथ ज्वाईट वैंचर के रूप में निर्मित बहुमंजिला क्लासिक बिल्डिंग के थर्ड फ्लोर पर स्थित फ्लेट नंबर टी–01 कुल माप–लगभग 900 वर्गफिट को क्रय किए जाने का नोटराईज विक्रय अनुबंध पत्र दिनांक 28 जनवरी 2025 को निष्पादित कर 2 किस्त में उन्हें 10 लाख रूपए अदा किए हैं। शेष राशि के लिए बैंक से होमलोन भी प्राप्त कर लिया है। अब विक्रेतागण के मन में बदनियती आ गई है और वह मेरी पक्षकारा के पक्ष में अनुबंधित उपरोक्त वर्णित फ्लेट को धोखाधड़ी कर अन्यत्र बेचने का प्रयास कर रहे हैं। अतः संभावित क्रेता और निवेशकर्ता को आगाह किया जाता है कि मेरी पक्षकारा के पक्ष में अनुबंधित उपरोक्त वर्णित फ्लेट नंबर टी–01 थर्ड फ्लोर के संबंध में मेसर्स क्लासिक बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स द्वारा भागीदार श्री कामरान शहरयार एवं सैय्यद फुरकान अब्बास अथवा उनके मुख्तार आम व अन्य किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार , क्रय–विक्रय इत्यादि न करें। अन्यथा इससे उत्पन्न होने वाले समस्त परिणामों एवं हर्जे–खर्चे की जवाबदारी संबंधित व्यक्ति की स्वंय की होगी। इस संबंध में मेरी पक्षकारा द्वारा पृथक से आपराधिक एवं न्यायालयीन कार्यवाही की जा रही है।

खालिद हफीज एडवोकेट
कार्यालय -3 अहाता मनकशाह पुल बोगदा भोपाल मोबा. नं.–9993374688

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं– टीआरडी/सोन/ई.टी/26–27/22
कार्य का नाम एवं स्थानः छपरा–कटिहार–सोनपुर मंडल में एबीएसएस कार्य के कारण ओएचई में संशोधन। 2. कार्य का अनुमानित मूल्यः रू 11974545/– 3.जमानत राशिः रू 239500/– निविदा प्रपत्र का मूल्यः रू 0/– 4. ई–निविदा प्रपत्र जमा करने एवं खुलने की तिथिः ई–निविदा प्रपत्र जमा करने की निर्धारित तिथि एवं समय : दिनांक 04.12.2026 को 12.00 बजे तक। ई–निविदा प्रपत्र खुलने का निर्धारित समय : दिनांक 04.12.2026 को 12.00 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.) कार्यालय, पूर्व मध्य रेल/सोनपुर में खोले जायेगें । 5. बेबसाईट एवं नोटिस बोर्ड का लोकेशन जहाँ से ई–निविदा संबंधित पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है: वेबसाइट www. ireps.gov.in नोटिस बोर्डः मंडल रेल प्रबंधक/सोनपुर के कैम्पस भवन, पूर्व मध्य रेल/सोनपुर

वरीय मंडल विद्युत इंजीनियर/(क.वि) पूर्व मध्य रेल/सोनपुर
पीआर/1350/एसईई/टीआरडी/टी/26–27/28

कार्यालय क्षेत्र संचालक पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी
Phone No. 07692-350003
E-mail: fdpennp.sni@mp.gov.in, Url: www.penchtiger.org

क्रमांक / स्टोर 5384 खंड - I सिवनी, दिनांक 12/11/26

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन
ई- निविदा आमंत्रण सूचना संख्या e-16

पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी (म.प्र.) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में म.प्र भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्यस्थल का नाम	बोरवेल खनन की अनुमानित मात्रा	मुख्यालय सिवनी से अनुमानित दूरी
1	पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी मध्यप्रदेश के अंतर्गत समस्त परिक्षेत्र (जिला- सिवनी एवं छिंदवाड़ा का क्षेत्र)	27 नग	40 से 60 कि.मी.

नोटः- कार्य की मात्रा अनुमानित है जो आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है, तथा ई निविदा में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट यदि कोई हो तो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।

Publishing of Tender Date & Time	13-11-2026 TIME 10.00 AM
Bid Submission Start Date & time	13-11-2026 TIME 10.00 AM
Bid Submission closing Date & time	26-11-2026 TIME 03.00 PM
Bid Opening Date & time	27-11-2026 TIME 04.00 PM

G-21451/26 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता "
उप संचालक
पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी (म.प्र.)

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है · खरीदना है · बेचना है · व्यापार · चिकित्सा · ज्योतिष · डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

आवश्यकता

(1) एकाउंटेंट- 1पद- (युवती/महिला) GST, Tally, Excel, सेल पर्चेज, स्टॉक एवं बैंकिंग का अनुभव हो। (2) सुपरवाईजर- 5पद (टोल नाके मे काम करने के इच्छुक लोग भी मिले) (3) मैकेनिकल- 2पद (जो आलराउंडर हो, गाड़ियां क्रेशर मेन्टेनेन्स अनुभवी हो) (4) ड्राईवर- 4पद Bs6 टाटा हाईवा, 12चक्का चलाने हेतु (हैवी लायसेंस, 5वर्ष अनुभवी,(5) 4पद बस ड्राइवर स्लीपर कोच ऑल इंडिया परमिट अशोक लिलैण्ड 13.5 मीटर की बसे लम्बी दूरी इन्टर स्टेट चलाने का अनुभवी लायसेंस बैच सहित, (6) 1पद HM लोडर Bs6 आपरेटर (7) एक मुंशी खदान क्रेशर में काम करने का अनुभवी हो। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा आईडी, आधार कार्ड लायसेंस फोटो सहित सम्पर्क करें- मां शारदा क्रेशर उद्योग मांईन्स, नर्मदा नगर, बिलासपुर 9893900999 ईमेल करें- stbm999@gmail.com
BLS- 15,17,19,21

वैवाहिकी

म.प्र. राजपूत समाज
9वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 13 दिसंबर 2026
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल-16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 06 दिसंबर 2026
पंजीयन शुल्क 600 रुपए ऑनलाइन एवं 800 रुपए ऑफलाइन (पंजीयन शुल्क में राजपूत दर्पण पत्रिका का वैधानिक विशेषांक शामिल है।)
मो. 91790 81582, 98274 47630
B-15,22,29



B-15/11/26 to 14/12/26

हरिभूमि भोपाल बाजार
उगवार ही नहीं, विचार भी
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644



Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644


नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's
HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल | Veronika Khushi Heights Main Road Abbas Nagar Bhopal

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यो कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

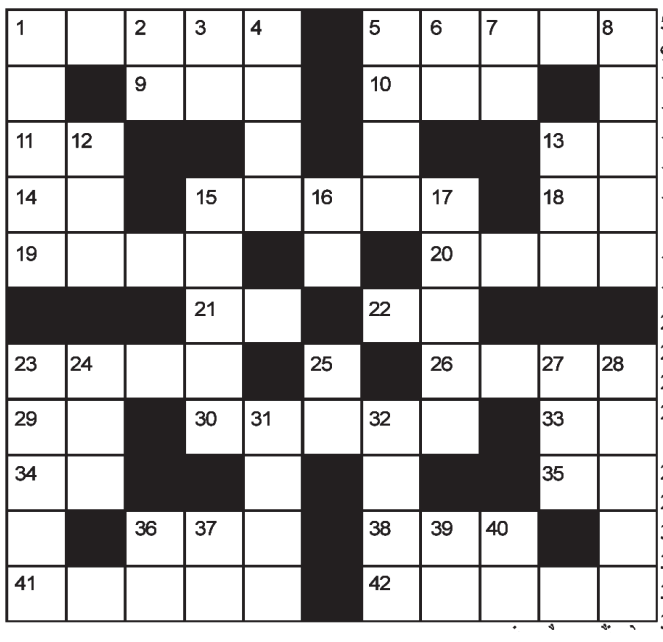
धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 6407



बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6406 का हल

सा	ल	■	ब	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कै	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	का	त	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	का	ला	■
का	या	■	बी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शे	र	■	बा	धा
■	की	च	इ	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	त	■	जी	त	■	मा	मा	■	दा	म

सूडोकु नवताल - 6417

कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6416 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4


महायोगी
दादागुरु भगवान
भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन जन्मोत्सव की
शोभायात्रा समारोह
15 नवम्बर 2026, रविवार, प्रातः 10 बजे से
गोविंद पुरा भेल दशहेरा मैदान से शुभारंभ
डॉ. एल.एन मालवीया जी
वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रदेश अध्यक्ष
श्री सहस्त्रबाहु कलचुरी कलार समाज मध्य प्रदेश भोपाल
मुख्य संयोजक

**प्रदूषण ने सांसों पर संकट खड़ा कर दिया है। देश में प्रदूषण का एक प्रमुख कारण सड़कों पर वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन बड़ी मात्रा में प्रदूषक गैसें और सूक्ष्म कण छोड़ते हैं। इसके अलावा, कारखानों का उत्सर्जन, कोयले से चलने वाले बिजलीघर, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कूड़ा जलाना और खेतों में पराली जलाना मुख्य कारक माने जाते हैं। सर्दियों में मौसम की स्थिति भी प्रदूषण को जमीन के करीब रोक देती है। हवा की गति कम होने और तापमान में बदलाव के कारण प्रदूषक आसानी से फैल नहीं पाते। यदि आज पर्यावरण की रक्षा के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। अतः प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। पराली से जैव ईंधन, खाद और दूसरे उपयोगी उत्पाद बनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकार को नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा और नागरिकों को भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

साल भर काम करने वाली बनें नीतियां



विश्लेषण

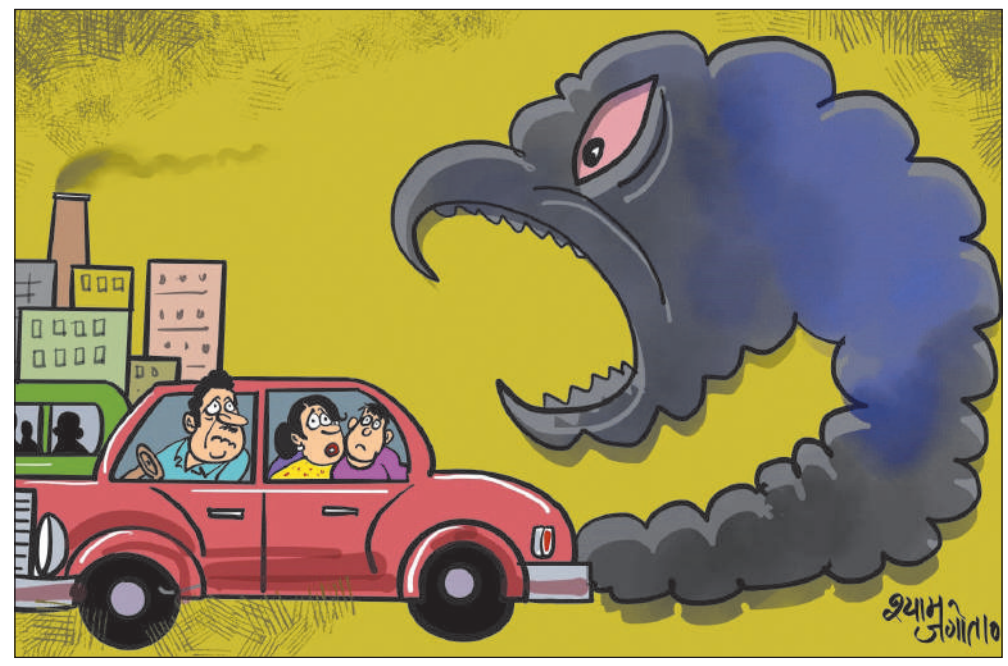
विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण होती है। प्रदूषित हवा से दिल की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, अस्थमा और सांस से जुड़ी दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। यानी प्रदूषण धीरे-धीरे हमारी जिंदगी के साल कम कर रहा है। भारत में वायु प्रदूषण के कई कारण हैं। इनमें सबसे प्रमुख हैं वाहनों से निकलने वाला धुआं, कारखानों का उत्सर्जन, कोयले से चलने वाले बिजलीघर, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कूड़ा जलाना और खेतों में पराली जलाना। सर्दियों में मौसम की स्थिति भी प्रदूषण को जमीन के करीब रोक देती है। हवा की गति कम होने और तापमान में बदलाव के कारण प्रदूषक आसानी से फैल नहीं पाते।

ज़रा सोचिए, जिस हवा में हम हर पल सांस लेते हैं, वही हवा अगर हमारी सेहत की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाए तो क्या होगा? जिस सुबह की शुरुआत ताजी हवा और चिड़ियों की चहचहाहट से होनी चाहिए, वह अगर धुंध, धुएं और जहरीले कणों के बीच हो तो इसे विकास की कैसी तस्वीर कहा जाएगा? आज भारत के सामने प्रदूषण की समस्या कुछ ऐसी ही चुनौती बनकर खड़ी है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर मुंबई, कानपुर, लखनऊ, पटना, जयपुर और देश के दूसरे बड़े शहरों तक हवा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सवाल यह है कि आखिर भारत इस प्रदूषण की मार से कैसे बचे? प्रदूषण अब केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं रह गया है। यह सीधे लोगों की जिंदगी, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि स्वस्थ और युवा लोग इससे सुरक्षित हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से होने वाली बीमारियों के कारण होती है। प्रदूषित हवा से दिल की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, अस्थमा और सांस से जुड़ी दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। यानी प्रदूषण धीरे-धीरे हमारी जिंदगी के साल कम कर रहा है। भारत में वायु प्रदूषण के कई कारण हैं। इनमें सबसे प्रमुख हैं वाहनों से निकलने वाला धुआं, कारखानों का उत्सर्जन, कोयले से चलने वाले बिजलीघर, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कूड़ा जलाना और खेतों में पराली जलाना। सर्दियों में मौसम की स्थिति भी प्रदूषण को जमीन के करीब रोक देती है। हवा की गति कम होने और तापमान में बदलाव के कारण प्रदूषक आसानी से फैल नहीं पाते। दिल्ली और आसपास के शहरों में पराली जलाने की चर्चा हर साल होती है।



जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही तय हो

जब हवा की गुणवत्ता खराब हो तो बाहरी गतिविधियां सीमित करना समझदारी है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लें। मास्क के मामले में भी ध्यान रखें कि कपड़े या सामान्य मास्क पूरी सुरक्षा नहीं देते। सही फिटिंग वाला मास्क बेहतर बचाव दे सकता है। भारत को यह समझना होगा कि स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, बल्कि हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। सबसे जरूरी है कि प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न माना जाए। गर्मियों में धूल, उद्योगों का धुआं और वाहनों का प्रदूषण भी लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए साल भर काम करने वाली नीति बनानी होगी। प्रदूषण के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए, जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही तय हो और हर शहर के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। आखिर हम अपने बच्चों को कैसी विरासत देना चाहते हैं? ऐसे शहर जहां बच्चे खुलकर खेल न सकें, बुजुर्ग सुबह की सैर से डरें और लोग सांस लेने के लिए मास्क पर निर्भर रहें? या ऐसे शहर जहां साफ हवा में सांस लेना सामान्य बात हो? भारत ने विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब उसे स्वच्छ हवा के मोर्चे पर भी वैसी ही इच्छाशक्ति दिखानी होगी। विकास का मतलब केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है। विकास का असली पैमाना यह भी है कि देश का आम नागरिक बिना किसी डर के खुलकर सांस ले सके।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में फसल कटने के बाद खेतों में बची पराली को जलाया जाता है। इससे धुआं और छोटे जहरीले कण हवा में पहुंचते हैं। हालांकि यह समझना जरूरी है कि दिल्ली के प्रदूषण के लिए केवल पराली जिम्मेदार नहीं है। स्थानीय वाहन, उद्योग, निर्माण कार्य, सड़क की धूल और कचरा जलाने जैसे कारण भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। एक और समस्या है, जिस पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। वह है घरों के भीतर का प्रदूषण। लकड़ी, कोयला और उपले जलाकर खाना बनाने वाले परिवारों को इसका सामना करना पड़ता है। अगर घर में धुएं के बाहर निकलने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है तो महिलाओं-बच्चों की सेहत पर इसका गंभीर असर पड़ता है। भारत सरकार ने कुछ साल पहले राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया था। इसका उद्देश्य देश के प्रदूषण प्रभावित शहरों में हवा की गुणवत्ता सुधारना है। इसके तहत 130 शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाई गईं। 2024-25 में इन 130 शहरों में से 103 शहरों में 2017-18 के मुकाबले पीएम10 के स्तर में कमी दर्ज की गई। इनमें 25 शहरों ने 40 प्रतिशत से अधिक कमी हासिल की। लेकिन केवल कुछ शहरों में सुधार से देश की समस्या हल नहीं होगी।

आपातकालीन पाबंदी समाधान

जरूरी है कि योजनाओं का असर जमीन पर दिखाई दे। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने पर निर्माण गतिविधियों, वाहनों और अन्य स्रोतों पर पाबंदियां लगाई जाती हैं। लेकिन हर साल सर्दियों में वही स्थिति दोहराई जाती है। इससे साफ है कि केवल आपातकालीन पाबंदियां लगाकर प्रदूषण का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना होगा। शहरों में बसों की संख्या बढ़ाई जाए, मेट्रो और बस सेवाओं के बीच बेहतर तालमेल हो और लोगों को निजी कारों की जगह सार्वजनिक परिवहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इलेक्ट्रिक बसों और दूसरे स्वच्छ वाहनों को बढ़ावा देना भी जरूरी है। साथ ही पुराने और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों पर सख्ती होनी चाहिए। निर्माण कार्यों और सड़कों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण जरूरी है। जानकार कहते हैं कि उद्योगों और बिजलीघरों को स्वच्छ तकनीक अपनाने के लिए बाध्य किया जाए। प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों की नियमित जांच हो और नियम तोड़ने वालों पर वास्तविक कार्रवाई की जाए। कचरा खुले में जलाने पर रोक के साथ घर-घर कचरा संग्रह, अलग-अलग कचरे का वर्गीकरण और वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना होगा।

हरियाली बढ़ाने पर दें ध्यान

इसके साथ ही, किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए केवल जुर्माना लगाने के बजाय उनकी मदद करनी होगी। उन्हें पराली काटने और जमीन में मिलाने वाली मशीनें उचित दरों पर उपलब्ध कराई जाएं। पराली से जैव ईंधन, खाद और दूसरे उपयोगी उत्पाद बनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाए। किसान को आर्थिक विकल्प मिलेगा, तभी समस्या का स्थायी समाधान निकलेगा। प्रदूषण की समस्या से लड़ने के लिए शहरों में हरियाली बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। पार्क, शहरी वन, सड़क किनारे पेड़ और खुले स्थान शहरों के पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि केवल पेड़ लगाना प्रदूषण का इलाज नहीं है। इसके साथ प्रदूषण के मूल स्रोतों पर नियंत्रण भी जरूरी है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है, लेकिन नागरिकों की भूमिका भी कम नहीं है। हमें छोटी-छोटी आदतें बदलनी होंगी। अनावश्यक रूप से निजी वाहन निकालने से बचें। कूड़ा और सूखे पत्ते न जलाएं। घरों में स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल करें। बिजली की बर्बादी कम करें। प्रदूषण के गंभीर स्तर पर पहुंचने पर बाहर व्यायाम करने से बचें और बच्चों तथा बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स पर भी नजर रखनी चाहिए।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



व्यवस्था

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही साफ पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में धूल और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस बदहाल स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। सुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही कार्यालयों के समय में बदलाव और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। कुल मिलाकर शहरों को बचाने के लिए केवल वाहनों की संख्या नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और आदतों में भी बदलाव जरूरी है। प्रदूषण की दूसरी बड़ी समस्या नदियों और जलस्रोतों की लगातार बिगड़ती स्थिति है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए रसायन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की खबरें सामने आईं। घाटों पर पाइप के जरिये साफ पानी भरने की व्यवस्था किए जाने के आरोप भी लगे। ऐसे अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे जरूरी है कि नालों और सीवर का गंदा पानी तथा कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा नदी में गिरने से रोका जाए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसी नदी के पानी पर दिल्ली की बड़ी आबादी की जलापूर्ति निर्भर करती है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भी सरकार और प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। त्योहारों के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर मिली ढील का असर हवा की गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इसके अलावा कई इलाकों में खुलेआम कचरा और कबाड़ जलाया जाता है। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस, प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजंसियों, एनजीटी और आरडब्ल्यूए को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। चौड़ी सड़कों के किनारे पौधारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने से भी पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी की बर्बादी रोकना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर स्वच्छ हवा और साफ पानी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है।

संतुलित विकास की सोच अपनाना जरूरी



मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

देश अभी सूखे के दुष्प्रभाव से निबटने की कोशिश कर ही रहा था कि महज एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी से उठे दो-दो तूफानों ने इसके तटीय इलाकों में कहर बरपा दिया। तकनीकी विकास की वजह से तूफानों की पूर्व सूचना के चलते सरकारों ने एहतियाती उपाय कर लिए, इस वजह से बहुत ज्यादा जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन तटीय इलाकों के बुनियादी ढांचे, बिजली व्यवस्था आदि को भारी पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

इन दोनो तूफानों ने न सिर्फ माली नुकसान पहुंचाया, बल्कि मौसम चक्र को भी बदलकर रख दिया। दोनों के असर से उत्तर भारत तक के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। करीब डेढ़ दशक से उत्तर भारत में देर से दस्तक देने वाला ठंड का मौसम कुछ पहले ही आ गया है। विगत कुछ दशकों से भारत ही नहीं दुनिया के मौसम चक्र में बदलाव दिख रहा है। इसकी वजह से वातावरण का तापमान बढ़ रहा है, बारिश का चक्र या तो कमजोर पड़ रहा है या फिर अचानक ही किसी इलाके में तीव्र हो जा रहा है। इसके चलते जहां वनस्पतियों की जहां कुछ प्रजातियां नष्ट हो रही हैं, वहीं जंतु जगत के कार्यकलाप, आदत और अस्तित्व में परिवर्तन नजर आने लगे हैं। इसका असल फसल चक्र और उनकी पैदावार पर भी पड़ रहा है। अव्वल तो दुनिया को इन बदलावों से चिंतित होना चाहिए, विश्व परेशान भी दिखता है, लेकिन इस बदलाव को थामने की वैश्विक स्तर पर जैसी संजीदा कोशिश होनी चाहिए, नहीं हो रही है। मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। जैसे-जैसे उपभोग की संस्कृति बढ़ती गई, उत्पादन की मांग बढ़ती गई। उत्पादन के चलते प्रकृति का दोहन बढ़ा, ऊर्जा की मांग बढ़ी। इस पूरी प्रक्रिया में प्रकृति और सभ्यता के बीच संतुलन गड़बड़ाना शुरू हुआ। जिसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। आज दुनिया ने शहरीकरण और औद्योगीकरण को विकास का पैमाना मान लिया है। दोनों ने ही हमारे जीवन में उपभोगवाद को बढ़ावा दिया है। इसकी वजह से हमारी जलवायु में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि दुनिया गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों को यह बात उपग्रहों, मौसम संबंधी गुब्बारों, थर्मामीटरों, मौसम केंद्रों और अन्य स्रोतों से जुटाए गए सबूतों से पता चली है। 1880 के बाद से, विश्व के औसत तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस यानी करीब 1.7 डिग्री फ़ारेनहाइट की वृद्धि हुई है। अगर शहरीकरण और औद्योगीकरण हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है। मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है। 1958 में जहां इसकी उपस्थिति 313 पार्ट्स प्रति मिलियन थी, वहीं 30 मार्च 2020 तक बढ़कर यह 415 प्रति मिलियन हो गई। कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में हुई इस वृद्धि को 'कीलिंग कर्व' कहा जाता है। इन अध्ययनों से पता चलता है कि साल 1900 तक, कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर जहां स्थिर और लगभग 150 से 280 प्रति मिलियन के बीच था, वहीं 1900 के दशक की शुरुआत में, सीओ 2 का स्तर बहुत तेज़ी से बढ़ने लगा। आज इसका स्तर औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। साफ है कि जब तक दुनिया इसके प्रति नहीं चेतेगी, मौसम में बदलाव का चक्र नहीं रुकेगा। इससे सभ्यता का भविष्य भी खतरे में होगा। इसलिए जरूरी है कि प्रकृति से सामंजस्य के साथ संतुलित विकास के नजरिए से दुनिया आगे बढ़े। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या दुनिया इस तरह सोचने को तैयार है?



पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है। मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है।

केंद्रित उपभोगवाद यूं ही जारी रहा तो अनुमान है कि 2050 तक वैश्विक तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस यानी करीब 2.7 डिग्री फ़ारेनहाइट और साल 2100 तक 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1960 के दशक से वैश्विक औसत वार्षिक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। वसंत के मौसम में जब पौधे बढ़ते हैं, तो वे हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके उसे कार्बन में बदल देते हैं, साथ ही ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वहीं, पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते

विकास की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी



प्रदूषण

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में प्रदूषण का बढ़ता स्तर आज देश के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बन चुका है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हवा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। प्रदूषण का प्रभाव केवल वातावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम नागरिकों के स्वास्थ्य, बच्चों के भविष्य, बुजुर्गों के जीवन और प्राकृतिक संसाधनों को भी प्रभावित कर रहा है। विकास और आधुनिक सुविधाओं की दौड़ में देश ने काफी तरक्की की है, लेकिन इस तरक्की के साथ पर्यावरण संरक्षण को उतनी प्राथमिकता नहीं मिल पाई है।

सवाल यह है कि आखिर प्रदूषण बढ़ने के लिए कौन-कौन से कारण जिम्मेदार हैं और इस पर नियंत्रण करने में कहां कमी रह रही है? देश में प्रदूषण बढ़ने का एक प्रमुख कारण सड़कों पर वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन बड़ी मात्रा में प्रदूषक गैसें और सूक्ष्म कण छोड़ते हैं। महानगरों में यातायात जाम की समस्या इस स्थिति को और गंभीर बना देती है। कई पुराने वाहन निर्धारित प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करते।

यदि सार्वजनिक परिवहन को मजबूत किया जाए और मेट्रो, बस तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन मिले तो प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती है।औद्योगिकीकरण देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए जरूरी है, लेकिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। कई उद्योगों में कोयले और अन्य जीवाश्म ईंधनों का इस्तेमाल किया जाता है। इनके कारण सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य प्रदूषक वातावरण में पहुंचते हैं। यदि फैक्ट्रियों में आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाए जाते या उनका सही इस्तेमाल नहीं होता तो आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। देशभर में सड़कों, फ्लाईओवर, मेट्रो, भवनों और अन्य विकास परियोजनाओं का निर्माण तेजी से हो रहा है। विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन इनके दौरान धूल नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम होना भी उतना ही आवश्यक है। निर्माण सामग्री को खुले में रखना, मलबा सड़कों पर छोड़ना और खुदाई के बाद मिट्टी को खुला छोड़ देना प्रदूषण बढ़ाता है। निर्माण स्थलों पर नियमित पानी का छिड़काव, सामग्री को ढककर रखना और मलबे का उचित निस्तारण करना जरूरी है। कृषि क्षेत्रों में फसल कटाई के बाद पराली जलाना भी वायु प्रदूषण का एक कारण है। विशेष रूप से उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान इसका प्रभाव अधिक चर्चा में रहता है। किसानों को पराली के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए मशीनें, आर्थिक सहायता और वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। दूसरी ओर शहरों और कस्बों में खुले में कूड़ा जलाने की प्रवृत्ति भी गंभीर समस्या है। प्लास्टिक, रबर और घरेलू कचरा जलाने से जहरीले पदार्थ वातावरण में फैलते हैं। इसके लिए कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक निस्तारण जरूरी है।शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ों की कटाई हो रही है। पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने, धूल रोकने और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब हरित क्षेत्र कम होते हैं तो पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। केवल पौधे लगाने के अभियान चलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल और पुराने पेड़ों का संरक्षण भी जरूरी है। यदि शहरी विकास की योजनाएं पर्यावरण को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जातीं तो प्रदूषण और कचरे की समस्या बढ़ना स्वाभाविक है। हरित क्षेत्रों, जल स्रोतों और खुले स्थानों को सुरक्षित रखना शहरी नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। सरकार को नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा और नागरिकों को भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा।

आखिरकार स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी किसी विशेष वर्ग की जरूरत नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। यदि आज पर्यावरण की रक्षा के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को केवल सरकारी अभियान न मानकर जन आंदोलन बनाना समय की मांग है।



किसानों को पराली के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए मशीनें, आर्थिक सहायता और वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। दूसरी ओर शहरों और कस्बों में खुले में कूड़ा जलाने की प्रवृत्ति भी गंभीर समस्या है। प्लास्टिक, रबर और घरेलू कचरा जलाने से जहरीले पदार्थ वातावरण में फैलते हैं।

हर 3 साल में म्यूचुअल फंड स्कीम बदलना समझदारी या बड़ी गलती

● सिर्फ पिछले एक या तीन साल के रिटर्न को देखकर फंड बदलने से बचें● रोलिंग रिटर्न बताता है बाजार के अलग-अलग दौर में स्कीम का प्रदर्शन● जल्दबाजी में स्विच करने से कंपाउंडिंग, टैक्स और अतिरिक्त शुल्क पर असर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग एक आम गलती करते हैं। वे हर दो-तीन साल में अपना पोर्टफोलियो देखते हैं और जिस स्कीम का रिटर्न कम दिखाई देता है, उसे बेचकर उस फंड में पैसा लगा देते हैं जिसने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया हो। पहली नजर में यह फैसला समझदारी भरा लग सकता है, लेकिन बार-बार फंड बदलने की यह आदत लंबे समय में निवेश के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह है बाजार के प्रदर्शन को समझने में जल्दबाजी, स्विच करने का खर्च और कंपाउंडिंग पर पड़ने वाला असर। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि किसी म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न उसके भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। बाजार में तेजी के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम अगले कुछ वर्षों में कमजोर भी रह सकती है। इसी तरह किसी फंड का एक-दो साल तक पीछे रहना यह साबित नहीं करता कि उसकी निवेश रणनीति खराब हो गई है। इसलिए केवल एक निश्चित अवधि के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेने के बजाय फंड के प्रदर्शन की निरंतरता देखना जरूरी है।



इक्विटी और डेट फंड के कर नियम अलग हो सकते हैं। निवेश की अवधि और निकासी की तारीख के आधार पर भी कर देनदारी बदलती है। इसलिए हर तीन साल में फंड बदलने से पहले एग्जिट लोड और टैक्स की गणना जरूर कर लें। केवल सकल रिटर्न की तुलना करना पर्याप्त नहीं है।

ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न में क्या है अंतर

फंड का प्रदर्शन जांचने के लिए आमतौर पर ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न दो तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। ट्रेलिंग रिटर्न किसी एक तारीख से पीछे की ओर एक निश्चित अवधि का प्रदर्शन बताता है। उदाहरण के लिए, आज से पिछले तीन साल में किसी फंड ने कितना सालाना रिटर्न दिया, यह उसका तीन साल का ट्रेलिंग रिटर्न होगा। इसमें केवल दो तारीखों के बीच का प्रदर्शन शामिल होता है। इसलिए बाजार की तेजी या गिरावट का उस पर काफी असर पड़ सकता है। इसके विपरीत, रोलिंग रिटर्न अलग-अलग तारीखों से शुरू होने वाली समान निवेश अवधियों का प्रदर्शन दिखाता है। मान लीजिए किसी फंड का तीन साल का रोलिंग रिटर्न देखना है। इसके लिए अलग-अलग तारीखों पर निवेश शुरू करके अगले तीन साल के रिटर्न की गणना की जाती है। इससे पता चलता है कि बाजार के अलग-अलग दौर में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया। निवेशक यह समझ पाते हैं कि स्कीम ने केवल किसी एक अनुकूल अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है या अलग-अलग परिस्थितियों में भी प्रदर्शन की निरंतरता बनाए रखी है।

तीन निवेशकों का उदाहरण समझिए

मान लीजिए तीन दोस्तों ने एक ही म्यूचुअल फंड में अलग-अलग वर्षों में निवेश किया। पहले दोस्त ने जनवरी 2021 में निवेश किया और जनवरी 2024 में पैसा निकाला। उसे सालाना 15 प्रतिशत रिटर्न मिला। दूसरे ने जनवरी 2022 में निवेश किया और जनवरी 2025 में निकासी की। बाजार की परिस्थितियों के कारण उसका रिटर्न 10 प्रतिशत रहा। तीसरे दोस्त ने जनवरी 2023 में निवेश शुरू किया और जनवरी 2026 में पैसा निकाला। उसे 14 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिला। तीनों अवधियों के रिटर्न का साधारण औसत करीब 13 प्रतिशत बैठता है। यह उदाहरण बताता है कि अलग-अलग समय पर निवेश करने वालों को एक ही फंड से अलग नतीजे मिल सकते हैं। हालांकि, वास्तविक रोलिंग रिटर्न का आकलन केवल तीन अवधियों का औसत निकालकर नहीं किया जाता।

कब बदलना चाहिए म्यूचुअल फंड?

फंड बदलने का फैसला केवल इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि किसी दूसरी स्कीम ने पिछले एक साल, तीन साल या हाल की अवधि में उससे अधिक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव और रिटर्न की तुलना के बजाय फंड के लगातार प्रदर्शन और उसकी निवेश रणनीति को समझना ज्यादा जरूरी है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि संबंधित फंड लगातार अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी की दूसरी स्कीमों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा है तो यह भी समझना जरूरी है कि इसके पीछे बाजार की परिस्थितियां हैं या फंड प्रबंधन की रणनीति में कोई कमी है। क्या फंड मैनेजर बदला है? क्या निवेश की रणनीति, पोर्टफोलियो या प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव आया है? इसके अलावा यह भी जांचना चाहिए कि फंड का जोखिम स्तर आपकी वित्तीय जरूरतों, निवेश के उद्देश्य और निवेश अवधि के अनुरूप है या नहीं।

बार-बार फंड बदलने से कैसे घट सकता है मुनाफा?

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है और इसे 15 साल तक जारी रखता है। इस दौरान उसका कुल निवेश 27 लाख रुपये होगा। यदि निवेश को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो दिए गए उदाहरण के अनुसार फंड की सकल कीमत करीब 71.39 लाख रुपये हो सकती है। दूसरी स्थिति में निवेशक हर तीन साल में फंड बदलता है। इस दौरान फंड बेचने और नई स्कीम में निवेश करने के बीच का अंतर, बाजार की टाइमिंग और संभावित शुल्क उसके नतीजे को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण में बार-बार स्विच करने की स्थिति में सकल फंड मूल्य करीब 66.42 लाख रुपये माना गया है। दोनों स्थितियों में लगभग 4.97 लाख रुपये का अंतर दिखाई देता है। म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने या एक स्कीम से दूसरी में जाने पर एग्जिट लोड लग सकता है। इसकी दर और अवधि संबंधित स्कीम के नियमों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यूनिट बेचने पर होने वाले लाभ पर लागू कर भी निवेश के अंतिम मूल्य को प्रभावित करता है।

टैक्स बचाने को ईएलएसएस फंड सही निवेश से पहले जान लें नफा नुकसान

- पुरानी टैक्स व्यवस्था में 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ
- तीन साल का लॉक-इन; शेयर बाजार में निवेश होने से रिटर्न की गारंटी नहीं
- पांच से सात साल का नजरिया रखना बेहतर

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के साथ निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे लोगों के लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें निवेश करने पर पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत आयकर अधिनियम की धारा 80सी के अंतर्गत कटौती का लाभ मिल सकता है। साथ ही, इसमें तीन साल का लॉक-इन होता है, जो कई दूसरी टैक्स बचत योजनाओं की तुलना में कम है। हालांकि, केवल टैक्स बचाने के उद्देश्य से ईएलएसएस में पैसा लगाना सही रणनीति नहीं है। निवेश से पहले इसके बाजार जोखिम, लॉक-इन और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। ईएलएसएस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें निवेश की गई राशि पर पुरानी टैक्स व्यवस्था में सालाना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा किया जा सकता है। लेकिन यह सीमा केवल ईएलएसएसके लिए अलग से नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), जीवन बीमा प्रीमियम और धारा 80सी के तहत आने वाले अन्य पात्र निवेश भी इसी सीमा में शामिल होते हैं। इसलिए यदि किसी व्यक्ति ने इन माध्यमों से पहले ही 1.5 लाख रुपये की सीमा का इस्तेमाल कर लिया है तो ईएलएसएस में अतिरिक्त निवेश करने से 80सी के तहत अलग से टैक्स लाभ नहीं मिलेगा। नई टैक्स व्यवस्था चुनने वाले अधिकांश करदाताओं को धारा 80सी की कटौती का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि आप किस टैक्स व्यवस्था के तहत रिटर्न दाखिल कर रहे हैं और पुरानी व्यवस्था में 80सी की कितनी सीमा पहले ही इस्तेमाल हो चुकी है। टैक्स बचत की गणना किए बिना केवल फंड की लोकप्रियता देखकर निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है।



3 वर्ष का लॉक-इन, लेकिन मुनाफे की गारंटी नहीं

ईएलएसएस फंड में प्रत्येक निवेश की राशि पर तीन साल का लॉक-इन लागू होता है। यानी जिस तारीख को निवेश किया गया है, उस निवेश की यूनिट तीन साल पूरे होने से पहले नहीं निकाली जा सकती। एसआईपी के जरिये निवेश करने वालों को यह बात विशेष रूप से समझनी चाहिए। हर किस्त का लॉक-इन अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए, जनवरी में लगाई गई किस्त तीन साल बाद जनवरी में निकासी के योग्य होगी, जबकि फरवरी की किस्त का लॉक-इन अगले महीने पूरा होगा। पीपीएफ में निवेश की अवधि 15 साल और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) में पांच साल होती है। इसकी तुलना में ईएलएसएस का तीन साल का लॉक-इन कम है। यही वजह है कि टैक्स बचाने के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहने वाले लोगों के बीच यह लोकप्रिय विकल्प है। लेकिन तीन साल बाद पैसा निकालने की सुविधा का अर्थ यह नहीं है कि तीन साल में अच्छा रिटर्न मिलना तय है।

शेयर बाजार का जोखिम समझना जरूरी : ईएलएसएस एक इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड श्रेणी है। इसमें निवेश की गई राशि का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में लगाया जाता है। बाजार में तेजी आने पर फंड का मूल्य बढ़ सकता है, लेकिन गिरावट के समय निवेश की कीमत घटने का जोखिम भी रहता है। इसलिए इसे निश्चित ब्याज देने वाली बैंक एफडी या छोटी बचत योजनाओं के समान नहीं समझना चाहिए। यदि किसी निवेशक को अगले दो-तीन साल में घर खरीदना है, बच्चों की फीस चुकानी है या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए रकम चाहिए तो केवल टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस में निवेश करना उचित नहीं होगा। इस फंड को कम से कम पांच से सात साल या उससे अधिक की निवेश अवधि को ध्यान में रखकर देखना बेहतर है।

नवंबर 2026 के लिए छह ईएलएसएस फंडों पर नजर

- केनरा रोबेको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- मिराए एसेट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- इनवेस्को इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

फंड चुनते समय किन बातों की करें जांच

ईएलएसएस फंड चुनते समय केवल पिछले एक या तीन साल का रिटर्न देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी जांचना चाहिए कि अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया है। क्या उसने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है? बाजार में गिरावट के दौरान उसमें कितनी कमी आई? जोखिम के अनुपात में कितना अतिरिक्त रिटर्न मिला? इन सवालों के जवाब निवेश का फैसला लेने में मदद कर सकते हैं। फंड के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए रोलिंग रिटर्न, प्रदर्शन की निरंतरता और गिरावट के दौरान हुए नुकसान जैसे पैमानों को देखना उपयोगी है। अंततः ईएलएसएस में निवेश का फैसला केवल टैक्स बचत के आधार पर नहीं होना चाहिए। पहले अपनी टैक्स व्यवस्था और 80सी की उपलब्ध सीमा देखें। फिर निवेश की अवधि, बाजार जोखिम और जरूरत के समय पैसे की उपलब्धता पर विचार करें। टैक्स बचत के साथ संपत्ति बनाने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब निवेश सही योजना, पर्याप्त अवधि और जोखिम को समझकर किया जाए।



कर्ज चुकाने में आगे, फिर भी महिला उद्यमियों को ऋण मिलने में बाधाएं

- महिलाओं के कारोबार ऋण में 2017 से 7.5 गुना वृद्धि
- कर्ज चुकाने का रिकॉर्ड भी बेहतर; इसके बावजूद केवल 4% महिला कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट सुविधा
- संपत्ति के दस्तावेज व डिजिटल पहुंच की कमी रुकावट

कर्ज-असमानता
बिजनेस डेस्क

महिलाएं कारोबार शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने में लगातार अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। ऋण लेने के बाद उसे समय पर चुकाने के मामले में भी उनका रिकॉर्ड बेहतर है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को कारोबार के विस्तार के लिए पर्याप्त कर्ज नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल महिलाओं की आर्थिक क्षमता या ऋण चुकाने की योग्यता की नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था और कर्ज आकलन की प्रक्रिया में मौजूद संरचनात्मक बाधाओं की भी है। नीति आयोग और ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल संस्थागत ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। महिला कारोबारियों का ऋण पोर्टफोलियो 2017 के मुकाबले 7.5 गुना बढ़ा है। इसके बावजूद कारोबार के नाम पर ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या सीमित बनी हुई है।

बेहतर भुगतान का रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में ऋण लेने वाली महिलाओं के ऐसे कर्ज की चूक दर, जिनकी किस्त 90 दिन या उससे अधिक समय से बकाया थी, कुल औसत चूक दर की तुलना में केवल 0.7 गुना रही। इसका अर्थ है कि महिला कर्जदारों का भुगतान रिकॉर्ड तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को बड़े ऋण और कारोबार चलाने के लिए जरूरी कार्यशील पूंजी हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई महिलाएं अपने कारोबार के लिए व्यक्तिगत ऋण, सूक्ष्म वित्त और मुद्रा योजना पर निर्भर हैं। इनसे छोटे स्तर पर कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है, लेकिन कारोबार का विस्तार करने के लिए अधिक राशि, लचीली ऋण सुविधा और नियमित कार्यशील पूंजी की जरूरत होती है। यहां महिलाओं की पहुंच सीमित दिखाई देती है। इस अंतर का एक उदाहरण ओवरड्राफ्ट सुविधा है। अप्रैल 2026 तक केवल लगभग 4 प्रतिशत महिला स्वामित्व वाली कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट की सुविधा थी, जबकि सभी कारोबारों में यह अनुपात करीब 40 प्रतिशत था।

संपत्ति और दस्तावेजों की कमी बन रही बाधा

बैंक आमतौर पर ऋण देने से पहले संपत्ति, आय, वित्तीय रिकॉर्ड और कारोबार की स्थिति का आकलन करते हैं। महिलाओं के मामले में इन मानकों पर कई व्यावहारिक मुश्किलें सामने आती हैं। परिवार की संपत्ति अक्सर पुरुष सदस्यों के नाम पर होती है। ऐसे में महिला उद्यमी के पास कारोबार के लिए गिरवी रखने योग्य संपत्ति नहीं होती। इसके अलावा कई महिला संचालित कारोबार अनौपचारिक रूप से चलते हैं, जहां नियमित लेखा-जोखा, ऑडिट और आय से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते।

डिजिटल रिकॉर्ड से खुल सकते हैं नए रास्ते

अब ऋण देने की प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय रिकॉर्ड की भूमिका बढ़ रही है। मार्च 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने के लिए डिजिटल आकलन की व्यवस्था शुरू की गई। इसमें वस्तु एवं सेवा कर रिटर्न, आयकर रिटर्न और बैंक विवरण जैसे आंकड़ों के आधार पर कारोबार की वित्तीय स्थिति समझने में मदद मिलती है। इससे पारंपरिक संपत्ति आधारित आकलन के विकल्प तैयार हो सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी संस्थाएं भी आंकड़ों पर आधारित ऋण आकलन को बढ़ावा दे रही हैं। किनारा कैपिटल की 'हर विकास' जैसी पहल इसी दिशा में काम कर रही है। हालांकि, डिजिटल व्यवस्था अपने आप में सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋणों की संख्या के लिहाज से महिलाओं को केवल 19.8 प्रतिशत ऋण मिले, जबकि कुल संस्थागत ऋण में उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है।

मोबाइल इंटरनेट की कमी भी बन रही चुनौती

डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के लिए मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी है। जीएसएमए के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 75 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन हैं, जबकि पुरुषों में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल 37 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। स्मार्टफोन, डिजिटल भुगतान और बैंकिंग सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण महिलाओं के वित्तीय लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड भी अधूरा रह जाता है। ऐसे में बैंक और ऋण देने वाली संस्थाएं यदि केवल डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर कर्ज की पात्रता तय करती हैं तो महिलाओं के सामने नई बाधा खड़ी हो सकती है। इसके लिए ऋण आवेदन, वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को सरल बनाना होगा।

कर्ज के साथ कारोबार पर नियंत्रण भी जरूरी

महिला उद्यमियों के वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल उनके नाम पर ऋण स्वीकृत करना नहीं है। कई बार कर्ज महिला के नाम पर लिया जाता है, लेकिन उसका इस्तेमाल और कारोबार से जुड़े फैसले परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं। ऐसी स्थिति में ऋण चुकाने की जिम्मेदारी महिला पर रहती है, जबकि धन के इस्तेमाल पर उसका वास्तविक नियंत्रण नहीं होता। इसलिए बैंकों, सरकार और वित्तीय संस्थाओं को महिला उद्यमियों के नाम पर अलग कारोबारी बैंक खाते, व्यक्तिगत यूपीआई पहचान और नियमित वित्तीय रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। संयुक्त संपत्ति के दस्तावेजों को भी पात्र परिस्थितियों में गिरवी के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा सकता है।

अगले साल के लिए नजर रखें इन फ्लेक्सी कैप फंड पर



- बाजार की अनिश्चितता के बीच बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश की आजादी
- तीन साल के प्रदर्शन, जोखिम और रिटर्न के आधार पर तीन योजनाएं चर्चा में

सुझाव
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करते समय केवल तेजी दिखाने वाले शेयरों या फंड के पीछे भागना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बाजार में ऊंचे मूल्यांकन, अलग-अलग कंपनियों और क्षेत्रों के प्रदर्शन में अंतर, वैश्विक अनिश्चितताएं और उतार-चढ़ाव निवेशकों के सामने चुनौती बने हुए हैं। ऐसे माहौल में निवेश का विविधीकरण महत्वपूर्ण हो जाता है। म्यूचुअल फंड की फ्लेक्सी कैप श्रेणी इसी जरूरत को पूरा करने का विकल्प देती है। फ्लेक्सी कैप फंड को बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश करने की स्वतंत्रता होती है। फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों, कंपनियों के मूल्यांकन और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार इन तीनों श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे किसी एक बाजार श्रेणी पर निर्भरता कम करने और अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर तलाशने की गुंजाइश मिलती है। इक्विटीमास्टर की 7 नवंबर 2026 की रिपोर्ट में तीन ऐसे फ्लेक्सी कैप फंड का उल्लेख किया गया है, जिन्हें 2027 के लिए निगरानी सूची में रखा जा सकता है।

1. व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 2022 में शुरू हुआ व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन तीन साल के प्रदर्शन में इसने अपनी श्रेणी और बेंचमार्क से बेहतर रिटर्न दिया है। फंड का निवेश दृष्टिकोण कंपनियों के चयन पर आधारित है। यह किसी एक क्षेत्र या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग उद्योगों और बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करता है। पिछले तीन वर्षों में फंड ने 14.36 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इस अवधि में श्रेणी का औसत रिटर्न 12.39 प्रतिशत था। जोखिम के लिहाज से भी इसके आंकड़े उल्लेखनीय हैं। फंड का मानक विचलन 13.83 रहा, जबकि श्रेणी का औसत 14.39 था। शार्प अनुपात 0.18 और सॉर्टिनो अनुपात 0.33 रहा। दोनों आंकड़े श्रेणी के औसत से बेहतर हैं। सितंबर 2026 तक इस फंड का प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति आकार (एयूएम) करीब 9,300 करोड़ रुपये था। फंड के पोर्टफोलियो में 155 शेयर शामिल थे। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में थे। इसका लगभग 50-54 प्रतिशत निवेश बड़े शेयरों में, 6-9 प्रतिशत मझोली कंपनियों में और 22-29 प्रतिशत छोटी कंपनियों में रहा। इसका पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहता है।

2. आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 1998 में शुरू हुआ आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड इस श्रेणी की पुरानी योजनाओं में शामिल है। पहले यह आदित्य बिड़ला एसएल इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। यह मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों में निवेश करता है, लेकिन बेहतर विकास संभावनाओं के लिए मझोली और छोटी कंपनियों में भी हिस्सेदारी रखता है। इसकी निवेश रणनीति ऐसी कंपनियों की पहचान पर केंद्रित है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही हो, लाभ मार्जिन में सुधार हो रहा हो और पूंजी के इस्तेमाल की क्षमता बेहतर हो। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने 15.48 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत और श्रेणी का औसत 12.39 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 13.17 था, जो बेंचमार्क और श्रेणी औसत से कम है। शार्प अनुपात 0.20 और सॉर्टिनो अनुपात 0.38 रहा। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 28,000 करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में लगभग 85 शेयर थे। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। फंड का कारोबार अनुपात 20-30 प्रतिशत के आसपास रहा, जो अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने की रणनीति को दर्शाता है। पिछले एक साल में इसका 55-67 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा।



3. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की पुरानी योजनाओं में से एक है। इसकी शुरुआत जनवरी 1995 में एचडीएफसी इक्विटी फंड के नाम से हुई थी। यह फंड बाजार मूल्यांकन और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदलता है, हालांकि इसका झुकाव आमतौर पर बड़ी कंपनियों की ओर रहता है। फंड की रणनीति मजबूत कारोबारी आधार और लंबी अवधि में विकास की संभावना वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इसने 16.19 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 12.37 था, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। शार्प अनुपात 0.22 और सॉर्टिनो अनुपात 0.40 रहा। ये आंकड़े इसकी जोखिम-समायोजित प्रदर्शन क्षमता को दर्शाते हैं। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में आमतौर पर 45-55 शेयर रहते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। इसका करीब 70-75 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश का बड़ा फायदा यह है कि फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश बदल सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद योग विश्वविद्यालय बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

योग विश्व कल्याण का सशक्त माध्यम, सदियों से योग हमारे जीवन का अभिन्न अंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि योग आज विश्व में भारत की विशिष्ट पहचान बन चुका है। योग ने पूरी दुनिया को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ व्यक्तित्व विकास तथा आत्मिक शांति का मार्ग दिखाया है। योग सदियों से हमारी भारतीय जीवन पद्धति का आधार और अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि योग पूरी काया की विश्रांति है। यह सिर्फ़ एक व्यायाम ही नहीं, शरीर, मन और आत्मा को जोड़कर जीवन को संतुलित एवं निरोगी बनाने की पद्धति है।

विश्वविद्यालय के संचालकों को मप्र में अपना यूनिवर्सिटी कैम्पस खोलने का दिया प्रस्ताव



बेंगलुरु में मुख्यमंत्री को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित।

योग परम्परा को विश्व के प्रत्येक घर तक पहुंचाना है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. एचआर नागेंद्र और उनके सभी सहयोगियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि इन्होंने अपने सामूहिक प्रयासों से योग के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और जनसेवा को एक साथ आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भारत की योग परम्परा को विश्व के प्रत्येक घर तक पहुंचाना है, यही हमारा संकल्प होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद योग विवि ने योग के वैज्ञानिक अध्ययन, अनुसंधान और वैश्विक प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सम्पूर्ण जीवन योग और मानवता की सेवा में समर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पद्मश्री डॉ. एचआर नागेंद्र जैसे महान वैज्ञानिक और ऋषि-तुल्य व्यक्तित्व ने नासा जैसी प्रतिष्ठित संस्था का त्याग कर अपना सम्पूर्ण जीवन योग और मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी दूरदर्शिता ने प्राचीन भारतीय योग विद्या को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर प्रमाणित कर विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। चिकित्सा विज्ञान और योग चिकित्सा के समन्वय में डॉ. आर. नागरत्ना तथा उनके सहयोगी मनीषियों का योगदान है।

आध्यात्मिक चेतना का भी केंद्र बनाने के लिए संकल्पित

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार मप्र को विकास के साथ-साथ संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का भी केंद्र बनाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं चाहते हैं कि मप्र और प्रशांति कुटीरम के बीच योग, प्राकृतिक चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खुलें। युवाओं को योग का वैज्ञानिक प्रशिक्षण मिले।

पांच दशकों की तपस्या का अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर केवल एक संस्थान के 50 वर्ष पूरे होने का उत्सव ही नहीं है, यह भारतीय ज्ञान परम्परा, योग साधना, आध्यात्मिक चेतना और मानव कलयाण के लिए समर्पित पांच दशकों की तपस्या का अभिनंदन है। प्रशांति कुटीरम ने योग को आध्यात्मिक अभ्यास से इतर आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा अनुसंधान से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है।

स्वच्छता कर्मियों के परिश्रम के परिणाम स्वरूप ही मध्यप्रदेश को मिली उपलब्धि

संगमरमर की नगरी जबलपुर अब देश में स्वच्छता के लिए भी पहचानी जाएगी: सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- *हमारे देवी-देवता भी समाज को स्वच्छता के लिए करते हैं प्रेरित*
- *दूसरा स्वच्छ शहर बनाने में जनप्रतिनिधियों का भी रहा सहयोग*
- *दूसरा स्थान मिलने पर स्वच्छता कर्मियों को किया सम्मानित*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संगमरमर की नगरी जबलपुर अब देश में स्वच्छता के लिए भी पहचानी जाएगी। जबलपुर से दूसरे शहरों को भी स्वच्छता की सीख मिलेगी। स्वच्छताकर्मियों के परिश्रम के परिणामस्वरूप ही मप्र को यह उपलब्धि मिली है। सनातन संस्कृति में दीपावली से पहले स्वच्छता को विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि जबलपुर के सभी भाई-बहनों और सफाई मित्रों को बधाई देता हूं। जबलपुर को देश का दूसरा स्वच्छ शहर बनाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को जबलपुर के मानस भवन में सफाई मित्र सम्मान समारोह में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सम्मिलित सफाई मित्रों पर पुष्प-वर्षा कर अभिनंदन किया। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों के प्रयासों को स्वच्छ और सुंदर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण बताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के मानस भवन में सफ़ाई कर्मियों के सम्मान समारोह को संबोधित किया।

महाकौशल के विकास के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर पर मां नर्मदा की विशेष कृपा है। राज्य सरकार ने जबलपुर-भोपाल-इंदौर इकोनॉमिक कॉरिडोर की योजना बनाई है। आरजीपीवी के तीन हिस्सों में एक विश्वविद्यालय जबलपुर में भी स्थापित होने वाला है। महाकौशल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। आने वाला समय जबलपुर का होगा, कई बड़ी सौगातें महाकौशल क्षेत्र को मिलेंगी। जबलपुर सहित मप्र के सभी शहर आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर को धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती है। सरकार जनजातीय नायकों को पूरा सम्मान प्रदान करते हुए कार्यक्रमों की रचना कर रही है। जनजातीय नायक बिरसा मुंडा के जयंती सप्ताह की प्रदेश में आज से शुरुआत हो रही है। वीरांगना रानी दुर्गावती और राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह की नगरी जबलपुर में पहला कार्यक्रम हो रहा है।

जबलपुर को स्वच्छता के लिए देश में दूसरा स्थान मिला

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में जबलपुर को स्वच्छता के लिए देश में दूसरा स्थान मिला है। कोरोना के समय में सफाई मित्रों ने सैनिकों के समान कार्य किया। हमारे स्वच्छता सेनानियों की बदौलत ही जबलपुर और ग्वालियर को पुरस्कार मिले और प्रदेशवासी गौरवान्वित हुए हैं।

सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए नमस्ते योजना की शुरुआत की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर ने स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रत्येक पैरामीटर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। जबलपुर नगर निगम को 182 सीएनजी व्हीकल मिलेंगे। गार्बेज कलेक्शन स्टेशन और इंटीग्रेडेट सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के लिए 75 करोड़ रुपए की राशि राज्य और केंद्र सरकार की ओर से दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत का संकल्प लिया है। उन्होंने देशभर में स्वच्छता के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की शुरुआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए नमस्ते योजना की शुरुआत की है, जिसमें सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सफाईकर्मियों को भी आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने सभी सफाईकर्मियों से अपने आयुष्मान कार्ड बनवाने का आह्वान भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने स्वच्छता संरक्षण के बाद स्वच्छ शहर घोषित किए।

स्व. कैलाश सारंग की पुण्यतिथि और स्व. प्रसून सारंग की जयंती पर किया बुजुर्गों का सम्मान

मंत्री विश्वास ने बुजुर्गों के चरण पखारकर भक्तिभाव से मनाया मातृ-पितृ भक्ति दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बुजुर्गों की सेवा करना केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और संस्कारों की पहचान

पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि और स्व. प्रसून सारंग की जयंती पर शनिवार को मातृ-पितृ भक्ति दिवस मनाया गया। इस मौके पर प्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुजुर्गों के चरण पखारकर उनका सम्मान किया। नरेला विधानसभा के सभी वार्डों में भी बुजुर्गों के सम्मान और जरूरतमंदों की सेवा के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंत्री सारंग ने कहा कि समाज का प्रत्येक बुजुर्ग हमारे लिए माता-पिता के समान है। उनका सम्मान और सेवा करना केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और संस्कारों की पहचान है। उन्होंने कहा कि स्व. कैलाश सारंग ने जीवनभर सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता दी। उनकी पुण्यतिथि और स्व. प्रसून सारंग की जयंती पर यह आयोजन इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास है। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से भी देशभर में मातृ-पितृ भक्ति दिवस पर सेवा और सम्मान के कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाज के लोगों ने बुजुर्गों का सम्मान करने के साथ जरूरतमंदों की मदद की।



बुजुर्गों के चरण पखारते मंत्री सारंग।

जरूरतमंदों को बांटे कंबल, पिलाया शरबत

मातृ-पितृ भक्ति दिवस पर नरेला विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में बुजुर्गों का सम्मान किया गया। इस दौरान मंत्री सारंग ने राहगीरों को शरबत वितरित किया। वहीं जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर और कंबल वितरण सहित कई सेवा गतिविधियां आयोजित की गई। आयोजनों में बुजुर्गों से आशीर्वाद लेकर नई पीढ़ी को उनके सम्मान और सेवा का संदेश दिया गया।

सोशल मीडिया पर भी अभियान की चर्चा

मातृ-पितृ भक्ति दिवस को लेकर सोशल मीडिया पर भी लोगों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। बुजुर्गों के सम्मान और सेवा से जुड़ी तस्वीरें और संदेश साझा किए गए। इस दौरान #सारंग_मातृ_पितृ_भक्ति_दिवस हैशटैग सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहा।

250 बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किए शोध

वैज्ञानिक चिंतन ही विकसित भारत का आधारः प्रो. डहेरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत संचालित 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेसः2026 का शनिवार को भोपाल जिला स्तरीय आयोजन मिलेनियम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, नीलबड़, भोपाल में साइंस सेंटर, मप्र के समन्वय में सम्पन्न हुआ।

इसमें भोपाल के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के करीब 250 बाल वैज्ञानिकों ने स्थानीय समस्याओं पर आधारित अपने लघु शोध पत्र एवं नवाचारी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. खेम सिंह डहेरिया, अध्यक्ष, मप्र निजी विवि विनियामक आयोग रहे। अध्यक्षता इंजी. विनोद यादव, चेयरमैन, मिलेनियम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने की।



नवाचार को प्रोत्साहित करना चाहिए

अध्यक्षीय उद्बोधन में इंजी. विनोद यादव ने कहा कि विज्ञान एवं तकनीक की सार्थकता समाज और पर्यावरण की समस्याओं के समाधान में है। शिक्षण संस्थानों को बच्चों की रचनात्मकता, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रवीण तामोट ने कहा कि स्थानीय समस्याओं की पहचान, सर्वेक्षण, प्रयोग, आंकड़ों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया बच्चों में वैज्ञानिक सोच और आत्मविश्वास विकसित करती है।

बाल दिवस पर सजा बाल मेला

नन्हें उद्यमियों ने सीखे कारोबारी गुर, लगाए फूड और गेम्स स्टॉल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित महात्मा गांधी शासकीय सांदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरखेड़ा में बाल दिवस के अवसर पर बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने फूड स्टॉल और गेम्स स्टॉल लगाए।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के मनोरंजन के साथ-साथ उनमें उद्यमिता कौशल का विकास करना था। स्टॉल संचालित करते हुए विद्यार्थियों ने फूड एंड हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशलों को व्यावहारिक रूप से सीखा। मेले का आयोजन कक्षा 3 से 8 तथा कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए दो पालियों में किया गया।

व्यंजनों और खेलों का भरपूर आनंद उठाया

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सुधाकर पाराशर, उप प्राचार्य पी. विजय कुमार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से इक्कीसवीं सदी के कौशलों, जैसे रचनात्मकता, प्लानिंग, उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग, टीम वर्क, निर्णय लेने और जोखिम उठाने की क्षमता की उपयोगिता पर चर्चा की। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन में भाग लिया और व्यंजनों तथा खेलों का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम का समापन रेखा पाटीदार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

आयुक्त ने निरीक्षण कर जताई नाराजगी

आदमपुर खंती में कचरा निष्पादन की धीमी गति, एजेंसी पर पेनाल्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आदमपुर खंती में कचरे के निष्पादन की धीमी रफ्तार पर नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने सख्ती दिखाई है। शनिवार को खंती का निरीक्षण करने पहुंचे आयुक्त ने काम में लापरवाही और आरडीएफ (रिफ्यूज डेराइव्ड फ्यूल) के निपटान में देरी पर संबंधित एजेंसी सौराष्ट्र पर 3 लाख 20 हजार रुपए की पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही एजेंसी को फरवरी 2027 के अंत तक कचरे का निष्पादन पूरा करने की समय-सीमा दी है।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पिछले सप्ताह दिए गए निर्देशों के पालन की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कचरे से निकलने वाले आरडीएफ के निपटान में अब देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



रोटो स्क्रीन शामिल

एजेंसी के प्रतिनिधियों ने बताया कि कचरे के जल्द निष्पादन के लिए दो अतिरिक्त प्रोसेसिंग मशीनें लगाई गई हैं। इनमें मल्टी डेक प्रोसेसिंग मशीन और रोटो स्क्रीन शामिल हैं। इन मशीनों के लगने से कचरा प्रोसेसिंग की क्षमता में करीब 80 प्रतिशत बढ़ोतरी का दावा किया गया है। अब खंती में पांच मशीनों से कचरे का निष्पादन किया जाएगा। आयुक्त ने निर्देश दिए कि मशीनों की क्षमता का पूरा उपयोग कर निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा किया जाए।

अवैध निर्माणों पर होगी कार्रवाई

भवन अनुज्ञा के लंबित प्रकरण 10 दिन में निपटाएंः आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का 10 दिन के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कंसलटेंट से चर्चा के बाद जो प्रकरण नियमों के अनुसार निराकरण योग्य नहीं हैं, उन्हें निरस्त किया जाए।

वहीं, भवन अनुज्ञा के विपरीत और बिना अनुमति किए जा रहे निर्माणों को तत्काल रोकने की कार्रवाई की जाए। निगम आयुक्त ने शनिवार को निगम मुख्यालय स्थित अटल भवन में भवन अनुज्ञा शाखा के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लंबित भवन अनुज्ञा प्रकरणों, प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी ली।

समयसीमा में किया जाए निराकरण

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित मामलों को अनावश्यक रूप से नहीं टाला जाए और तय समय सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त अहिरवार ने नियमों का उल्लंघन कर किए जा रहे निर्माणों पर कार्रवाई के लिए विशेष टीम गठित करने को कहा। साथ ही ऐसे निर्माणों को जारी किए गए नोटिसों की जानकारी प्रस्तुत करने और मौके पर तत्काल निर्माण कार्य रुकवाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि समय पर कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

नेहरू को नमन और कमलनाथ के जन्मदिन का कटा केक, पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं का लगा जमावड़ा

नकुलनाथ का सियासी 'दीपोत्सव': पटवारी की मौजूदगी से गुटबाजी पर लगा विराम



पूर्व सांसद नकुलनाथ ने आयोजित किया दीवाली मिलन समारोह।

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र एवं छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुलनाथ द्वारा शनिवार 14 नवंबर को राजधानी भोपाल में भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। श्यामला हिल्स स्थित कमलनाथ के सरकारी आवास पर हुए इस आयोजन में प्रदेशभर से आए कांग्रेस विधायकों, पूर्व मंत्रियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला। कमलनाथ की गैरमौजूदगी में पहली बार इतने बड़े आयोजन की पूरी कमान नकुलनाथ ने संभाली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की मौजूदगी ने गुटबाजी की अटकलों पर विराम लगाने का काम किया।



प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी अध्यक्ष पटवारी के साथ नकुलनाथ ने किया सोनिया गांधी की पुस्तक का अनावरण।

कमलनाथ का 18 को बर्थडे

कार्यक्रम की शुरुआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर उन्हें याद करते हुए हुई। नकुलनाथ और जीतू पटवारी ने रोशनपुरा चौराहा पहुंचकर नेहरू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात श्यामला हिल्स स्थित बंगले पर दीपावली मिलन के साथ ही 18 नवंबर को आने वाले कमलनाथ के 80वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में कार्यकर्ताओं के बीच केक काटकर खुशियां मनाई गईं।

कोई शक्ति प्रदर्शन नहीं, अपनों से मिलन कार्यक्रम

समारोह को शक्ति प्रदर्शन बताए जाने की अटकलों को खारिज करते हुए नकुलनाथ ने कहा, 'यह कोई शक्ति प्रदर्शन नहीं है, बल्कि पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि देने और कांग्रेस के अपने साथियों से दीपावली पर मिलन का कार्यक्रम है। कांग्रेस में हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में शामिल जीतू पटवारी ने गुटबाजी की खबरों पर विराम लगाते हुए कहा, 'नकुलनाथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद और मेरे भाई हैं। कार्यकर्ताओं के बीच उनका पूरा सम्मान है और मैं प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उनके सम्मान को बढ़ाने के लिए पूरी क्षमता से काम करूंगा। कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है।' इसके साथ ही पटवारी ने प्रदेश की भाजपा सरकार को कर्ज, करप्शन और क्राइम के मुद्दे पर घेरा। कार्यक्रम से पहले लगे पोस्टरों से दिग्गज नेताओं की तस्वीरें गायब होने पर उठे विवाद पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने इसे एक कार्यकर्ता की नासमझी बताते हुए पार्टी में किसी भी तरह की फूट से इनकार किया।



साबुन के बुलबुलों से लेकर शनि के छल्लों तक, विज्ञान ने बच्चों को किया रोमांचित

बाल दिवस के मौके पर साइंस सेंटर में विज्ञान और रोमांच से भरपूर गतिविधियों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बाल दिवस के अवसर पर आंचलिक विज्ञान केंद्र में बच्चों के लिए विज्ञान और रोमांच से भरपूर विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशाल साबुन के बुलबुलों का विशेष प्रदर्शन रहा। खुले परिसर में आयोजित इस प्रदर्शन में विभिन्न आकारों के विशाल एवं रंग-बिरंगे साबुन के बुलबुलों ने बच्चों को खूब आकर्षित किया।





तरल नाइट्रोजन पर आधारित विज्ञान प्रयोग

दूसरी गतिविधि में तरल नाइट्रोजन पर आधारित विशेष विज्ञान प्रदर्शन में अत्यंत कम तापमान का उपयोग करते हुए तरल नाइट्रोजन के विभिन्न रोचक प्रयोग प्रस्तुत किए। बच्चों ने इन प्रयोगों के माध्यम से जाना कि अत्यधिक कम तापमान पर विभिन्न पदार्थों के गुण एवं व्यवहार किस प्रकार बदल जाते हैं।

शाम को हुआ विशेष दूरबीन अवलोकन सत्र

शाम की बेला में आकाशीय पिंडों का विशेष दूरबीन अवलोकन आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों ने उन्नत दूरबीनों की सहायता से चंद्रमा एवं शनि ग्रह का अवलोकन किया।





कोई बना गांधी तो कोई चाचा नेहरु महापुरुषों के किरदारों में दिखे नौनिहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गांधी भवन में सजा 'बाल उत्सव-2026', 500 विद्यार्थियों ने दिखाई अपने भीतर छिपी प्रतिभा

किसी ने गांधी जी का रूप धरा तो कोई चाचा नेहरू, सुभाषचंद्र बोस और बाल गंगाधर तिलक बनकर मंच पर उतरा। महापुरुषों के संवादों और प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। मौका था गांधी भवन में आयोजित 'बाल उत्सव-2026' का। इस उत्सव में शहर के सात विद्यालयों के करीब 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



रंगोली, भाषण, पत्र लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताएं हुई



कार्यक्रम में रंगोली, भाषण, पत्र लेखन, चित्रकला, क्विज और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पना के रंगों से स्वप्नों को उड़ान दी। कार्यक्रम में ओपन माइक में बच्चों ने गीत, कहानियों और संगीत के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई, वहीं दूसरी ओर कठपुतली प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। पत्र लेखन में बच्चों ने चाचा नेहरू को पत्र लिखकर अपनी जिज्ञासाएं और समस्याएं साझा कीं।



खेलकूद गतिविधियों संग फूड स्टॉल रहे खास

इतना ही नहीं उत्सव में फूड स्टॉल, हस्तशिल्प, कला, साहित्य, संगीत और खेलकूद की गतिविधियों ने भी बच्चों का बेहतरीन मनोरंजन किया। जहां बच्चों ने पानीपुरी, पेटिस, भेल और हस्तनिर्मित चॉकलेट के स्टॉल लगाकर अपनी उद्यमशीलता का परिचय दिया। आयोजन में साहित्यकार महेश सक्सेना, राजेश जोशी, राजेश बादल, राकेश दीवान सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

'पिता नाट्य समारोह' में समकालीन मुद्दे को किया रंगमंच पर जीवंत

विकास की दौड़ में उजड़ते सपनों की कहानी है 'सड़क के उस पार से'

आम आदमी की पीड़ा को केंद्र में रखकर किया नाटक का मंचन



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहरों को महानगरों में बदलने की विकास प्रक्रिया जहां आधुनिक सुविधाओं और बेहतर भविष्य के सपने दिखाती है, वहीं इसके बीच कुछ लोगों के वर्तमान और जीवनभर की पूंजी भी उजड़ जाती है। इसी विडंबना और आम आदमी की पीड़ा को केंद्र में रखकर शनिवार शाम अध्ययन भवन में पिता नाट्य समारोह के अंतर्गत नाटक 'सड़क के उस पार से' का मंचन किया गया। एमपीएसडी भोपाल की थिएटर लैब की प्रस्तुति का निर्देशन कशफ खान ने किया।



कथासार

नाटक में विकास और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के बीच एक गरीब खेतिहर मजदूर जगेसर के टूटते सपनों की मार्मिक कहानी को प्रस्तुत किया गया। जगेसर गांव में बनिहारी कर अपना जीवन गुजारता है। जब उसे पता चलता है कि गांव की कच्ची सड़क पक्की होकर शहर के मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली है और यहां बसों का आवागमन शुरू होगा, तो वह बेहतर भविष्य की उम्मीद में सड़क किनारे बनी अपनी झोपड़ी को दुकान में बदल देता है। हालांकि, सरकारी नियमों के चलते उसकी दुकान को तोड़ दिया जाता है, जिससे वो पूरी तरह टूट जाता है।

खबर संक्षेप

'स्वरलता' की संगीतमय शाम में गायिका आकृति मेहरा देंगी प्रस्तुति

भोपाल। भारत रत्न लता मंगेशकर की स्मृति में 15 नवंबर को शाम 6 बजे रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में 'स्वरलता' संगीत कार्यक्रम आयोजित होगा।



इसमें 30 सदस्यीय बैंड लता के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देगा। मुंबई से आए 8 वायलिन वादक भी आकर्षण का केंद्र होंगे। कार्यक्रम में मुख्य गायिका आकृति मेहरा के साथ वरिष्ठ गायिका कीर्ति सूद, वैभव तिवारी और मान्या कोरे सुरों की महफिल सजाएंगे। संगीत संयोजन केदार सिंह चौहान का है।

संभावना गतिविधि में बघेली गायन के साथ जनजातीय नृत्य आज

भोपाल। मप्र जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' गतिविधि में रविवार की शाम योगेश कुमार मिश्रा एवं साथी-रीवा द्वारा बघेली गायन, अभिलाश चौबे एवं साथी-सागर द्वारा जवारा नृत्य, सुकलसिंह धुर्वे एवं साथी-डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

कालिदास समारोह में होगी राष्ट्रीय नृत्य नाटिका प्रतियोगिता

भोपाल। 68वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह-2026 के अंतर्गत 26 नवंबर को उज्जैन में नृत्य-नाटिका प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 5 लाख, द्वितीय 3 लाख और तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपए दिया जाएगा। इच्छुक दल 20 नवंबर शाम 5 बजे तक अपनी प्रविष्टियां संस्था के ईमेल पर भेज सकते हैं। नियमावली अकादमी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।



नूतन कॉलेज में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शिवाजी नगर स्थित नूतन कॉलेज में शनिवार को जनजातीय गौरव दिवस महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिमा यादव की उपस्थिति में मनाया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ निशा जैन उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज एक ऐसा समाज है जिसने भारत के स्वाधीनता आंदोलन में अपनी अहम भूमिका निभाई है। स्वागत वक्तव्य में डा.महेंद्र पाटिल द्वारा बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष को विस्तार से छात्राओं के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। इसके बाद कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्पणा बादल द्वारा स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय आंदोलन पर संक्षेप में जानकारी दी।

डीजे, नृत्य और आभासी दुनिया का दिखा रोमांच

बच्चों ने मचाई धूम, पहली बार सजी 'किड्स रेव पार्टी'



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बाल दिवस पर बच्चों की खुशियों में उस समय संगीत और मस्ती के रंग घुल गए, जब शहर में पहली बार अनूठे अंदाज में 'किड्स रेव पार्टी' का आयोजन किया गया। इस विशेष समारोह में 200 से अधिक बच्चों ने अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों के साथ शिरकत की। इस उत्सव में संगीत, नृत्य, खेल और रोमांच का ऐसा संगम देखने को मिला कि बच्चे ही नहीं, बड़े भी मस्ती में शामिल हो गए। कार्यक्रम में बच्चों न वीआर आधारित रेसिंग, निशानेबाजी कर आभासी दुनिया का आनंद लिया। फनिवर्स के संस्थापक नवीन अग्रवाल एवं आशुतोष मंगल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बाल दिवस को एक नए और यादगार अंदाज में मनाना था।



रंगों में उकेरी कल्पनाएं, चेयर रेस में दिखा बच्चों का उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बाल दिवस पर जवाहर बाल भवन में बच्चों ने रंगों और खेलों के जरिए प्रतिभा दिखाई। बाल मेला विषय पर चित्रकला में 150 बच्चों ने कल्पना कैनवास पर उकेरी, वहीं चेयर रेस में भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में संचालक उषा सिंह सोलंकी, सहायक संचालक अंजू श्रीवास्तव ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।



बाल लैंगिक शोषण के खिलाफ जागरुकता वाहन रवाना



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बाल अधिकार सप्ताह के तहत बच्चों को लैंगिक शोषण से बचाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने 14 से 20 नवंबर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को शा. सांदीपनि स्कूल, बर्रई से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव हिमांशु कौशल ने जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा, बाल दिवस पर बच्चों को जागरूक करने की यह बेहतर पहल है। अभियान आवाज जनकल्याण समिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य हरीश वारिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एमवीएम के दीपावली मिलन में सजी गीत-संगीत की महफिल, पूर्व छात्र हुए शामिल

ए मेरी जोहरा जबीं... पर थिरके कदम, ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे... ने ताजा की पुरानी यादें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उम्र के पड़ाव बदल गए, बालों में सफेदी आ गई, लेकिन दोस्ती का जोश और कॉलेज के दिनों की मस्ती आज भी वैसी ही बरकरार है। मौका था एमवीएम के पूर्व विद्यार्थियों के दीपावली मिलन समारोह का। कॉलेज सभागार में सजी गीत-संगीत की महफिल में जब ए मेरी जोहरा जबीं... और यारा ओ यारा, इश्क ने मारा... जैसे सदाबहार नगमे गूंजे तो पूर्व विद्यार्थियों के कदम खुद-ब-खुद थिरकने लगे। वर्षों पुरानी यादें एक बार फिर जीवंत हो उठीं।





प्राध्यापकों की नकल उतार माहौल बनाया खुशनुमां

पूर्व छात्र राकेश रायजादा ने अपनी गायिकी से ऐसा समां बांधा कि साथी खुद को डांस करने से रोक नहीं सके। वहीं फिल्म शोले का गीत ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे गूंजा तो दोस्ती के पुराने किस्से भी याद आ गए। इस अवसर पर एक-दूसरे को वर्षों बाद देखकर किसी ने हाल-चाल पूछा तो किसी ने कॉलेज के दिनों के संस्मरण सुनाए। कुछ ने अपने समय के प्राध्यापकों की नकल उतारकर माहौल को और भी खुशनुमां बना दिया।

52वें उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह की दूसरी संध्या

चारुकेशी के सुरों से गूंजा मैहर, ओडिसी की भावपूर्ण प्रस्तुति ने मोह लिया मन



हरिभूमि न्यूज ⏭ मैहर

संतूर, मृदंग और बांसुरी के सुर जब एक साथ गूंजे तो पूरा वातावरण शास्त्रीय संगीत की मधुर लहरियों से सराबोर हो उठा। कहीं वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी ने ताल और लय का अनूठा संसार रचा तो कहीं ओड़िसी नृत्य की भावपूर्ण मुद्राओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुर, ताल और नृत्य की इसी त्रिवेणी से 52वें उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह की दूसरी संध्या यादगार बन गई।





'व्हिस्पर ऑफ रिदम' के वृंद वादन से हुआ आगाज

मैहर में आयोजित तीन दिवसीय समारोह की दूसरी संध्या का आगाज कोलकाता के प्रख्यात कलाकार पंडित प्रसन्नजीत पोद्दार के निर्देशन में 'व्हिस्पर ऑफ रिदम' के वृंद वादन से हुआ। पद्मश्री येल्लावेंकटेश्वर के मृदंग, पद्मश्री तरुण भट्टाचार्य के संतूर और पद्मश्री रोनू मजूमदार की बांसुरी ने मिलकर ऐसी सांगीतिक त्रिवेणी रची कि श्रोता सुरों की गहराइयों में खो गए।

ओडिसी की भाव-भंगिमाओं ने जीता दिल

संगीतमय संध्या में दिल्ली की डॉ. अतसी मिश्रा एवं उनके साथी कलाकारों ने ओड़िसी नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी। भाव, मुद्राओं और लयबद्ध पदसंचालन के माध्यम से उन्होंने नृत्य की शास्त्रीय गरिमा को मंच पर जीवंत कर दिया। वहीं जयपुर की विदुषी दिव्या शर्मा ने अपने सुमधुर शास्त्रीय गायन से संध्या को नई ऊंचाई दी।

बाल दिवस पर राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में किया गया आयोजन

राष्ट्रपति ने बच्चों से किया संवाद, उन्होंने बच्चों को पूरे उत्साह, लगन व दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित भी किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों से मुलाकात की और उनसे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को पूरे उत्साह, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की गई पोस्ट में बताया गया कि राष्ट्रपति ने बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को पूरी लगन, समर्पण और दृढ़ता के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।



प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, स्पीकर ने दी नेहरू को श्रद्धांजलि

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, नेहरू की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनके नेतृत्व ने देश पर अमिट छाप छोड़ी है।

सीएम विजय ने दी बच्चों को शुभकामनाएं

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों को अपनी क्षमताओं और प्रतिभा को पहचानने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। विजय ने एक्स पर साझा संदेश में पं. नेहरू को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

मसूरी के शिव प्रसाद को दिया तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार

उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है कि मसूरी के केम्पटी फॉल स्थित हिमालयन एडवेंचर इंस्टीट्यूट के संस्थापक-निदेशक शिव प्रसाद चमोली को देश के सर्वोच्च साहसिक सम्मान तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2024 (आजीवन उपलब्धि) से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति ने 13 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में समारोह में 84 वर्षीय चमोली को यह सम्मान प्रदान किया।



उनके नाम रिकॉर्ड कारनामे दर्ज

चमोली ने भारतीय पर्वतारोहण और रिवर राफ्टिंग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनके नेतृत्व में 1981 में ग्रेट हिमालयन ट्रैवर्स अभियान पूरा किया गया। कंचनजंगा से काराकोरम तक 5,000 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा करते हुए 265 दिनों में 106 हिमालयी दर्रे पार किए। यह विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज है। 1991 में उन्होंने भारत-जापान के संयुक्त ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग अभियान का नेतृत्व किया। करीब 1,100 किलोमीटर की नदी यात्रा पूरी की।

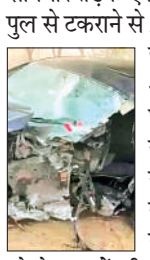
खबर संक्षेप

नवीन रायपुर में 'गौरव' कार्यक्रम में शामिल होंगे



रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल होंगे। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती पर कार्यक्रम में उन्हें याद किया जाएगा।

कार पुल से टकराई तीन लोगों की मौत



कैथल। हरियाणा के कैथल में शनिवार तड़के एक कार के नहर के पुल से टकराने से 3 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब कार सवार अपने गांव करोड़ा लौट रहे थे। मृतकों की पहचान नवदीप, प्रदीप और अजय के रूप में हुई है। घायलों की पहचान साहिल, अर्जुन और नरेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग काम कर लिया है।

तरनतारन में बसों की टक्कर, 4 की मौत



तरनतारन। जम्मू-कश्मीर-राजस्थान राष्ट्रीय मार्ग पर कस्बा नौशहरा पन्नूआं के पास मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा से संबंधित 2 बसों की बाइक को बचाते समय टक्कर हो गई। इस हादसे में करीब 4 यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। 18 यात्री घायल हुए। दोनों बसें फिरोजपुर से श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर के दर्शनों लिए यात्रियों को लेकर जा रही थीं।

तमिलनाडु में वस्तुओं का स्टॉक किया तय



चेन्नई। धान, चावल, अरहर दाल और उड़द दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं पर स्टॉक की सीमा तय कर दी है। यह नया आदेश लागू किया गया है। आयातित स्टॉक को सीमा शुल्क निकासी की तारीख से 45 दिन से अधिक रखने की अनुमति नहीं होगी। व्यापारियों और संबंधित इकाइयों को उपभोक्ता मामले विभाग के पोर्टल पर अपने स्टॉक की जानकारी दर्ज करनी होगी।

यमुना में मरी मछलियां मिली, एफआईआर दर्ज



नई दिल्ली। यमुनामें लाखों मरी हुई मछलियां मिलने के मामले में पुलिस स्टेशन वजीराबाद में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह शिकायत गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी ऑफ दिल्ली के इरिगेशन एंड फ्लड कंट्रोल डिपार्टमेंट ने दी है। पुलिस ने सुरेंद्र कुमार आजाद को गिरफ़्तार किया है। सुरेंद्र खुद को बीएसपी का कार्यकर्ता बताता है। सुरेंद्र ने वीडियो अपलोड किया था।

तेलंगाना के गिग वर्कर्स के लिए राहुल ने किए कई बड़े ऐलान

वाई फाई फ्री जोन, 10 लाख हेल्थ इंश्योरेंस हर ट्रांजैक्शन का 1% सीधे खाते में पहुंचेंगे

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम की शुरुआत की

ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाले डिलीवरी बॉय और दूसरे गिग वर्कर्स के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ी पहल की है। अब इन कर्मचारियों को दुर्घटना होने पर 5 लाख रुपए तक का बीमा और बीमारी के इलाज के लिए 10 लाख रुपए तक का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा। राज्य के हर शहर में इनके लिए वाई-फाई वाले आराम केंद्र भी बनाए जाएंगे। यहां डिलीवरी वर्कर्स अपना वाहन खड़ा कर सकेंगे और कुछ देर बैठकर आराम भी कर सकेंगे। इस योजना का ऐलान कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया। राहुल ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम की शुरुआत की। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भी थे।



5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा मिलेगा

राहुल ने कहा कि डिलीवरी का काम करने वाले लोग दिनभर सड़कों पर रहते हैं। तेलंगाना सरकार ने गिग वर्कर्स को 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा देने का ऐलान किया है।

आराम केंद्रों में बैठ सकेंगे डिलीवरी बॉय

राहुल ने कहा कि ये लोग शहरों में घंटों तक बाइक चलाते हैं और सामान पहुंचाते रहते हैं। उन्होंने ऐलान किया कि हर शहर में गिग वर्कर्स के लिए वाई-फाई वाले रेस्ट जोन बनाए जाएंगे।

मोबाइल पर दिखेगा कितनी कमाई हुई

राहुल ने इस योजना की एक और खास बात बताई। उन्होंने कहा कि अब गिग वर्कर्स को अपने काम का पूरा डेटा देखने का अधिकार मिलेगा। आज बड़ी-बड़ी कंपनियां डेटा के आधार पर काम कर रही हैं।

कर्मचारियों ने बताई थीं परेशानियां

राहुल ने कहा कि कुछ समय पहले उनकी मुलाकात तेलंगाना के गिग वर्कर्स से हुई थी। उस समय कर्मचारियों ने उन्हें अपनी परेशानियां बताई थीं। उन्होंने बताया था कि किस तरह दिनभर काम करने के बाद भी उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जमीन पर कब आएंगी, पता नहीं

योजना में 3 बड़ी सुविधाएं देने की बात कही गई है। उनके सामने बनी रहती हैं। यह योजना उनके लिए राहत भरी पहल साबित हो सकती है, लेकिन समय नहीं बताया है।

भाजपा का कांग्रेस के 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' पर पलटवार

राहुल के आरोप बचकाने और पूरी तरह से निराधार

नई दिल्ली। भाजपा और उसके प्रवक्ताओं ने राहुल गांधी के इन आरोपों को पूरी तरह खारिज और निराधार बताया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी निराधार और बचकानी बयानबाजी करते हैं और उनके बयानों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं होता। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री के कार्यकाल में तमिल भाषा और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु में कांग्रेस के प्रभाव पर सवाल उठाए हैं।



राहुल सम्मेलन में गुइल्युम लॉन्ग को बुलाने पर जवाब दें?

भाजपा ने सवाल किया कि उसने हैदराबाद में 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' में गुइल्युम लॉन्ग को क्यों आमंत्रित किया? भाजपा ने विपक्षी पार्टी पर यह भी आरोप लगाया कि वह ऐसे लोगों को मंच दे रही है, जो उन अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कों से जुड़े हैं जो भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना चाहते हैं। इक्वाडोर के पूर्व विदेश मंत्री गुइल्युम लॉन्ग को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' में वक्ताओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी का गुजरात दौरा

प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, देवी दर्शन किया

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी के साथ बैठक करने के बाद राज्य से रवाना हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक के दौरान मोदी ने धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, साबरमती आश्रम के पुनर्विकास और 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों सहित कई प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री शुक्रवार अहमदाबाद पहुंचे थे और लोक भवन गए। वहीं रात में विश्राम भी किया। शनिवार को बनासकांठा जिले के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर गए।



कर्नाटक दौरा: हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी, फंसा रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की कर्नाटक यात्रा के दौरान उनके काफिले में शामिल वायु सेना के एक हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण शुक्रवार को उसे ललित महल के पास जयाचमराजा वाडियार हेलीपैड पर ही रोकना पड़ा। प्रधानमंत्री के काफिले के लिए वायु सेना के तीन हेलिकॉप्टर मैसूर पहुंचे थे। तकनीकी खराबी वाला हेलिकॉप्टर हेलीपैड पर ही खड़ा रहा।

डीके की प्रधानमंत्री से मांग पर भड़की कांग्रेस

टैगोर बोले- मेकेदातु बांध को कांग्रेस हर तरीके से 'रोकेगी'

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर पीएम मोदी की मौजूदगी में मेकेदातु प्रोजेक्ट के लिए केंद्र से जल्द मंजूरियां देने की मांग कर दी। उन्होंने कहा कि इससे तमिलनाडु पर असर नहीं पड़ेगा। तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष बी. मणिक्कम टैगोर ने कहा कि इस परियोजना को रोकने के लिए हर हद तक जाएगी।



डीके बोले- यह मेरा राज्य और मेरा अधिकार है

डीके ने बाल दिवस कार्यक्रम में कहा, कर्नाटक को कावेरी पर बांध बनाने का अधिकार है। यह मेरा राज्य है और मेरा अधिकार भी है।

मुख्यमंत्री रेखा ने प्रतिभागियों से बातचीत भी की

दिल्ली के भारत मंडपम में किया गया आयोजन

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली मंडप का उद्घाटन किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली मंडप का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि गुप्ता ने मेले में कई स्टॉल का दौरा किया और प्रतिभागियों से उनके उत्पादों के बारे में बातचीत की। व्यावसायिक आगंतुकों को 14 से 18 नवंबर तक सुबह 9.30 बजे से शाम 7.30 बजे के बीच गेट नंबर 3, 4, 6और 10 से प्रवेश मिलेगा। टिकट ऑनलाइन और सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को छोड़कर अन्य मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे।



राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का समापन

मौखिक परंपराओं को बचाने और साहित्य को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 2 दिन का राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव शुक्रवार को भारत की समृद्ध जनजातीय साहित्यक परंपरा को बचाने और देशज ज्ञान और मौखिक कहानियों को समकालीन साहित्यिक अभिव्यक्ति से जोड़ने पर चर्चा के साथ खत्म हुआ। उत्सव के हिस्से के तौर पर आयोजित इस उत्सव में फ्रॉम ओरल ट्रेडिशन टू कंटेम्परेरी ट्राइबल लिटरेचर थीम के तहत देश भर के जनजातीय लेखक, कवि, शोधकर्ता, भाषाविद और विद्वान एक साथ आए।

जांच अधिकारी ने सोनिया के दावों को नकारा

साबरमती ट्रेन में जान-बूझकर लगाई गई थी आग ज्वलनशील पदार्थ का इस्तेमाल किया गया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुजरात दंगों को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर भी विवाद

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' जारी होने के बाद से ही चर्चाओं में बनी हुई है। अब गुजरात दंगों को लेकर सोनियाकी टिप्पणी पर भी विवाद हो गया है। गांधी ने दावा किया है कि साबरमती एक्सप्रेस की बोगियों में आग लगने की वजह अभी भी विवादित है। जिसके बाद गुजरात में दंगे भड़क उठे थे। हालांकि साबरमती ट्रेन अग्निकांड की जांच करने वाली एसआईटी के प्रमुख रहे पुलिस अधिकारी राकेश अस्थाना ने इन दावे को खारिज कर दिया है। अस्थाना ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है, दोषियों को सजा भी मिल चुकी है। यह आग जानबूझकर लगाई गई थी, जिसमें किसी ज्वलनशील तरल पदार्थ का इस्तेमाल किया गया था। मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि आग लगने का कारण अभी भी साफ नहीं है।



जांच में सच सामने आ गया

अस्थाना ने कहा कि वे कोच के अंदर ही मर गए। भीड़ ने उनका पीछा किया, उन्हें मार डाला या घायल कर दिया और उन्हें मारने की कोशिश की। यह दावा कि यह एक हादसे में लगी आग थी, गलत है। अस्थाना ने कहा कि जहां तक आग लगने के कारण का सवाल है, तो यह मामला मुख्य रूप से फोरेंसिक सबूतों पर आधारित है।

बेनर्जी कमेटी के जरिए गुझे फंसाना चाहते थे लालू

अस्थाना ने दावा किया है कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव उन्हें जस्टिस यूसी बेनर्जी समिति के जरिए निशाना बनाना चाहते थे। उस समय मीडिया से जुड़े एक परिचित ने हमें सावधान रहने की चेतावनी दी थी। अस्थाना ने बताया कि उनके हॉस्टल के एक पुराने साथी, जो दिल्ली में मीडिया में एक वरिष्ठ पद पर थे, ने उन्हें फोन करके चेतावनी दी थी कि उन्हें इस मामले में फंसाया जा सकता है।

ओडिशा के हर गरीब को मिलेगा पक्का घर, केंद्रीय मंत्री चौहान

बलांगीर के कृषि कॉलेज को बनाएंगे देश का सर्वश्रेष्ठ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को ओडिशा के बलांगीर में आयोजित 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत करते हुए ओडिशा को कई सौगातें प्रदान की। सीएम मोहन चरण माझी की मौजूदगी में चौहान ने ऐलान किया कि ओडिशा के गरीब परिवारों को तत्काल 5 लाख पक्के मकान दिए जाएंगे और हर पात्र परिवार को घर मिलेगा। इस अवसर पर बलांगीर में नए कृषि कॉलेज का शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री व कृषि मंत्री कनक वर्धन सिंह देव, पंचायती राज एवं पेयजल मंत्री रवि नारायण नायक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मुकेश महालिंग, सांसद संगीता कुमारी सिंह देव सहित क्षेत्रीय विधायक शनवीन कुमार जैन, लक्ष्मण बाग और रूपा मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।



चौहान ने आश्वस्त किया कि आवास के लिये अब सही सर्वे हो चुका है और कोई भी गरीब कच्ची झोपड़ी में नहीं रहेगा, सबको चरणबद्ध तरीके से पक्का मकान मिलेगा। मकानों पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सब्सिडी देगी, जिससे बिजली का बिल शून्य होगा और लोग अतिरिक्त बिजली बेच सकेंगे।

सिंह ने कहा कि सुभद्रा योजना के तहत सालाना 10 हजार रुपए मिलने से बहनों का आत्मविश्वास और सम्मान बढ़ा है। माझी के नेतृत्व में ओडिशा ने एक साल पहले ही 27 लाख का लक्ष्य पार करते हुए 29 लाख बहनों को 'लखपति दीदी' बना दिया है। चौहान ने बताया कि अगले पांच वर्षों में देशभर की बहनों को लखपति बनाने के लिए बैंकों के माध्यम से 10 लाख करोड़ रुपए का लोन दिया जाएगा।

खेत के ऊपर सोलर पैनल लगेंगे

चौहान ने वचन दिया कि बलांगीर में शिलान्यास किए गए कृषि कॉलेज को आईसीएआर और भारत सरकार के सहयोग से हिंदुस्तान का सर्वश्रेष्ठ कृषि कॉलेज बनाया जाएगा, जहां देश के शीर्ष वैज्ञानिक किसानों की मदद करेंगे। ओडिशा की खेती को आधुनिक बनाने राज्य सरकार के साथ मिलकर एक ठोस रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इसके तहत ऐसी योजना लाई जा रही है, जिसमें किसान के खेत के ऊपर सोलर पैनल लगेंगे और नीचे फल-सब्जियों की खेती होगी, जिससे किसानों को दोहरा लाभ मिलेगा। किसान सम्मान निधि के छूटे हुए पात्र किसानों के नाम भी अब सूची में जोड़ दिए गए हैं।

दिल्ली की मंगोलपुरी की घटना

फिर शूज फैक्टरी में लगी आग 16 गाड़ियों ने किसी तरह बुझाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक बार फिर शूज बनाने वाली फैक्टरी में आग लग गई। फेज-2 स्थित ए-76 नंबर फैक्टरी में दोपहर करीब 1:10 बजे आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया। दमकल की कुल 16 इकाइयां तैनात की गईं। आग लगने के कारण और किसी के हताहत होने के बारे में अभी जानकारी नहीं मिली है।



सूरत का कपड़ा गोदाम भी खाक

सूरत। खरवासा इलाके में शनिवार को कपड़ों के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आग बुझाने के लिए साणंद, बावला और अहमदाबाद से दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके लिए दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत की।

जयशंकर ने बताया कि 1980 के दशक में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं लगभग एक समान स्तर पर थीं, लेकिन जहां बीजिंग ने औद्योगीकरण की ओर कदम बढ़ाए, वहीं नई दिल्ली इस मौके को चूक गई। उन्होंने कहा कि जब 1988 में राजीव गांधी चीन गए थे, तब भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार एक जैसा था

विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कांग्रेस पर आरोप

चीन की सीमा पर बुनियादी ढांचे की अनदेखी की गई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि चीन की सीमा पर लगभग एक दशक पहले तक सीमावर्ती बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) की अनदेखी की गई थी। जयशंकर ने गलवान का जिक्र करते हुए कहा कि उस सीमा पर हमारी खुद को बनाए रखने और सेना तैनात करने की क्षमता में सुधार हुआ है। मैं कहूंगा कि इसमें काफी महत्वपूर्ण सुधार आया है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर आ गए थे। इस घटना में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, जबकि चीनी सैनिकों के हताहत होने की संख्या स्पष्ट नहीं थी।

जून 2020 को गलवान घाटी में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे



डॉ. एस. जयशंकर संबोधित करते हुए

दुनिया में 'स्वार्थी' रुख रखने वाले पक्षकारों की संख्या बढ़ रही है

अमेरिका संग संबंधों में कोई बदलाव नहीं

जयशंकर ने कहा कि अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा वैश्विक अस्थिरता का एक 'बड़ा हिस्सा' है, लेकिन वैश्विक परिदृश्य में हो रहे व्यापक बदलावों के पीछे कई अन्य कारक भी काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका के मध्यावधि चुनाव परिणाम से दोनों देशों के आपसी संबंधों में कोई बदलाव नहीं आएगा।

नई बहुध्रुवीय दुनिया आकार ले रही

जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी बड़े संघर्षों के बीच एक नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था आकार ले रही है इसमें स्वतंत्र निर्णय लेने वाले कई और केंद्र होंगे। इसमें कहीं अधिक जटिल और कम अनुमान लगाने योग्य होगा, क्योंकि 'स्वार्थी' रुख रखने वाले पक्षकारों की संख्या बढ़ रही है। देश अपने विकल्पों और फैसलों में काफी हद तक राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देंगे। राष्ट्रीय हितों के कारण देशों के बीच गठबंधन कम मजबूत होंगे और ज्यादा 'लेन-देन' वाले होंगे, क्योंकि ये गठबंधन एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करते हैं: यानी कम मजबूत, और ज्यादा लेन-देन पर आधारित।

मजबूत विनिर्माण शक्ति विदेश नीति का आधार

विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए, ये हमारी विदेश नीति के आधार हैं, क्योंकि आज के दौर में मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं के बिना एक प्रभावी विदेश नीति नहीं बनाई जा सकती। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इस दिशा में एक बहुत मजबूत नींव रखी गई है। आज, हमें खुद को एक विनिर्माण शक्ति के रूप में विकसित करना है। साथ ही, हमारा लक्ष्य ऐसी तकनीकों और क्षमताओं को हासिल करना भी होना चाहिए, जिनकी आज के दौर में जरूरत है।

1980 के दशक में भारत ने मौका गंवाया

जयशंकर ने बताया कि 1980 के दशक में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं लगभग एक समान स्तर पर थीं, लेकिन जहां बीजिंग ने औद्योगीकरण की ओर कदम बढ़ाए, वहीं नई दिल्ली इस मौके को चूक गई। उन्होंने कहा कि जब 1988 में राजीव गांधी चीन गए थे, तब भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार एक जैसा था। लेकिन 1980 के दशक में चीन ने आधुनिकीकरण और औद्योगीकरण पर बहुत जोर दिया। मुझे यह कहते हुए खेद है कि 1980 के दशक में भारत इस मौके को गंवा बैठा।

खबर संक्षेप

बिलाल काजी को ब्रिटेन में 30 साल की जेल

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के 27 साल के बिलाल काजी को 70 नाबालिग लड़कियों को ऑनलाइन



फंसाने और ब्लैकमेल करने के मामले में 30 साल की जेल हुई है। वह सोशल मीडिया पर खुद को 14 साल का लड़का बताकर लड़कियों से दोस्ती करता था। फिर उनसे अश्लील फोटो और वीडियो मांगता था।

विदेश से आए पार्सल में 10.8 किलो ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित



विदेशी डाकघर में यूरोप से आए एक संदिग्ध पार्सल से 10.8 किलो एम्फेटामाइन जब्त किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह पार्सल यूरोप के एक देश से आया था और इसमें कपड़े होने की बात कही गई थी।

लाल किला ब्लास्ट: बचाव पक्ष ने उठाए कई सवाल

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट में दिल्ली लाल किला विस्फोट मामले में आरोपों पर बहस हुई। मामले में



आरोपी मुजम्मिल शकील और शाहीन सईद के पक्ष में वकील ने तर्क दिया कि दोनों का विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार की खरीद से कोई संबंध नहीं है। उनका अन्य आरोपियों के साथ कोई संवाद भी नहीं था।

यूएस में उड़ानों पर लगी रोक पांच घंटे बाद हटी

वॉशिंगटन। अमेरिका में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खराबी के कारण देशभर



के हवाई अड्डों से ज्यादातर उड़ानों के रवाना होने पर शुक्रवार को लगाई गई रोक करीब पांच घंटे बाद हटा ली गई। अमेरिकी प्रशासन ने बताया कि नयी प्रौद्योगिकी जोड़े जाने से पुरानी प्रणालियों पर अत्यधिक दबाव पड़ने से रुककर बाधा आई थी।

भारत की बढ़ती आर्थिक कूटनीतिक ताकत के सामने झुका अमेरिका

दूसरे देशों के मुकाबले कम टैरिफ पर होगी डील, भारत के लिए खुलेगा यूएस का बाजार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के मुताबिक, दोनों देशों ने ज्यादातर जटिल मुद्दों को सुलझा लिया है। अब समझौते पर जल्द ही मुहर लग सकती है। अमेरिका ने भारत को भरोसा दिलाया है कि इस प्रस्तावित डील में भारतीय उत्पादों पर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले कम टैरिफ लगेगा

भारत-अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील की बातचीत अब निर्णायक मोड़ यानी 'फिनिशिंग लाइन' के बेहद करीब है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को इसका संकेत दिया। उनके मुताबिक, दोनों देशों ने ज्यादातर जटिल मुद्दों को सुलझा लिया है।

अब समझौते पर जल्द ही मुहर लग सकती है। एस. जयशंकर ने बताया कि दोनों देशों ने टैरिफ से जुड़े ज्यादातर मुद्दों को सुलझा लिया है। अब आखिरी चरण की कुछ चिंताओं पर काम जारी है। उन्होंने साफ किया कि भारत एक संतुलित और फायदेमंद समझौता चाहता है। ऐसा जो उसे समान अर्थव्यवस्थाओं वाले प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले खास बढ़त दिलाए।

दूसरी ओर एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। अमेरिका ने भारत को भरोसा दिलाया है कि इस प्रस्तावित डील में भारतीय उत्पादों पर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले कम टैरिफ लगेगा। इससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बड़ी बढ़त मिलेगी।

आखिरी चरण की कुछ चिंताओं पर काम जारी

हर टैरिफ लाइन की बारीकी से समीक्षा की गई



डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

दो साल से चल रही है बातचीत

जयशंकर के अनुसार, हर टैरिफ लाइन की बारीकी से समीक्षा करने में समय लगा है। कारण है कि इससे लोगों के रोजगार जुड़े हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बाजार है। इस नाते यह डील देश के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। बता दें, भारत-अमेरिका के बीच करीब दो साल से जारी इस वार्ता को दो चरणों में बांटा गया है। इसमें से पहले चरण को मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक पूरा करने का टारगेट है। डील के इस शुरुआती पैकेज में सिर्फ वस्तुओं के व्यापार को शामिल किया जाएगा। वहीं, सर्विसेज से जुड़े मुद्दों पर व्यापक समझौते के दूसरे चरण में चर्चा होगी। फाइनल डील को कानूनी दस्तावेजों और अनुबंधों के रूप में तैयार किया जाएगा। इसमें कस्टम्स और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर विशेष चैप्टर भी होगा।

यूएसटीआर की दूसरी जांच के नतीजों का इंतजार

वरिष्ठ सरकारी ने बताया कि अमेरिका ने भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ लगाने का भरोसा दिया है। वैसे इसका वास्तविक फायदा अंतिम टैरिफ फ्रेमवर्क और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की दूसरी जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। यह एक तरह से अमेरिका का भारत के सामने झुकना ही है। वॉशिंगटन अपनी कड़ी व्यापारिक शर्तों के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद दुनिया के सबसे बड़े बाजार का भारत को प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ और खास फायदा देने का आश्वासन भारत की बढ़ती आर्थिक कूटनीतिक ताकत का सबूत है।

मियामी में दिसंबर में हो सकती है घोषणा

संभावना जताई जा रही है कि अगले महीने 14-15 दिसंबर को मियामी में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होगी। इसी के बाद इस डील की औपचारिक घोषणा हो सकती है। इससे पहले साल की शुरुआत में दोनों देशों ने डील का फ्रेमवर्क तैयार कर लिया था। लेकिन, कुछ अमेरिकी व्यापारिक जांचों और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने के नए अमेरिकी प्रावधान के चलते प्रक्रिया थोड़ी जटिल हो गई थी। वैसे भारत को फिलहाल इन टैरिफ से छूट मिली हुई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के मुताबिक, बातचीत को रफ्तार देने के लिए 2 और 3 नवंबर को एक अमेरिकी टीम ने भारत का दौरा किया था। इस दौरान कस्टम्स और व्यापार सुगमता पर अहम चर्चा भी की थी।

रूबियो ने भी दिए थे सकारात्मक संकेत

बीते कुछ हफ्तों में नई दिल्ली और वॉशिंगटन दोनों ओर से इस डील पर सकारात्मक संकेत मिले हैं। पिछले महीने मुंबई दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा था कि दोनों पक्ष डील को अंतिम रूप देने के करीब हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा कि बचे हुए मुद्दे भारत की तुलना में अमेरिकी पक्ष के बदलावों से ज्यादा जुड़े हैं। इन्हें जल्द सुलझा लिया जाएगा। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी भरोसा जता चुके हैं कि भारत ने एक बेहद शानदार डील की है। अमेरिका के साथ होने वाला यह समझौता अब तक के सबसे बेहतरीन व्यापार समझौतों में से एक होगा।

20 से 22 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में होगा आयोजन

एससीओ सभ्यता संवाद मंच में पाक की होगी भागीदारी भारत आएंगे पर्यावरण मंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में 20 से 22 नवंबर तक आयोजित किए जाने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 'सभ्यता संवाद मंच-2026' में पाकिस्तान की भागीदारी भी देखने को मिलेगी। पड़ोसी देश के संघीय जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद मलिक नई दिल्ली आएंगे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि पाकिस्तान के जलवायु एससीओ सभ्यता संवाद परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्री इस महीने के आखिर में भारत की यात्रा पर जा सकते हैं। सरकार ने उन्हें नई दिल्ली में होने वाले एससीओ सभ्यता संवाद मंच में पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने के लिए नामित किया है। पिछले साल 2025 में पाकिस्तान के समर्थन से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में लश्कर के छह आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा की गई 26 बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या के मामले के बाद से दोनों देशों के संबंध पटरी से उतर गए हैं।

आतंकवाद की वजह से दोनों देशों के संबंध अभी तक पूरी से तरह से सामान्य नहीं हुए

2023 के बाद हो रही पहली यात्रा

बता दें, पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ लगातार जारी सीमापार आतंकवाद की वजह से दोनों देशों के संबंध अभी तक पूरी तरह से सामान्य नहीं हुए हैं। ऐसे में अगर पाकिस्तानी मंत्री डॉ. मलिक नई दिल्ली की यात्रा करते हैं। तो यह वर्ष 2023 यानी करीब तीन साल बाद पाकिस्तान की तरफ से की जाने वाली पहली उच्च-स्तरीय या मंत्री स्तरीय यात्रा होगी। पूर्व में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए 2023 में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत की यात्रा की थी। पाकिस्तानी बयान के मुताबिक, एससीओ के कार्यक्रम की मदद से समूह के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को सभ्यता संवाद और सांस्कृतिक समझ जैसे विषयों पर विचारों को एक-दूसरे से साझा करने का मौका मिलेगा। पाकिस्तान की सरकार आपसी सम्मान की भावना के साथ एससीओ के ढांचे के अंतर्गत सभ्यताओं और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहलगाम हमले के बाद गर्त में पहुंचे संबंध

2025 में पाक के समर्थन से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में लश्कर के छह आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा की गई 26 बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या के मामले के बाद से दोनों देशों के संबंध पटरी से उतर गए हैं। भारत ने सबक सिखाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए करारा जवाब दिया था।

शरजील इमाम पर यूएस आयोग की टिप्पणी

भारत ने कहा- हमें उपदेश देना बंद करें, खुद को देखो

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिका में मौजूद भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) से अपने पूर्वाग्रहों पर आत्ममंथन करने और दूसरों को उपदेश देना बंद करने को कहा है।



विनय मोहन क्वात्रा

यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब इस द्विदलीय अमेरिकी आयोग ने भारत में कथित तौर पर धार्मिक आधार पर की गई गिरफ्तारियों का मुद्दा उठाया। क्वात्रा ने शुक्रवार को यह तीखी प्रतिक्रिया आयोग की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शरजील इमाम की प्रोफाइल साझा किए जाने के बाद दी। आयोग ने इमाम का परिचय देते हुए उन्हें 'धार्मिक स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाने के कारण भारत में हिरासत में लिया गया एक मुस्लिम व्यक्ति' बताया था। क्वात्रा ने आयोग की टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उसके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

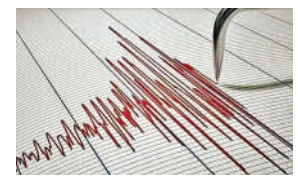
जम्मू-कश्मीर और असम में भूकंप

डोडा में 4 घंटे के भीतर भूकंप के 3 झटके, 3.8 की तीव्रता रही

एजेंसी ⏭ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार को चार घंटे के भीतर तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। तीनों भूकंपों के केंद्र लगभग पूर्व-पश्चिम दिशा में एक सीधी रेखा में रहे हैं। इनके बीच का कुल क्षेत्र करीब 11.5 किमी तक फैला है।

तीनों भूकंप महज 4 घंटे 38 मिनट के भीतर दर्ज किए गए। इनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर क्रमशः 2.7, 3.8 और 2.9 रही। भूकंप के केंद्र जमीन से 5 से 10 किमी की गहराई में दर्ज किए गए हैं। इनमें सबसे तेज



3.8 तीव्रता का भूकंप महज 5 किमी की गहराई पर आया। भूकंप के केंद्रों का सीमित भौगोलिक दायरे में लगभग एक सीध में होना खास बनाता है। वहीं, असम के कुछ हिस्सों में शनिवार को 4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप अपराह्न 2:43 बजे आया और इसका केंद्र कामरूप जिले में 10 किमी की गहराई पर था।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भारत की यात्रा पर बेल्जियम के नौसेनाप्रमुख मजबूत होंगे द्विपक्षीय और सामरिक संबंध

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सैन्य संघर्षों की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताजनक बने हुए हालात के मध्य भारत और बेल्जियम की नौसेनाएं अपने द्विपक्षीय तथा सैन्य-सामरिक संबंधों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने के इच्छुक हैं।

इसी उद्देश्य के साथ उच्च-स्तरीय बातचीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर-पश्चिमी यूरोप के देश बेल्जियम के नौसेनाप्रमुख रियर एडमिरल टैंगी बोटमैन भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। शनिवार को उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय



युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) पर जाकर देश के अमर शहीदों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित की और उसके ठीक बाद साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रांगण में परंपरागत गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण किया। भारत के नौसेनाप्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने उनका स्वागत किया।

सहयोग के नए अवसरों के द्वार खुलेंगे

इसमें कोई दोराय नहीं है कि दोनों देश दीर्घकालिक समुद्री संबंधों को लेकर आपस में जुड़े हुए हैं। ऐसे में अब हो रहा रियर एडमिरल बोटमैन का यह दौरा भारत, बेल्जियम की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के मामले में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। जिससे समुद्री सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए मौजूदा अवसरों के अलावा नई संभावनाओं की तलाश करने में भी आसानी होगी।

न्यूयॉर्क से ह्यूस्टन तक छठ महापर्व की धूम



श्रद्धालुओं ने अर्घ्य दिया

नई दिल्ली। सात समंदर पार अमेरिका में भी छठ महापर्व की रौनक छाई हुई है। जो भारतीय परिवार भारत नहीं आ सके, उन्होंने वहीं पर घाट सजाकर छठी मैया की पूजा शुरू कर दी है। न्यूयॉर्क और ह्यूस्टन समेत कई शहरों में घाट सजाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो देखकर लोग गर्व से भर उठे हैं। ह्यूस्टन के रोजनबर्ग स्थित जगन्नाथ हिंदू मंदिर परिसर में बने तालाब के किनारे भारतीय परिवारों ने मिलकर छठ घाट की सफाई और सजावट की है।

80 साल बाद 3 आर्थिक शक्तियों की चीन में बातचीत होगी

ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की पहली बार एक साथ करेंगे बैठक

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक ही बैठक में शामिल होंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की। यह बैठक चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान होगी। बैठक में सबसे अहम मुद्दा परमाणु हथियारों की संख्या कम करना होगा। इसके अलावा ईरान पर भी चर्चा होगी। बीते 80 साल में यह पहली बार होगा जब आर्थिक महाशक्तियों वाले 3 देशों के नेता एक साथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे।

एशिया प्रशांत आर्थिक सम्मेलन में मिलेंगे

परमाणु हथियार कम करने पर होगी बात



डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एआई इमेज

तीनों में परमाणु संधि फरवरी में होगी खत्म

व्हाइट हाउस के मुताबिक, ट्रंप बैठक में परमाणु हथियारों की संख्या कम करने का मुद्दा उठाएंगे। वे चाहते हैं कि चीन भी इस बातचीत में शामिल हो, ताकि अमेरिका, रूस और चीन के बीच नया समझौता हो सके। दरअसल, अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियार सीमित करने वाली आखिरी संधि इस साल फरवरी में खत्म हो गई थी।

ईरान पर चर्चा होगी यूक्रेन युद्ध पर नहीं

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप इस बैठक में ईरान का मुद्दा भी उठा सकते हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध इस बैठक के एजेंडे में शामिल नहीं होगा। अमेरिका हाल के दिनों में रूस के साथ कई बैठकें कर चुका है, लेकिन चीन इन बातचीत में शामिल नहीं रहा।

मस्क भी ट्रंप के साथ चीन जाएंगे

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी ट्रंप के साथ चीन जाएंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है। मस्क के अमेरिका और चीन के बीच कारोबार से जुड़े बड़े हित हैं। वे चीन यात्रा के दौरान ट्रंप को सलाह देने में भी मदद कर सकते हैं। हालांकि, मस्क तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की संयुक्त बैठक में शामिल नहीं होंगे।

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी
एक जरूरी पड़ताल



आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।

कवर स्टोरी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठें दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।

देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। *

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबादी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एम्स के एक अध्ययन के अनुसार मई 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में घर के अंदर, ऑफिस में या यात्रा के दौरान अचानक मरने वालों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले बारह वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 85 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त कुपोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बेरोजगारी, कुंठा, नशाखोरी तथा अपराध आदि भी युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति भी है। 15 फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य सन् 1945 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें सजग रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

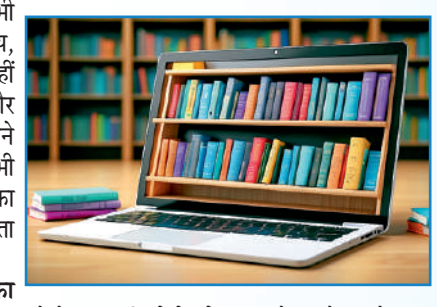
कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

नवीय जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइवर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्यूमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनाने का सपना साधने की भी जगह होती है। यहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के फ्री पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। यहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। यूके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। *

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन



ड्राइवर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था,'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा,'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी की दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है!' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह हम नहीं समझ पाए। यह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! *

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले ना हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अकसर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती हैं। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। *

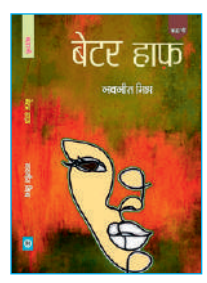
क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए!



पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां



वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरीः कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। *

पुस्तक: बेटर हाफ (कहानी संग्रह),
लेखक: नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए,
प्रकाशक: भावना प्रकाशन, दिल्ली

अंडर-19 एशिया कप : पाकिस्तान को हराकर भारत 9वीं बार चैंपियन, मनाल-मोहित ने पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶| अल अमेरत

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया और नौंवी बार खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान से मिले 338 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने मैच की आखिरी गेंद पर 9 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों का सामना करने के बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। वहीं, लक्ष्य 101 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वीके विनीत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 24 रन बनाकर आउट हुए।

अर्जुन राजपूत 16 रन ही बना सके, जबकि यशवर्धन चौहान 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। आर्यन सावसानी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हुए। काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।



मोहित ने लास्ट गेंद पर लगाया विजयी चौका

9वें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने 35 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा। मनाल पारी के 48वें ओवर में 32 गेंदों में 47 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस महत्वपूर्ण पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए। मनाल के आउट होने के बावजूद, मोहित क्रीज पर खड़े रहे और 26 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। मोहित ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहित ने शानदार चौका लगाकर टीम को यादगार जीत और खिताब दिलाया।

उस्मान खान ने लगाया शतक

इससे पहले, पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। पाकिस्तान अंडर-19 टीम की शुरुआत बेहतरीन रही। हयाम खान और उस्मान खान ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.1 ओवर में 62 रन जोड़े। हयाम 23 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उस्मान ने अब्दुल कादिर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 135 रन की बड़ी साझेदारी की। अब्दुल कादिर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर, उस्मान खान ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 107 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान फरहान यूसुफ ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। उन्होंने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली और 4 चौके तथा 3 छक्के लगाए। भारत की ओर से काव्या पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट लिए। चिगुरुपति वेंकट ने 40 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि अर्जुन राजपूत को 1 विकेट मिला।

खबर संक्षेप



सैफ चैंपियनशिप : भूटान को हराकर फाइनल में भारत

ढाका। गत चैंपियन भारत ने पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह के गोल की बदौलत भूटान को 2-1 से हराकर सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। विष्णु ने आठवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। उन्होंने लंबे पास को नियंत्रित करने के बाद दाएं पैर से लगाए शॉट पर भूटान के गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। भारत ने 27वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। किपगेन की ओर से लिए गए कॉर्नर पर भूटान के खिलाड़ी गेंद को क्लीयर नहीं कर सके और इसका फायदा उठाते हुए चिंगलेनसाना ने नजदीक से शानदार गोल दाग दिया। भूटान ने 48वें मिनट में तोबदेन के गोल से वापसी की। ग्येल्तशेन के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट के बाद तोबदेन ने हेडर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। यह मुकाबला सैफ चैंपियनशिप के इतिहास में वीएआर प्रणाली के पदार्पण का भी गवाह बना।

एशियाई कप : भारत ने गुआम को 12-0 से हराया



कुआलालंपुर। भारतीय टीम ने राज सिंह वाहेंगबाम और डल्लालमुआन गंगटे की हैट्रिक की बदौलत एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप मुकाबले में गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी। यह भारत की टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। ग्रुप ई के इस मुकाबले में वाहेंगबाम ने चार गोल दागे। उन्होंने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल किए। वहीं, गंगटे ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत के लिए अन्य गोल लियो थोंगबाम (पांचवां मिनट), ऋषिकेश मानवथी (20वां मिनट), डेविड मंगांग इरोम (53वां मिनट), फेलिक्स मीतई सैखोम (56वां मिनट) और रिस्टिक मैती (87वां मिनट) ने किए। लियो थोंगबाम ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

कोलंबो में 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत

कोलंबो। लड़कों और लड़कियों की टीमें मिलकर एक ही मैच के नतीजे में योगदान देंगी। क्रिकेट के इस नए मिश्रित प्रारुप 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत हुई। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन, श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल आर्नोल्ड और भारत के जाने-माने कोच राजकुमार शर्मा मौजूद थे। क्रिकेट के चौथे प्रारुप के रूप में पेश किए गए 'टेस्ट ट्वेंटी' में 80 ओवर का मुकाबला होगा, जिसमें चार पारियां खेली जाएंगी। प्रत्येक टीम को 20-20 ओवर की दो पारियां खेलने का मौका मिलेगा और पहली पारी में बनाए गए रन दूसरी पारी के स्कोर में जुड़ेंगे। इस प्रारुप में टेस्ट और टी20 क्रिकेट के तत्वों को शामिल किया गया है और मुकाबले एक ही दिन में पूरे होंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे आज

स्विंग की चुनौती, टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा, दांव पर सीरीज

मैच आज भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे से

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

भारतीय बल्लेबाज रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में स्विंग लेती गेंदों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे क्योंकि इस मुकाबले से शृंखला का नतीजा भी तय होगा।

भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी उसे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीरीज में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रोहित, अय्यर

पूरे बल्लेबाजी क्रम की नाकामी को देखते हुए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर 5 मैच की इस शृंखला में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। अय्यर का कप्तान के रूप में पदार्पण भी निराशाजनक रहा। हेनरी की शानदार गेंद पर रोहित चकमा खा गए और स्लिप में कैच दे बैठे जबकि अय्यर तेज गति से अंदर की ओर आई गेंद पर पगबाधा हो गए। केवल एक प्रारुप में खेलने वाले रोहित और विराट कोहली के लिए यह मुकाबला न्यूजीलैंड के संभवतः अपने आखिरी दौरे पर दर्शकों का मनोरंजन करने का अंतिम मौका हो सकता है।



न्यूजीलैंड के सामने करो या मरो का मुकाबला

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के सामने शृंखला बराबर करने के लिए एक और करो या मरो का मुकाबला है। चौथे एकदिवसीय में अर्धशतक जड़कर सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अपने करियर को नई दिशा दी होगी जबकि स्लिप में दो बार कैच छूटने के बाद विल यंग ने शानदार शतक जड़ा। भारतीय तेज गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में सलामी बल्लेबाजों को हावी होने से रोकना होगा।

सात वर्षों में अपनी धरती पर सीरीज नहीं हारा न्यूजीलैंड

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले ब्रेट रैंडेल को बे ओवल में खेलने का मौका मिलता है। न्यूजीलैंड ने पिछले सात वर्षों से अपनी धरती पर कोई शृंखला नहीं गंवाई है और ऐसे में वह चोट खाए लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगाएगा।

जल्दी आउट होना चिंता का विषय : गंभीर

गंभीर ने कहा, 'ये ऐसी परिस्थितियां हैं, जो विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब होंगी। बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं है बल्कि यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए।



हम 26 या 27 ओवर में ही सिमट गए। यह हमेशा चिंता का विषय होता है।'

गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर : अय्यर

कप्तान अय्यर ने कहा कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के काफी अनुकूल हो गई थीं लेकिन दोनों टीम के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर था। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर 9 रन कर दिया था जबकि भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुरनूर बरार और आकिब नबी ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन रन भी लुटाए। शृंखला का अपना पहला मुकाबला खेलने उतरे कुलदीप यादव के खिलाफ विल यंग ने जमकर रन बनाए। टेस्ट टीम से रिलीज किए गए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे का समापन यादगार प्रदर्शन के साथ करना चाहेंगे।

वैभव ने बनाया नया कीर्तिमान

15 साल की उम्र में कप्तानी का ताज



एजेंसी ▶▶| इंदौर

किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कप्तानी करते हुए पुरुष टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया।

सूर्यवंशी ने 15 साल और 232 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। बिहार की टीम ने घरेलू टी20 प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए युवा खिलाड़ी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि इस मुकाबले में सूर्यवंशी बल्ले से खास योगदान नहीं दे सके। उन्होंने 12 गेंद में 18 रन बनाए और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे।

दलीप ट्रॉफी में संभाली थी पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तानी

होलकर स्टेडियम में टॉस जीतकर बिहार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। यह नियुक्ति इस युवा खिलाड़ी के तेजी से बढ़ते करियर में एक और उपलब्धि है। उन्होंने महज 5 महीने पहले भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। उन्हें 2026-27 दलीप ट्रॉफी के लिए इशान किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया था। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टी20 दौरे पर था, जहां उन्होंने दो मैच खेले और 49 रन बनाए। इस शृंखला में उनका 19 गेंद में 45 रन का योगदान खास रहा था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : मुंबई ने हैदराबाद को दी करारी शिकस्त, सूर्यकुमार ने ठोके 21 गेंद में 60 रन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सूर्यकुमार यादव की 21 गेंद में खेली गई नाबाद 60 रन की तूफानी पारी की बदौलत मुंबई ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। मुंबई ने केवल 13.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। सूर्यकुमार ने अपनी विस्फोटक पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 285.71 का रहा। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर जाधवपुर विश्वविद्यालय परिसर मैदान पर मुंबई के दबदबे का नमूना पेश किया।

मुंबई ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 13.1 ओवर में 3 विकेट पर 174 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा बल्लेबाज मुशीर खान ने भी 24 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 51 रन की शानदार पारी खेली। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में 172 रन बनाए। उसकी ओर से अभिरथ रेड्डी ने 24 गेंदों पर 35 रन बनाकर सर्वाधिक स्कोर किया। कोडिमेला हिमतेजा ने 16 गेंदों पर 25 रन बनाए जबकि कप्तान चामा मिलिंद ने 12 गेंदों पर 22 रन की तेजतर्रार पारी खेली। प्रणव वर्मा ने भी 14 गेंदों पर 18 रन बनाए। शुरुआती झटकों से उबरते हुए हैदराबाद ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।



चंडीगढ़ ने बड़ौदा को हराया

मुंबई। कृणाल पंड्या के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के बावजूद बड़ौदा को शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ए मुकाबले में चंडीगढ़ के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पंड्या ने निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाए, जिससे बड़ौदा की टीम छह विकेट पर 148 रन बनाने में सफल रही। सलामी बल्लेबाज शिवालिक शर्मा ने 42 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली, लेकिन बड़ौदा की टीम पूरी पारी के दौरान रन गति बढ़ाने के लिए संघर्ष करती रही। भारतीय टीम के खिलाड़ी जितेश शर्मा और दीपक हुड्डा भी बल्ले से कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। इसके बाद पंड्या और दीपक हुड्डा की स्पिन गेंदबाजी ने चंडीगढ़ के बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया।

टेस्ट टीम से कुलदीप रिलीज, बरार को मौका



एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए शनिवार को भारतीय टीम में शामिल किया गया जबकि स्पिनर कुलदीप यादव को रिलीज कर दिया गया क्योंकि इस शृंखला में तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिचें मिलने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए भारतीय टीम में गुरनूर बरार को शामिल किया है।' 'कुलदीप यादव को भारत में जारी घरेलू क्रिकेट में खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज किया जाएगा।' टीम में चयन के बाद बरार रविवार को माउंट मोनगानुई में होने वाले 5वें और अंतिम एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

नेशन्स लीग : नीदरलैंड ने यूनान को 7-0 से हराया, रेनडर्स ने लगाई हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| एम्सटर्डम

नीदरलैंड ने यूएफा नेशंस लीग फुटबॉल में यूनान को 7-0 से करारी शिकस्त देकर नए कोच जावी के मार्गदर्शन में अपना अजेय अभियान जारी रखा जबकि जुर्गेन क्लॉप की जर्मनी की टीम ने सर्बिया को 3-1 से हराया।

खेले गए मुकाबले में नीदरलैंड की शानदार जीत में तिजानी रेनडर्स ने हैट्रिक लगाई जबकि ज्यूरियन टिम्बर ने दो गोल दागे। क्रिसेंसियो समरविल ने छठे मिनट में गोल करके नीदरलैंड का खाता खोला। इसके बाद रेनडर्स ने 21 मिनट के भीतर तीन गोल दागे। टिम्बर ने दो और गोल किए जबकि डॉनील मैलेन ने सातवां गोल करके टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की।



कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्रं 04 (यांत्रिक विभाग)

40/ यां.वि./ 2026 भोपाल, दिनांक 03.11.2026

निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु दो लिफाफा पद्धति के म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहरबंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू.में)	निविदा क्रय करने का अंतिम	
				दिनांक	समय
1.	2026_UAD_547232_1	CONSTRUCTION OF C.C. ROAD AND CHAMBERS FROM MUNNA YADAV HOUSE TO PRASHANT BHAI HOUSE AT WARD 20 ZONE 04	2.47	17-Nov-2026	05:30 PM
2.	2026_UAD_547230_1	CONSTRUCTION OF CC. ROAD AND FIXING OF PAVER BLOCKS AT CITY KOTWALI THANA CAMPUSS WARD 20 ZONE 04	15.61	02-Dec-2026	05:30 PM

नियम व शर्तें :-
1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करने होगे एवं अन्य समस्त विस्तृत mptenders.gov.in जानकारी पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी निविदा के स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्रं.04
नगर निगम भोपाल

नि.क्र.982/026/027

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल
सामान्य प्रशासन विभाग

क्र. 126/सा.प्र.वि./2026 भोपाल, दिनांक 12/11/2026

विज्ञप्ति

श्री खेमचन्द / गोरेलाल सफाई कामगार वार्ड 53, जोन-14 नगर निगम भोपाल अकारण स्वेच्छापूर्वक दिनांक 29.01.2014 से बिना सूचना के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित हैं। इस संबंध में पूर्व में भी सूचना क्र. 1026/16/17 के माध्यम से विज्ञप्ति प्रकाशित कर कार्य पर उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया था।

अतः इस अंतिम विज्ञप्ति प्रकाश के माध्यम से आपको पुनः सूचित किया जाता कि विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अनुपस्थिति का कारण दशार्ते हुए अपने कार्य पर उपस्थित हो जाए अन्यथा यह मानकर कि आप निगम सेवा करने के इच्छुक नहीं हैं, ऐसी स्थिति में बिना किसी अग्रिम सूचना के आपकी सेवायें समाप्त कर दी जाएँगी।

प्र. सहायक अधीक्षक
सामान्य प्रशासन विभाग
नगर निगम, भोपाल

सू. क्र.1003/025/026

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL (M.P.)
(GARDEN SECTION)
SECTION 1

N.I.T. NO. 22/GS/BMC/2026 **Notice Inviting e-Tenders** Date: 11.11.2026

Online Percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs.)	Earnest money Deposit (EMD) (In Rs.)	Cost of bid Document (In Rs.)	Period of Completion (In Months)
1.	2026_UAD_543738_2	REPAIRING OF GRILL AND GATE PAINTING OF BOUNDARY WALL AND GRILL, REPARING OF SHADE PROVIDING AND FIXING OF PAVER BLOCK NEAR BY SHADE AND TILES WORK AT CHABUTRA AT E-3 KUSUM PARK WARD 45 ZONE 10 (PARSHAD NIDHI 2026/27	7,22,061/-	7,221/-	2000/-	02Months
2.	2026_UAD_543764_2	SUPPLYING OF SOIL MANURE, EDGEING AND GROSS AND REPARING AND PAINTING OF GRILL WARD 45 ZONE 10 (PARSHAD NIDHI 2026/27)	4,16,636/-	4,166/-	2000/-	02Months

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online

Assistant Engineer
Municipal Corporation Bhopal
District Bhopal

T.N.1002/026/027





भोपाल पहुंची जापान की टीम ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बरखेड़ा नाथू में अभ्यास किया और मैदान की बारीकियों और अपनी क्षमताओं को परखा।

6 देशों के 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का करेंगे प्रदर्शन

एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 का सीएम डॉ. मोहन 19 को करेंगे का शुभारंभ

हॉकी के महाकुंभ के लिए भोपाल तैयार...

28 नवंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भोपाल बरखेड़ा नाथू में होंगे मुकाबले

मैच देखने दर्शकों को मिलेगी मुफ्त एंट्री, प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण 166 देशों में किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी और हॉकी की नर्सरी माने जाने वाला भोपाल शहर पहली बार प्रतिष्ठित एशियन वूमेंस हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी-2026 की मेजबानी करने जा रहा है। 19 से 28 नवंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बरखेड़ा नाथू में एशियन वूमेंस हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी-2026 आयोजित होने जा रही है जो प्रदेश के लिए गौरव, प्रतिष्ठा और अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनेगी। यह आयोजन केवल एक अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की खेल क्षमता, आधुनिक खेल अधोसंरचना और खेलों के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का वैश्विक प्रदर्शन भी होगा। यह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिता 19 नवंबर को भव्य समारोह के साथ प्रारंभ होगी। शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। प्रतियोगिता में एशिया की 6 शीर्ष महिला हॉकी टीमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड भाग लेंगी। इसमें लगभग 150 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण 166 देशों में किया जाएगा। सभी मुकाबले डे-नाइट फॉर्मेट में फ्लड लाइट की रोशनी में खेले जाएंगे। प्रतिदिन तीन-तीन मुकाबले होंगे, जिससे दर्शकों को विश्वस्तरीय महिला हॉकी का रोमांचक अनुभव प्राप्त होगा। आयोजन में प्रदेश की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक खानपान और लोककलाओं को भी मंच प्रदान किया जाएगा। इसके लिए विशेष ट्राइबल फूड एवं आर्ट स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित किया जाएगा।





नारी शक्ति को समर्पित होटल रंजीत से वन विहार तक आज हॉकी वॉकथॉन



मंत्री सारंग और हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर होंगे शामिल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री शविश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियन्स ट्रॉफी भोपाल-2026 के शुभारंभ के पूर्व हॉकी वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। यह वॉकथॉन 15 नवंबर रविवार को सुबह 7:30 बजे होटल लेकव्यू रंजीत से वन विहार तक निकाली जाएगी। वॉकथॉन में भारतीय हॉकी के स्टार खिलाड़ी व प्रदेश के गौरव विवेक सागर विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल होंगे। साथ ही शहर के खिलाड़ी, फिटनेस प्रेमी, सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि, युवा संगठन, सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होंगे। मंत्री सारंग ने बताया कि यह वॉकथॉन नारी शक्ति को समर्पित है, जिसका उद्देश्य महिला हॉकी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, महिला खिलाड़ियों के अदम्य साहस, प्रतिभा और उपलब्धियों का सम्मान करना है। मंत्री सारंग ने शहरवासियों से आह्वान किया है कि बड़ी संख्या में नारी शक्ति के सम्मान, महिला हॉकी के प्रोत्साहन और भोपाल की गौरवशाली हॉकी विरासत को पुनर्जीवित करने के इस वॉकथॉन का हिस्सा बनें।

दर्शक ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे फ्री एंट्री पास

दर्शक **Ticketgenie** की वेबसाइट या मोबाइल एप के माध्यम से मुफ्त प्रवेश पास प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद दर्शक अपनी पसंद के मैच का चयन कर डिजिटल एंट्री पास हासिल कर सकते हैं। इस पास में क्यूआर कोड दिया जाएगा, जिसे स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर स्कैन करने के बाद एंट्री मिलेगी। फ्री टिकट पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि यह भोपाल के लोगों को अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी से जोड़ने का बेहतर अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों और हॉकी प्रेमियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिलेगी। वहीं, हॉकी इंडिया के महासचिव और एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह ने कहा कि सभी मैचों को बिना प्रवेश शुल्क के दर्शकों के लिए उपलब्ध कराने का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्टेडियम तक लाना है।



भोपाल के हॉकी मैदान को मिला एफआईएच कैटेगरी-1 सर्टिफिकेट

भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से कैटेगरी-1 का प्रमाण मिला है। देश में हैदराबाद के बाद भोपाल दूसरा शहर है, जहां एफआईएच कैटेगरी-1 प्रमाणित हॉकी मैदान उपलब्ध है। यह हॉकी मैदान विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही मप्र को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। भोपाल में ऐसा हॉकी मैदान होना प्रदेश के उभरते हॉकी खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है।







भोपाल पहुंची जापान की महिला टीम का विमानतल पर जोरदार स्वागत किया गया।

19 नवंबर से शुरू होंगे मुकाबले, 28 को खेला जाएगा फाइनल

राजधानी भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट का मैच शेड्यूल जारी कर दिया गया है। प्रतियोगिता में भारत, चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता की शुरुआत 19 नवंबर को होगी। पहले दिन दोपहर 1 बजे चीन और थाईलैंड के बीच उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। इसके बाद दोपहर 3:15 बजे जापान और कोरिया आमने-सामने होंगे। शाम 5:30 बजे उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। दिन का अंतिम मुकाबला शाम 7 बजे भारत और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

भारत के मुकाबलों पर रहेगी नजर: भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 19 नवंबर को शाम 7 बजे मलेशिया के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 21 को भारत का सामना कोरिया से होगा। 22 को भारत और थाईलैंड के बीच मैच होगा। 24 नवंबर को भारतीय टीम चीन से भिड़ेगी, जबकि 25 नवंबर को जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। भारत के सभी लीग मुकाबले शाम 7 बजे निर्धारित किए गए हैं।

भोपाल में खिताब बचाने उतरेगी भारतीय टीम

हम अपना स्तर लगातार ऊंचा करते रहेंगे : सलीमा



कप्तान ने एक और शानदार प्रदर्शन का जताया भरोसा

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने मप्र महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 में टीम इंडिया के एक और शानदार प्रदर्शन का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि टीम पिछले कुछ समय में हासिल की गई उपलब्धियों से मिले आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी और अपने प्रदर्शन का स्तर लगातार ऊंचा करने का प्रयास करेगी तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम आगामी प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। पिछले महीने जापान में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद टीम का मनोबल काफी ऊंचा है।

भारतीय महिला टीम ने इस वर्ष एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद एफआईएच विश्व कप में पांचवां स्थान हासिल किया, जो 1974 के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इन उपलब्धियों ने टीम को आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नई ऊर्जा और आत्मविश्वास दिया है।

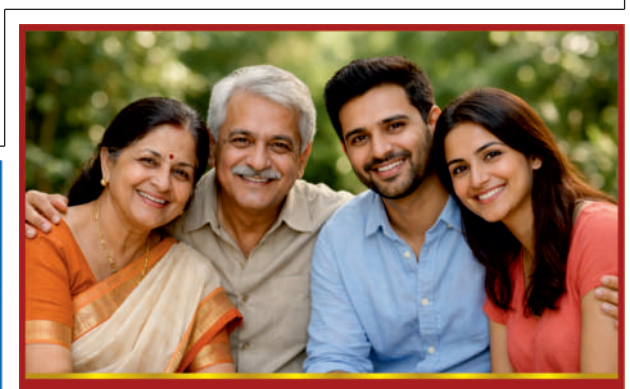
टीम का लक्ष्य अपने खेल को और बेहतर बनाना है

एक साक्षात्कार में कप्तान सलीमा टेटे ने टीम की तैयारियों पर कहा, टीम का लक्ष्य केवल पिछली सफलताओं को दोहराना नहीं, बल्कि हर प्रतियोगिता में अपने खेल को और बेहतर बनाना है। भारतीय खिलाड़ियों की फॉर्म और हालिया उपलब्धियों को देखते हुए भोपाल में होने वाली यह प्रतियोगिता टीम के लिए एक और चुनौती होगी।

भोपाल में टीमों का आगमन शुरू

जापान की टीम पहुंची भोपाल आज आएगी भारतीय टीम

भोपाल में आयोजित होने वाली नौवीं महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए छह देशों की हॉकी टीमों का आगमन शुरू हो गया है। शनिवार सुबह 7:55 बजे फ्लाइट संख्या एआई 1705 से जापान की टीम भोपाल पहुंच गई है। राजाभोज विमानतल पर खेल विभाग के अधिकारियों ने टीम के सदस्यों का तिलक लगाने के साथ माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इसके बाद शाम के सत्र में टीम ने बरखेड़ा नाथू हॉकी स्टेडियम पहुंची और वहां अभ्यास कर पसीना बहाया। इस टूर्नामेंट में भारत सहित जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा ले रही हैं। मीडिया को जारी कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम 15 नवंबर को रात 8:15 बजे फ्लाइट संख्या 6E 6465 से आएगी। वहीं, चीन की टीम 16 नवंबर को शाम 7:05 बजे फ्लाइट संख्या आईएक्स 2243 से भोपाल पहुंचेगी, जबकि कोरिया की टीम इसी दिन रात 9:40 बजे फ्लाइट संख्या एआई 1713 से आएगी। मलेशिया की टीम 17 नवंबर को ग्वालियर से सड़क मार्ग द्वारा बस से भोपाल पहुंचेगी।









हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930